ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Sanganer ko Sanga Baba... The Indus in flood, troops hesitating at a dangerous crossing, and a young Kunwar Man Singh says, "Sabey bhumi Gopal ki, ya main atak kahan; Ja key mun mein atak hai, sohi atak raha."

Discovery of Radium On December 26, 1898, pioneering scientists Marie and Pierre Curie announced the discovery of radium

वेनेज़ुएला के प्रकरण में ट्रंप पूर्णतया "मनरो डॉक्ट्रिन" का अनुसरण कर रहे हैं

उन्नीसवीं शताब्दी में अमेरिका के राष्ट्रपति हर्बर्ट हेनरी ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि अमेरिका की पूर्ण दादागिरी होनी चाहिए अपने "हैमिस्फियर" में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। अमेरिका की कार्रवाइयों के जवाब में वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो ने अमेरिका को "कैरीबियन का समुद्री डाकू" (पयरेट्स ऑफ द करीबियन) कहा है। मदुरो, ट्रंप की कार्यवाहियों को लेकर गुस्से में हैं, आमतौर पर कई लोग जिन्हें अवैध बता रहे हैं।

लेकिन सवाल यह है कि वेनेज़ुएला का तेल लेकर ज्यादतर चीन जा रहे टैंकरों को पकड़कर क्या डॉनल्ड ट्रंप सच में वेनेज़ुएला के खिलाफ अपना सनकीपन दिखा रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निकोलस मदुरो के खिलाफ अमेरिका की ये कार्रवाहियाँ कहीं ज़्यादा रणनीतिक और सोची समझी हैं।

- **इसलिए अमेरिका ने वेनेज़ुएला के ऑयल टैंकर्स की पूर्ण घेराबंदी कर रखी है तथा टैंकर्स को आगे ऑयल नहीं दे रहा।**
- **पर, ट्रंप ने एक गली छोड़ रखी है, अमेरिका की ऑयल कंपनियों को वेनेज़ुएला में काम करने की पूरी इजाज़त दे रखी है।**
- **वेनेज़ुएला में विश्व का सबसे बड़ा ऑयल भंडार है और अमेरिका चाहता है कि इस ऑयल भंडार पर अमेरिकी कंपनियों का आधिपत्य हो, जिससे ट्रंप इन कंपनियों के जरिए, ऑयल की कीमत आदि तय करने का निर्णय ले सकें।**

यह बात ज़्यादा लोगों को पता नहीं है कि एक ओर जहाँ अमेरिका ड्रग्स से भरी नावों को कैरीबियन सागर में डुबो रहा है और वेनेज़ुएला के तेल टैंकरों को ज़ब्त कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह अमेरिकी तेल कंपनी शेवरॉन को वेनेज़ुएला में काम करने की इजाज़त भी दे रहा है और सबसे ज्यादा अहम बात यह है कि अमेरिका, निकोलस मदुरो की वेनेज़ुएला सरकार को अपने तेल उत्पादन का आधा हिस्सा वापस लेने की इजाज़त दे रहा है।

ग़ौर करने वाली बात यह है कि इनमें से तेल से भरे कई टैंकर चीन जा रहे थे, जो सीधे तौर पर चीन के हितों के ख़िलाफ़ जाता है। चीन ने अपने हित सुरक्षित रखने के लिए वेनेज़ुएला में भारी निवेश किया है और कूटनीतिक कोशिशें भी की हैं।

तो क्या वेनेज़ुएला को चारों ओर से घेरना और साथ ही अमेरिकी कंपनियों को वहाँ काम करने देना विरोधाभासी नहीं है? ज़रूरी नहीं, क्योंकि अमेरिका अब देश के तेल संसाधनों पर पकड़ बनाए रखने के लिए अपना अहम पत्ता अपने पास रख रहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने पटवारी भर्ती के परिणाम व उत्तरकुँजी पर जवाब माँगा

जयपुर, 25 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पटवारी भर्तीः 2025 के परिणाम व उत्तरकुंजी को चुनौती देने के मामले में राजस्थान स्टाफ सलेक्शन बोर्ड के सचिव व रेवेन्यू बोर्ड के रजिस्ट्रार से जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने इनसे पूछा है कि क्यों ना विवादित प्रश्न-उत्तरों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह निर्देश पूरबा राम व अन्य की याचिका पर दिया।

मामले से जुड़े अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि भर्ती परीक्षा में करीब आधा दर्जन विवादित प्रश्न-उत्तर थे। ऐसे में बोर्ड ने उत्तर कुंजी जारी कर भर्ती में अनियमितता की है। भर्ती परीक्षा में इन प्रश्नों के उत्तर प्रार्थी के सही थे, लेकिन उन्हें उत्तर कुंजी में सही नहीं माना। इसलिए इन विवादित उत्तरों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए तथा विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट नहीं आने तक मौजूदा भर्ती के पदों की नियुक्ति पर रोक लगाई जाए। याचिका

- **अदालत ने पूछा कि क्यों न विवादित प्रश्न-उत्तरों की जाँच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाजपेयी की जयंती पर भाजपा मुख्यालय में दीपोत्सव का आयोजन

देश भर के भाजपा मुख्यालय दीपों से जगमगाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार रात को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर अपने केन्द्रीय कार्यालय में एक भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया।

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, जो अटल स्मृति न्यास सोसायटी के अध्यक्ष हैं, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दीप जलाने के कार्यक्रम में शामिल हुए। नड्डा ने कहा कि वाजपेयी ने भारत को एक नया एवं दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान किया था।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह, कार्यालय सचिव महेन्द्र कुमार, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा सहित, अनेक वरिष्ठ पार्टी नेता शामिल हुए।

भाजपा वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर देशभर में दीप जलाने का आयोजन कर रही है। पार्टी इस साल वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष को "अटल स्मृति वर्ष" के रूप में मना रही है, जिसके तहत पूरे वर्ष कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठियाँ और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, ताकि लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान के बारे में बताया जा सके।

- **भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व पूर्व उपाध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर दीप जलाए।**
- **भाजपा ने वाजपेयी की 101वीं जयंती पर वर्ष भर कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठियों आदि के आयोजन की घोषणा की ताकि लोगों को वाजपेयी के योगदान के बारे में बताया जा सके।**

सरकार को अवैध घुसपैठियों पर एक्शन लेने का अधिकार है

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत की सरहदों को लेकर केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी को याद दिलाते हुए कहा कि अवैध प्रवासियों की देश में मौजूदगी सिस्टम की नाकामी को दिखाती है, जिसे सख्ती और कानून के तहत ठीक करने की जरूरत है। शशि थरूर ने कहा कि अगर लोग गैरकानूनी तरीके से भारत में एंट्री कर रहे हैं या वीजा अवधि से अधिक वक्त तक रुक रहे हैं, तो यह बॉर्डर मैनेजमेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में चूक की तरफ इशारा करता है। इसके साथ ही थरूर ने घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन की भी वकालत की।

शशि थरूर ने कहा, अगर अवैध प्रवासी हमारे देश में आ रहे हैं, तो क्या यह हमारी नाकामयाबी नहीं है? क्या हमें अपने बॉर्डर पर बेहतर कंट्रोल नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में 5 रूपए में थाली मिलेगी अटल कैन्टीन में

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर 100 अटल कैन्टीन खोलने की घोषणा की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 अटल कैंटीनों का उद्घाटन किया, जो गरीबों, मजदूरों और निम्न-आय वाले परिवारों को सम्मान के साथ भोजन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरु की गई हैं।

आम तौर पर, एक संतुलित भोजन, जिसमें दाल, चावल, रोटी, एक सब्जी और अचार शामिल होते हैं, वह किसी भी रेस्त्राँ या रैस्त्राँ जैसे स्थान पर 500 से 2,000 रुपये के बीच मिलता है। अब कल्पना करें कि वे लोग, जो रोज़ाना दो वक्त का खाना मुश्किल से जुटा पाते हैं, उन्हें यह पूरा भोजन इसके दसवें हिस्से में ही मिल जाए, यह इतनी अच्छी खबर है कि इसका सच होना बहुत मुश्किल लग रहा है। दिल्ली सरकार ने आज 'अटल कैंटीन' योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत शहर भर में 100 स्थानों पर केवल 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल कैंटीन दिल्ली की आत्मा का रुप ले लेंगी। अब दिल्ली में कोई भी भूखा नहीं सोएगा।

दिल्ली सरकार ने आज दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में 45 अटल अटल कैंटीने खोलीं, जिनमें आरके पुरम, जंगपुरा, शालीमार बाग, ग्रेटर कैलाश,

- **मुख्यमंत्री गुप्ता ने आज 45 अटल कैन्टीन का उद्घाटन किया, शेष 55 कैन्टीन जल्दी ही शुरु कर दी जाएंगी।**
- **दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली में कोई भी भूखा नहीं सोएगा, क्योंकि 5 रूपए में लोगों को पौष्टिक भोजन मिलेगा, जो किसी अच्छे रैस्त्रां में 500 से 2000 रूपए में मिलता है।**
- **इसमें कूपन के बजाय डिजिटल टोकन सिस्टम शुरु किया गया है और सभी कैन्टीन की सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रक से टक्कर के बाद स्लीपर बस में आग लगी, 10 जिंदा जले

चित्रदुर्ग, 25 दिसंबर। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात एक स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुके में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे।

- **कर्नाटक में रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर प्राइवेट स्लीपर बस से टकराई और आग लग गई। सोते हुए यात्रियों को बचाने का मौका नहीं मिला।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई को अडानी ने दिया नया इंटरनैशनल एयरपोर्ट

यह नवी मुम्बई इंटरनैशनल एयरपोर्ट अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग ने सिटी एंड इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन के सहयोग से बनाया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स और महाराष्ट्र के सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा मिलकर विकसित किया गया नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) गुरुवार को यात्रियों के लिए खोल दिया गया। क्रिसमस के मौके पर इसे यात्रियों के लिए एक बड़ा तोहफ़ा माना जा रहा है।

एयरपोर्ट पर पहली व्यावसायिक उड़ान के उतरने के बाद अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने खुशी ज़ाहिर की। उन्होंने कहा, "यह मुंबई की जनता के लिए बेहद गर्व का पल है और हम वाकई खुशक़िस्मत हैं कि हमें इस एयरपोर्ट को विकसित करने का अधिकार मिला। यह एक बिल्कुल नया एयरपोर्ट है और हमने इसे विश्वस्तरीय बनाने की पूरी कोशिश की है।"

यात्रियों के नाम अपने संदेश में गौतम अडानी ने मुंबई के मौजूदा एयरपोर्ट पर भीड़ कम होने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा, "मुंबई पिछले दस साल से संघर्ष कर रही थी। मौजूदा मुंबई एयरपोर्ट पूरी तरह जाम हो चुका था और यह नया एयरपोर्ट हवाई यातायात का दबाव कम करेगा।"

बेंगलुरु से आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 6460 सुबह 8 बजे नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरी और उसका स्वागत वाटर कैनन सलामी से किया गया, जो विमानन क्षेत्र की एक आनुष्ठानिक परंपरा है, जिसमें फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ विमान के ऊपर पानी की फुहारें छोड़ती हैं।

पहली उड़ान के उतरने से पहले, इंडिगो के कर्मचारियों को केक काटते और नारियल तोड़ते देखा गया, जो एक मांगलिक परम्परा है।

इसके बाद, एयरपोर्ट से पहली बार रवाना होने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई882 ने हैदराबाद के लिए सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर उड़ान भरी।

सोशल मीडिया पर रियल टाइम अपडेट साझा करते हुए अडानी ग्रुप ने लिखा, "भारतीय विमानन के लिए एक नए युग की शुरुआत हो रही है। वर्षों की योजना और मेहनत के बाद, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपनी पहली उड़ान का स्वागत करने के लिए तैयार है। अंतिम चरण तक हर साल 9 करोड़ यात्रियों की सेवा करने की क्षमता के साथ, यह एयरपोर्ट सिर्फ मुंबई ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

- **एयरपोर्ट पर पहली उड़ान लैंड होने के बाद अडानी ने खुशी जाहिर की और कहा कि यह मुम्बई के लिए एक बड़ा तोहफा है और हम भाग्यशाली हैं जो हमें यह एयरपोर्ट बनाने का मौका मिला।**
- **बैंगलुरु से आई इंडिगो फ्लाइट का एयरपोर्ट पर पारंपरिक तरीके से पानी की फुहारें बरसा कर स्वागत किया गया।**

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 27 को दिल्ली में

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जनवरी के आखिरी सप्ताह में प्रस्तावित ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल होने हैदराबाद जाएंगे। राहुल गांधी इस बैठक को संबोधित भी करेंगे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि 27 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस मौजूदा राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेगी। इसमें मनरेगा समेत "वोट चोरी" पर सरकार को घेरने की रणनीति बनायी जाएगी। ओबीसी कांग्रेस ने भी अपनी राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक उसी दिन कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की

- **इसी दिन ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की भी बैठक होगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरावली पर्वत श्रंखला के किसी भी पहाड़ की ऊंचाई नापने के लिए, पुराना तरीका क्यों त्यागा गया?

विश्व भर में किसी भी पर्वत की ऊंचाई सदा "मीन सी लैवल" से नापी जाती है, पर, अरावली में पर्वत की ऊंचाई नापने के लिए "स्थानीय ऊंचाई" (लोकल रिलीफ) को आधार बनाया गया है

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। एक तकनीकी पुनर्परिभाषा भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक, अरावली को कानूनी रूप से दोहन (खनन इत्यादि) योग्य भूमि में बदलने का खतरा उत्पन्न कर रही है। लेकिन सरकार के अपने मानकों के हिसाब से भी इस पर चार सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

अरावली पर्वत श्रृंखला से संबंधित यह विवाद तब शुरू हुआ, जब पर्यावरण मंत्रालय ने इस प्राचीन पर्वत श्रृंखला में "सतत खनन" की अनुमति देने के लिए एक नई परिभाषा पेश की।

अरावली के प्रति जनता की लहर ने पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को भी नाराज़ कर दिया, उन्होंने एक्टिविस्ट की आलोचना की और यूट्यूब रील्स को गलत जानकारी फैलाने का दोषी ठहराया।

नागरिक समूहों और एक्टिविस्टों का गुस्सा उस समय बढ़ गया, जब नवंबर के अंत में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय के नए मानदंड को स्वीकार कर लिया, जिसमें अरावली की परिभाषा तय की गई थी। यह निर्णय कहता है कि केवल वही पहाड़, जो स्थानीय स्तर से कम से कम 100 मीटर ऊपर उठते हैं, या ऐसे पहाड़ों का समूह, (100 मीटर और ऊपर) जो एक-दूसरे से 500 मीटर के दायरे में स्थित हैं, वही अब अरावली रेंज का हिस्सा माने जाएंगे।

यादव, जिनके मंत्रालय ने यह नया मानदंड पेश किया, ने इस स्थिति का जोरदार बचाव किया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि 100 मीटर की ऊंचाई पहाड़ की संरचना के बेस से मापी जाएगी, और पहाड़ की संरचना के चारों ओर या इसके नीचे खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन स्पष्ट रूप से, यह स्पष्टीकरण पर्याप्त नहीं है। कई महत्वपूर्ण सवाल अब भी बने हुए हैं। एक सबसे प्रासंगिक सवाल, जिसका मंत्री ने जवाब नहीं दिया है, वह यह है कि जब पहाड़ों की ऊंचाई वैज्ञानिक रूप से मीन सी लेवल (एमएसएल) अर्थात औसत समुद्री स्तर से मापी जाती है, तो पर्यावरण मंत्रालय ने इस पारंपरिक मानक को क्यों हटा दिया और "लोकल रिलीफ" (स्थानीय राहत) शब्द क्यों जोड़ा है? "लोकल रिलीफ" एक तरीका है, जिसके तहत पहाड़ की ऊंचाई को आसपास की सतह से नापा जाता है। मसलन अगर कोई पहाड़ी 100 मीटर ऊंची है और उसके आसपास का क्षेत्र भी ऊंचा है तो पहाड़ी की ऊंचाई को स्थानीय राहत के आधार पर कम नापा जा सकता है।

उदाहरण के लिए, कुतुब मीनार की ऊंचाई 100 मीटर से कम है, यह लगभग 72 मीटर ऊंची है। क्या हम कभी कोई ऐसा नियम बना सकते हैं जिसमें कहा जाए कि सभी धरोहर संरचनाएँ जो 100 मीटर से कम हैं, वे

- **सिटिज़न्स ग्रुप व एक्टिविस्ट, उदाहरण दे रहे हैं, कुतुबमीनार का। इन लोगों का तर्क है कि कुतुबमीनार की ऊंचाई 72 मीटर है, जो 100 मीटर की ऊंचाई की सीमा से कम है तो क्या सरकार यह नया कानून बना सकती है कि सौ मीटर से कम ऊंचाई की इमारतें, ध्वस्त की जा सकती हैं, सड़कें आदि बनाने व नई कॉलोनियां काटने के लिए।**
- **इन एक्टिविस्टों के अनुसार, हरियाणा में ऐसे कई स्थान हैं, जैसे मानेसर, पंचगाँव, खेड़ला, गैरतपुर जहाँ "मीन सी लैवल" से पर्वत की ऊंचाई से घटा दी जाए तो पर्वत की ऊंचाई 100 मीटर से कम आंकी जाती है। अतः उस पर्वत को तोड़ कर सड़क आदि बनाई जा सकेगी, नई कॉलोनी काटी जा सकेगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में राहत की सांस, एक्यूआई 220 पर पहुँचा

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी वासियों को क्रिसमस सुबह 50 दिनों में सबसे स्वच्छ हवा मिली। दिवाली के बाद से जारी खतरनाक प्रदूषण स्तरों के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक गिरकर 220 पर आ गया, जो राजधानी के लोगों के लिए बहुत राहत वाली रिपोर्ट है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह 8:05 बजे दिल्ली का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जो नवंबर की शुरुआत के बाद सबसे कम है। यह मंगलवार शाम चार बजे दर्ज 24 घंटे के औसत एक्यूआई 271 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

- **पचास दिन बाद क्रिसमस की सुबह दिल्ली को स्वच्छ हवा मिली**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दान देकर तुम्हें खुश होना चाहिए, क्योंकि मुसीबत दान की दीवार कभी नहीं फांदती। –हज़रत मोहम्मद

मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में उपलब्धियों के नये आयाम स्थापित करता राजस्थान

कुशल नेतृत्व और दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि दो साल की अल्प अवधि में ही राजस्थान उपलब्धियों के नए आयाम स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अथक मेहनत, विजनरी सोच, लोककल्याण को प्राथमिकता और आपणों राजस्थान अग्रणी राजस्थान के संकल्प के साथ आज राजस्थान बीमारु प्रदेश ना होकर देश का अग्रणी प्रदेश बन गया है। सबसे खास बात यह है कि किसी एक क्षेत्र में अव्वल होना एक बात होती है और समग्र उपलब्धियों की इबारत लिखना अलग बात होती है। आज राजस्थान औद्योगिक निवेश, पर्यटन, खनन, एनर्जी, डीबीटी, किसान सम्मान, कृषि विकास, सहकारिता, महिला सशक्तिकरण, चिकित्सा और स्वास्थ्य व इसी तरह के प्रमुख प्रमुख सेक्टर्स में अपनी पहचान बनाकर आगे बढ़ रहा है। ऐसा नहीं है कि यह अपने आप हो गया हो या विरासत में मिला हो बल्कि योजनाबद्ध प्रयासों का ही परिणाम है कि सकारात्मक और विकासात्मक परिणाम प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सोच का ही परिणाम रहा कि सरकार बनने के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर देश-दुनिया के निवेशकों को राजस्थान की और आकर्षित किया और करीब 35 लाख के निवेश प्रस्तावों पर करार कराने के साथ ही राइजिंग राजस्थान के एक साल पूरे होते-होते करीब 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करा दिए गए। यह अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि ज्यादातर सरकारों द्वारा ऐसे निवेश सम्मेलनों का आयोजन सरकार के तीसरे-चौथे साल में किए जाते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि निवेश करारों के बाद सरकार चुनावी मोड़ पर आ जाती है और सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है। अब पहले साल ही राइजिंग राजस्थान जैसे आयोजन होने से उसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे हैं। यह भी सर्वविदित है कि राजस्थानियों ने देश-दुनिया के कोने-कोने में अपनी व्यावसायिक काबिलियम की धाक जमाने वाले प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने की दिशा में प्रतिवर्ष दिसंबर की 10 तारीख को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने का निर्णय राजस्थान के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी तय करने में मील का पत्थर साबित होगा। इसी माह के 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस में प्रवासी राजस्थानियों की आशा से अधिक भागीदारी से यह सिद्ध हो गया है कि प्रवासी राजस्थानियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस निर्णय का ना केवल स्वागत किया अपितु सक्रिय भागीदारी निभाते हुए प्रदेश के विकास में सहभागिता का संकल्प दोहराया। यही तो विजन और अपनों को अपनों के साथ जोड़ने का रास्ता होता है। इससे प्रदेश के विकास में ही पंख लगेंगे। डोरी-लोटा लेकर जाने वाले राजस्थानियों ने जिनके बारें में कहा जाता है कि जहां बेलगाड़ी भी नहीं जा सकती वहां मारवाड़ियों ने परचम पहराया है। दरअसल प्रवासी राजस्थानियों को अन्य प्रदेशों में मारवाड़ी ही कह कर संबोधित किया जाता है। निश्चित रुप से प्रवासी राजस्थानी उद्यमी राजस्थान में अपनी मातृभूमि में ओद्यौगिक गतिविधियां संचालित करेंगे और इसका लाभ प्रदेश और प्रदेशवासियों खासतौर से युवाओं को मिलेगा।

राइजिंग राजस्थान के एक साल पूरे होते-होते करीब 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करा दिए गए। यह अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि ज्यादातर सरकारों द्वारा ऐसे निवेश सम्मेलनों का आयोजन सरकार के तीसरे-चौथे साल में किए जाते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि निवेश करारों के बाद सरकार चुनावी मोड़ पर आ जाती है और सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है। अब पहले साल ही राइजिंग राजस्थान जैसे आयोजन होने से उसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे हैं।

बात केवल औद्योगिक निवेश की ही नहीं है अपितु पर्यटन की दृष्टि से भी आज राजस्थान देश-दुनिया की पहली पसंद बन गया है। दिल्ली आने वाला और नहीं तो जयपुर तो आ ही जाता है तो आज जयपुर-उदयपुर खासतौर से वेडिंग डेस्टिनेशन के रुप में दुनिया के मानचित्र पर अपनी पहचान बना चुके हैं। समूचा राजस्थान अब तो छट बारह महीनें पर्यटकों से गुलजार रहने लगा है। पर्यटन की दृष्टि से इसी से समझा जा सकता है कि आईटीबी बर्लिन में पेसिफिक एशिया ट्र्वेल राइटर्स एसोसिएशन द्वारा डेस्टीनेशन ऑफ द ईयर-रॉयल एक्सपीरियंस राजस्थान अवार्ड से नवाजा गया है। इण्डिया टू डे टूरिज्म सर्वे एण्ड अवार्ड 2025 में आमेर फोर्ट को बेस्ट हेरिटेज डेस्टीनेशन, कुंभलगढ़ को बेस्ट माउंटेन डेस्टीनेशन, बीकानेर को बेस्ट कलनरी डेस्टीनेशन अवार्ड से नवाजा गया है। यह तो बानगी मात्र है। घूमर का भव्य आयोजन नवाचारों में से एक है।

खनन के क्षेत्र में आज राजस्थान तेजी से उभरा है। दो साल में ही सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी कर राजस्थान अग्रणी प्रदेश बन चुका है तो कोणार्क में आयोजित समारोह में राजस्थान को पुरस्कृत किया जा चुका है। 5 स्टार रेटिंग में राजस्थान की पांच माइंस को पहली बार स्थान प्राप्त हुआ है तो क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल के डिपोजिट्स राजस्थान में चिन्हित हुए हैं। माइंस मंत्रालय स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संभाल रहे हैं और नवाचारों को प्राथमिकता देते हुए एआईएमएल और रिसाइक्लिंग जैसे कार्यो के अध्ययन के लिए देश की जाने-माने आईआईटी संस्थानों से समन्वय बनाया है। किसान निधि के वितरण में राजस्थान अव्वल प्रदेशों में है तो सहकारिता में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार किया गया है तो शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार किए जा रहे हैं। रोजगार के नए अवसर विकसित किये जा रहे हैं तो बिना पेपरआउट के परीक्षाएं होने लगी है। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में बेस्ट परफार्मिंग स्टेट राजस्थान बन गया है।

राजस्थान ई गवर्नेस 2024 स्वर्ण पदक से सम्मानित हो चुका है। ई फाइलिंग सहित सरकारी दफ्तरों के काम में ई तकनीक के प्रयोग से पारदर्शिता और कार्य निष्पादन को गति मिली है। उज्ज्वला योजना में पहले स्थान पर है तो रिन्यूवल एनर्जी में आज समूचे देश की निगाहें राजस्थान की और है। कुसुम योजना ही नहीं अपितु रुफटाप में भी राजस्थान आगे निकल चुका है। उपलब्धियों की लंबी कतार होने से यह तो सरकार की उपलब्धियों की बानगी मात्र है। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि इस सबका श्रेय नायक को ही जाता है और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि नायक यानी कि लोकतंत्र में मुख्यमंत्री की सोच और निर्णय क्षमता का ही परिणाम होता है कि बेहतर परिणाम प्राप्त होने लगते हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के अथक प्रयासों, निरंतर विकास की सोच, जीरो टॉलरेंस की नीति और प्रदेश को आगे से आगे बढ़ाने की सोच के साथ कार्य करने की मंशा से ही राजस्थान आज देश में परचम फहराने की स्थिति में आया है। इसके लिए निसंकोच सारा श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जाता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शुक्रवार 26 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र दिन 9:00 तक, सिद्धि योग दिन 2:00 तक, तैतिल करण दिन 1:43 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:10 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 9:00 पर समाप्त होगा। कुमार योग प्रातः 9:00 से आरम्भ होगा। आज अनुराधा षष्ठि, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:35 तक, लाभ 8:35 से 9:52 तक, अमृत 9:53 से 11:10 तक, शुभ 12:27 से 1:45 तक, चर 4:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 5:37 तक

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा और मन में असंतोष बना रहेगा।

26 जनवरी से बहू-बेटियों की आज़ादी पर ताला?

सुँधामाता पट्टी का फरमान और संविधान की खुली बेइ़ज़्ज़ती!

मणिमाला शर्मा

ब्लर्ब – यह कोई फैसला नहीं, यह आधी आबादी के अधिकारों पर सीधा हमला है। यह कोई सुधार नहीं बल्कि यह एक सज़ा है। जालोर की सुंधामाता पट्टी पंचायत का हालिया निर्णय कोई अचानक घटी घटना नहीं है, बल्कि उस मानसिकता की निरंतरता है जो वर्षों से ग्रामीण सत्ता संरचनाओं में पलती रही है। यह वही सोच है जो पंचायत को जनप्रतिनिधि संस्था नहीं, बल्कि सामाजिक नियंत्रण का औजार मानती है। जब कोई विशेष समुदाय की पंचायत त्वरित और कठोर निर्णय लेती है, तो वह सिर्फ एक व्यक्ति या परिवार को नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को कटघरे में खड़ा कर देती है। यह सवाल आज सिर्फ सुंधामाता पट्टी का नहीं है। सवाल यह है कि क्या पंचायतें संविधान के अधीन काम करेंगी या फिर परंपरा, जातिगत दबाव और भीड़ की ताल पर फरमान जारी करती रहेंगी।

सुन्धामाता पट्टी के एक गाँव में हुई यह कोई साधारण पंचायत बैठक नहीं थी। यह वह पल था जब जालोर की सुंधामाता पट्टी पंचायत ने खुलेआम यह जता दिया कि कुछ गांवों में आज भी देश का संविधान नहीं, समुदाय विशेष पंचायतों का फरमान चलता है। यह निर्णय ऐसा था जैसे किसी नागरिक के मुंह पर सबके सामने थप्पड़ मार दिया गया हो और फिर कहा गया हो कि यह समाज की मर्यादा के लिए जरूरी था। सवाल यह नहीं है कि पंचायत ने क्या फैसला लिया, सवाल यह है कि उसे यह हक किसने दिया कि वह कानून, न्याय और इंसानियत को एक झटके में किनारे रख दे।

इस पंचायत में हुए निर्णय के अनुसार 26 जनवरी, जिस दिन देश संविधान को अपनाने का जश्न मनाता है, उसी दिन राज्य के जालोर जिले की सुंधामाता पट्टी के 15 गांवों की बहू-बेटियों के हाथों से आज़ादी छीन ली जाएगी। पंचायत के इस तुगलकी फरमान के तहत अब वे कैमरे वाला स्मार्ट मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी। शादी, सामाजिक आयोजन या पड़ोसी के घर जाने के समय भी उन्हें केवल की-पैड फोन रखने की अनुमति दी गई है। पढ़ाई करने वाली बच्चियां केवल घर में ही मोबाइल से पढ़ाई कर सकेंगी।

मज़े की बात यह है कि यह निर्णय किसी अदालत या सरकारी आदेश के आधार पर नहीं लिया गया। इसे एक विशेष समुदाय की बैठक में पढ़कर सुनाया गया और सीधे लागू करने का ऐलान किया गया। यहाँ सवाल केवल स्मार्ट मोबाइल का नहीं है, बल्कि यह सवाल है कि महिलाओं की स्वतंत्रता पर किस हक से रोक लगाई जा रही है।

यह मामला जालोर जिले के गाजीपुर गांव से शुरू हुआ, जहां रविवार को एक पंचायत बुलाई गई। इसकी अध्यक्षता पूरी 15 पट्टी के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने की। पंचायत में पंच हिम्मताराम ने यह प्रस्ताव पढ़कर सुनाया। यह सामान्य पंचायत का कोई सामान्य प्रस्ताव नहीं था, बल्कि सीधे तौर पर 15 गांवों की महिलाओं और लड़कियों की आज़ादी पर सीधा प्रहार था। पंचायत ने तय किया कि महिलाओं और लड़कियों के लिए स्मार्टफोन पर पूरी तरह रोक होगी। उन्हें केवल की-पैड फोन रखने की अनुमति दी जाएगी और घर के बाहर मोबाइल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

इस निर्णय के समर्थन में क़ल्बी चौधरी समाज के अध्यक्ष ने तर्क दिया कि महिलाओं के मोबाइल रखने से बच्चों की आंखें खराब हो सकती हैं। यह तर्क जितना कमजोर है, उतना ही महिलाओं के प्रति असंवेदनशील भी है। इससे साफ झलकता है कि महिलाओं को दोषी मानकर उनकी स्वतंत्रता सीमित करने की मानसिकता आज भी गहरी है। यह फरमान केवल गाजीपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि गाजीपुरा, पावली, कालड़ा, मनोजिया वास, राजीकावास, दातलावास, राजपुरा, कोड़ी, सिदरोड़ी, आलड़ी, रोपसी, खानादेवल, साविधर, भीनमाल के हाथमी की ढाणी और खानपुर जैसे गांवों में भी लागू होगा।

पंचायत का उद्देश्य साफ है- हजारों महिलाओं के हाथों से स्मार्ट मोबाइल छीनकर उनकी निजी आज़ादी पर सीधा नियंत्रण। यह फैसला अचानक नहीं आया। सुंधामाता पट्टी में पहले भी महिलाओं के व्यवहार और आवाजाही पर सामाजिक आदेश दिए जाते रहे हैं। परिवार और महिलाओं से जुड़े फैसले पंचायत बैठकों में तय होते रहे हैं। गलती माने जाने पर सार्वजनिक माफी मंगवाना और आलोचना करना आम रहा है। आधुनिक तकनीक को यहां अक्सर संस्कार बिगाड़ने वाला बताया गया, लेकिन अब पहली बार इसे लिखित नियम बनाकर लागू किया गया है।

आज 21वीं सदी में मोबाइल केवल फोन नहीं है। यह सुरक्षा, जानकारी, शिक्षा और दुनिया से जुड़ने का साधन है। महिलाओं के हाथ से मोबाइल छीनना उन्हें चारदीवारी में कैद करने जैसा है। यह सीधे तौर पर संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त निजता और स्वतंत्रता के अधिकार पर हमला है।

सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि यह नियम केवल बहू-बेटियों पर लागू किया गया है। पुरुषों, लड़कों या बुजुर्गों पर कोई रोक नहीं है। अगर समस्या मोबाइल की है तो नियम सभी के लिए समान क्यों नहीं? अगर चिंता बच्चों की आंखों की है तो लड़कों को क्यों छूट दी गई? इन सवालों का जवाब साफ है-समस्या मोबाइल नहीं, महिलाओं पर नियंत्रण की चाह है।

पुराने फरमान और सामाजिक आदेश (सुंधामाता पट्टी का इतिहास)

1990 – महिलाओं की सार्वजनिक सभा में भागीदारी पर प्रतिबंध

2005 – बहू-बेटियों के लिए सामाजिक निगरानी

2010 – सार्वजनिक माफी और आलोचना

विडंबना यह है कि यह फरमान 26 जनवरी से लागू होगा। जिस दिन संविधान को अपनाने का उत्सव मनाया जाता है, उसी दिन 15 गांवों की महिलाएं जानेंगी कि उनके अधिकार कागज़ों में सिमट गए हैं। अगर प्रशासन चुप रहता है तो यह चुप्पी नहीं, सहमति मानी जाएगी।

सुंधामाता पट्टी का यह निर्णय सुधार नहीं, नियंत्रण की राजनीति है। अगर इसे रोका नहीं गया तो समाज यह मान लेगा कि महिलाओं की आज़ादी पर प्रहार सामान्य बात है। यह फैसला लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है और यह दिखाता है कि कुछ पंचायतें आज भी खुद को संविधान से ऊपर समझती हैं।

–मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार।

युवाओं के लिए सीखने और सीखाने की ईच्छा शक्ति की मिसाल बने 'डॉ. एसके पाठक'

■ **गैल गैस से सेवानिवृत और आरएसजीएल जयपुर के पूर्व प्रबंध निदेशक डॉ. एसके पाठक गत दो वर्ष से मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ यूनिवर्सिटी युवाओं को सप्लाई चैन व्यवस्था की शिक्षा दे रहे हैं**

डॉ. एसके पाठक

जयपुर। डॉ. एसके पाठक ने 36 साल के केरियर के बाद 62 की उम्र में न्यूयार्क में क्लासरुम चुना और 64 की उम्र में वहीं अध्यापन आरंभ किया। यह सीखने और सीखाने की ईच्छा शक्ति का ही परिणाम है। गैल गैस से सेवानिवृत और आरएसजीएल जयपुर के पूर्व प्रबंध निदेशक डॉ. एसके पाठक गत दो वर्षों से मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ यूनिवर्सिटी युवाओं को सप्लाई चैन व्यवस्था की शिक्षा दे रहे हैं। यह उल्लेखनीय इसलिए है कि डॉ. पाठक ने सेवानिवृति के बाद 62 की उम्र में मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ यूनिवर्सिटी में प्रबंधन की शिक्षा लेने के लिए एमबीए की डिग्री के लिए प्रवेश लिया और आज इसी विश्वविद्यालयों में एमबीए के छात्रों को बिजनेस मैनेजमेंट का पाठ पढ़ा रहे हैं, बल्कि भारतीय प्रतिभा के रुप में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

डॉ. पाठक का कहना है सीखने की कोई उम्र नहीं होती और इसी का परिणाम है कि आईआईटी रुडकी से 1984 में ग्रेजुएशन करने के बाद 36 साल तक गैल गैस और इसी दौरान संयुक्त उपक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रुप में सेवाएं देते हुए उपलब्धियों के नए आयाम बनाये। संस्थान के कार्य को गति दी, लाभदायकता बढ़ाई, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये। सबसे खास बात यह कि शानदार उपलब्धियों भरी 36 साल की सेवा अवधि पूरी करने के बाद कार्यालयीय सेवाओं से अलग हटकर एक बार वापिस विद्यार्थी बनने का संकल्प लिया और मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ यूनिवर्सिटी में एमबीए के लिए दाखिला लिया। युवाओं के बीच अति युवा बन कर अध्ययन करते हुए 3.83/4.00 जीपीए के साथ एमबीए ग्रेजुएशन पूरा किया और फिर यहां पर ही संकाय सदस्य बन कर युवाओं को सर्टिफाइड मैनेजमेंट एक्सपर्ट के रुप में सप्लाई चैन की बारिकियां सिखाना शुरु किया।

डॉ. पाठक का कहना है कि यह एक अलग तरह का ही अनुभव है। युवाओं से सीखने का भी अवसर मिल रहा है तो सिखाने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। युवाओं से तकनीक, एआई आदि सीख रहे हैं तो न्यूयॉर्क में मर्सी यूनिवर्सिटी में मशीन लर्निंग एआई एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स, मैनेजिरियल एनालिटिक्स, कोडिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पढ़ा रहे हैं। इनोवेटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम बनाए हैं और छात्रों की पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉडकास्ट का इस्तेमाल शुरू किया है।

डॉ. पाठक की सीखने और सीखाने की ललक का ही परिणाम है कि पहले पढ़ाई फिर शानदान केरियर और फिर कुछ नया सीखने की ललक न्यूयार्क ले गई और उसके बाद 64 साल के युवा बने रहने के लिए युवाओं को ज्ञान प्रदान करना जीवन का हिस्सा बनाया है।

व्यक्तित्व को समृद्ध करने में पुस्तकों का अहम योगदान : डॉ. घासीराम वर्मा

जयपुर। पुस्तकें व्यक्ति को समय के साथ रखते हुए सुदृढ़ व्यक्तित्व के गढ़ने का सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति पुस्तकों से जुड़ा हुआ है, उसके सोचने और समझने का नजरिया ही अलग होता है। ज्ञान व्यक्ति के सर्वांगीण विकास मे सहायक होता है। यह विचार शिक्षाविद् डॉ. घासीराम वर्मा ने झुंझुनू में प्रयास संस्थान की पुस्तक परियोजना अंतर्गत ''प्रयास पुस्तक उपहार योजना'' का शुभारंभ कर लोगो का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। अमेरिका में प्रोफेसर रहे 98 वर्षीय डॉ. वर्मा ने कहा कि इस योजनांतर्गत प्रयास संस्थान अंचल के पुस्तकालयों को समृद्ध करेगा, यह प्रसन्नता की बात है।

■ **प्रयास संस्थान की पुस्तक परियोजना अंतर्गत ''प्रयास पुस्तक उपहार योजना'' का शुभारंभ**

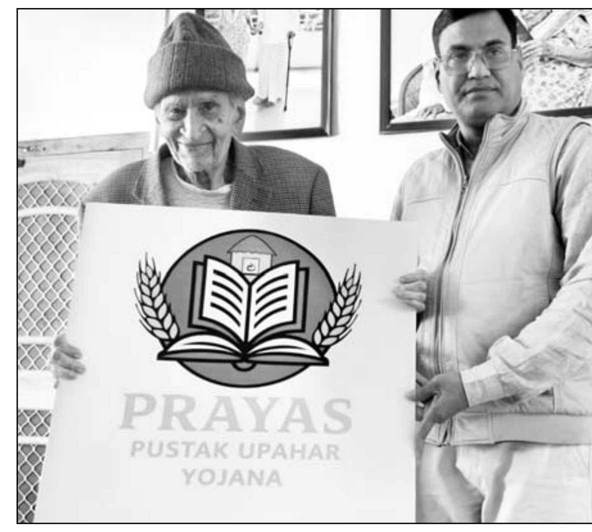

शिक्षाविद् डॉ. घासीराम वर्मा ने झुंझुनू में 'प्रयास पुस्तक उपहार योजना' का शुभारंभ कर लोगो का विमोचन किया

प्रयास संस्थान के अध्यक्ष और साहित्यकार डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि संस्थान स्थानीय साहित्यकारों एवं राजस्थानी भाषा को प्राथमिकता में रखते हुए अंचल के पुस्तकालयों में जनसहयोग से क्रय की गई पुस्तकें उपहार स्वरूप भेंट कर पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर विजयगोपाल मोठसरा, अशोक कुमाार डूडी, डॉ. कृष्णा जाखड़ आदि मौजूद रहे।

बीकानेर को कड़ाके की सर्दी का इंतजार

■ **जिले में अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा**

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में मौसम फिलहाल सामान्य बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया।

मौसम विभाग के अनुसार जिले में अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान भी 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बीकानेर में दो बार घने कोहरे के बाद अब हवा में ठंडक जरूर है लेकिन कड़ाके की सर्दी का इंतजार है। दिन के समय मौसम साफ बना हुआ है और हाल के दिनों में छाया रहने वाला कोहरा अब नजर नहीं आ रहा है। धूप निकलने से दिन में हल्की गर्माहट महसूस की जा रही है, जबकि सुबह और रात के समय ठंड का असर बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक बीकानेर में मौसम लगभग इसी तरह बना रह सकता है। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। सुबह-शाम हल्की सर्दी बनी रहेगी, वहीं दिन में तेज धूप के कारण तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल कोहरे की स्थिति बनने की संभावना कम बताई जा रही है। फिलहाल, बीकानेर में मौसम स्थिर है और अगले कुछ दिनों तक तापमान सामान्य दायरे में बने रहने का अनुमान जताया जा रहा है।

मौसम के बीच जिले के सभी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश शुरू हो गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार विंटर वेकेशन के बाद स्कूल 6 जनवरी को दोबारा खुलेंगे। छुट्टियों की शुरुआत से विद्यार्थियों और अभिभावकों को राहत मिली।

राजगढ़ धाम पर भक्तों ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने और नशामुक्त का संकल्प लिया

अजमेर, (कासं)। श्री मसाणिया भैरवधाम चैरिटेबल ट्रस्ट, राजगढ़ के तत्वावधान में ग्राम राजगढ़ स्थित श्री मसाणिया भैरव धाम पर सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तंभ की 23वीं वर्षगांठ का महोत्सव मनाया गया। बाबा भैरव और मां कालिका के जयकारों से समूचा धाम गूंज उठा। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को महाकुंभ का स्वरूप दे दिया। महोत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विशाल रैलियां निकाली गईं, जिनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु शामिल हुए।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि प्रातः मनोकामनापूर्ण स्तंभ पर पंडित चंद्रप्रकाश दाधीच, संजय, कुलदीप, हर्ष, रजत एवं देवेंद्र द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ सम्पन्न कराया गया। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात मां कालिका एवं बाबा भैरव की गुरु आरती की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज तथा नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। महोत्सव में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण धाम एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाएं की गईं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राजगढ़ धाम पर आकर उन्होंने जो अनुभूति प्राप्त की, वह अविस्मरणीय है। यह धाम केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सामाजिक चेतना का केंद्र बन चुका है। चम्पालाल महाराज द्वारा नशामुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और जल स्वावलंबन जैसे अभियानों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा रही है।

चम्पालाल महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि जो श्रद्धालु सच्चे मन और श्रद्धा से मनोकामनापूर्ण स्तंभ की एक परिक्रमा करता है, उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि बाबा भैरव देने वाले हैं, लेने वाले नहीं। इसी भावना के चलते धाम पर वर्षों से भिक्षावृत्ति उन्मूलन का अभियान सतत रूप से चल रहा है।

92 हजार सरकारी नौकरियां और निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार मिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कॉमर्स कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में चयनित युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

- 20 से अधिक सेक्टर्स से जुड़े 100 से अधिक नियोक्ताओं ने की सहभागिता
- राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यिमता को दी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि पांच साल में 4 लाख सरकारी एवं 6 लाख निजी रोजगार के अवसर सृजित करने के क्रम में अब तक लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, निजी क्षेत्र में भी 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा नीति भी जल्द लाएगी। शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को कॉमर्स कॉलेज में राज्य स्तरीय रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, ये रोजगार मेला सरकार की उस सोच का प्रतीक है जिसमें राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यिमता को प्राथमिकता दी है। इसमें निजी क्षेत्र के 20 से अधिक सेक्टर्स से जुड़े 100 से अधिक नियोक्ता भाग ले रहे है। ऐसे रोजगार मेले हर जिले में निरंतर लगते रहेंगे और स्थानीय स्तर पर निरंतर रोजगार मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को कॉमर्स कॉलेज में युवाओं को नौकरियों के नियुक्ति पत्र बांटे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में प्रदेश के युवाओं को पेपरलीक के कारण असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ी। वर्ष 1893 में स्वामी विवेकानंद ने युवाओं से कहा था 'उठो, जागो और तब तक नहीं रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए'। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरू बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने एक रोडमैप बनाकर गत दो वर्षों में पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ कार्य किया। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग 410 रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन कर 1 लाख 11 हजार से अधिक बेरोजगार अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना संचालित की जा रही है। इस योजना से 4 लाख से अधिक युवा लाभान्वित हुए हैं, और 1156 करोड़ की राशि बेरोजगारी भत्ते के रूप में वितरित की जा चुकी है।

कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मरूधरा की मिट्टी के युवा मेहनती और अनुशासित हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियां यहां के युवाओं को रोजगार का अवसर दे रही हैं। इसी कड़ी में यह रोजगार मेला आत्मनिर्भरता का द्वार है। प्रदेश में रोजगार शिविरों के माध्यम से निजी क्षेत्र में युवाओं को नौकरी मिली है। राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निजी कंपनी में रोजगार प्राप्त करने वाले चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने विभिन्न कंपनियों की स्टॉल का अवलोकन किया और जानकारी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित बड़ी संख्या में युवा एवं निजी नियोक्ता उपस्थित रहे।

शेखावाटी के पर्वतारोहियों ने केदार कंठा चोटी पर फहराया तिरंगा

शेखावाटी के युवाओं ने उत्तराखण्ड में 12500 फिट ऊंचाई पर तिरंगा झण्डा फहराया।

जयपुर। शेखावाटी क्षेत्र के पर्वतारोहियों के एक साहसी दल ने उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित हिमालय पर्वत की 12 हजार 500 फीट ऊँचाई पर स्थित केदार कंठा पर्वत शिखर पर पहुँचकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अभियान की शुरुआत जयपुर से 18 दिसंबर को की गई थी। पर्वतारोही दल कठिन एवं दुर्गम चढ़ाई के बाद 25 दिसंबर की अलसुबह केदार कंठा शिखर पर पहुँचा और वहाँ तिरंगा लहराकर शेखावाटी क्षेत्र का नाम रोशन किया।

अभियान के तहत दल 20 दिसंबर को नेटवार बेस कैंप से रवाना हुआ। इसके बाद क्रमशः पहला कैंप जलोटा थाच, दूसरा कैंप पुखरौला थाच, तीसरा कैंप अखोटी थाच को पार करते हुए पर्वतारोहियों को खराब मौसम, तेज बारिश, बर्फबारी और बर्फीले तूफानों जैसी विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दल ने अदम्य साहस और अनुशासन के साथ अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस पर्वतारोहण दल में लक्ष्मणगढ़ निवासी राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अजय कुमार जांगिड़, मुकुंदगढ़ निवासी सुनील टेलर, नबीपुरा निवासी पंकज ढाका, नवलगढ़ निवासी पिंटू जांगिड़ और जयपुर निवासी अनिल धींगड़ा शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि यह दल विगत कई वर्षों से हिमालय क्षेत्र में पर्वतारोहण अभियानों में सक्रिय है। इससे पूर्व विगत वर्ष में इसी दल ने हिमालय की 14 हजार 500 फीट से अधिक ऊँचाई पर स्थित भृगु लेक चोटी पर तिरंगा फहराकर शेखावाटी क्षेत्र को गौरवान्वित किया था।शेखावाटी के पर्वतारोहियों ने केदार कंठा चोटी पर फहराया तिरंगा

जयपुर। शेखावाटी क्षेत्र के पर्वतारोहियों के एक साहसी दल ने उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित हिमालय पर्वत की 12 हजार 500 फीट ऊँचाई पर स्थित केदार कंठा पर्वत शिखर पर पहुँचकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अभियान की शुरुआत जयपुर से 18 दिसंबर को की गई थी। पर्वतारोही दल कठिन एवं दुर्गम चढ़ाई के बाद 25 दिसंबर की अलसुबह केदार कंठा शिखर पर पहुँचा और वहाँ तिरंगा लहराकर शेखावाटी क्षेत्र का नाम रोशन किया।

अभियान के तहत दल 20 दिसंबर को नेटवार बेस कैंप से रवाना हुआ। इसके बाद क्रमशः पहला कैंप जलोटा थाच, दूसरा कैंप पुखरौला थाच, तीसरा कैंप अखोटी थाच को पार करते हुए पर्वतारोहियों को खराब मौसम, तेज बारिश, बर्फबारी और बर्फीले तूफानों जैसी विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दल ने अदम्य साहस और अनुशासन के साथ अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस पर्वतारोहण दल में लक्ष्मणगढ़ निवासी राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अजय कुमार जांगिड़, मुकुंदगढ़ निवासी सुनील टेलर, नबीपुरा निवासी पंकज ढाका, नवलगढ़ निवासी पिंटू जांगिड़ और जयपुर निवासी अनिल धींगड़ा शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि यह दल विगत कई वर्षों से हिमालय क्षेत्र में पर्वतारोहण अभियानों में सक्रिय है। इससे पूर्व विगत वर्ष में इसी दल ने हिमालय की 14 हजार 500 फीट से अधिक ऊँचाई पर स्थित भृगु लेक चोटी पर तिरंगा फहराकर शेखावाटी क्षेत्र को गौरवान्वित किया था।

राजस्थान को गुड गवर्नेन्स में रोल मॉडल बनाएं : भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय समारोह में कार्मिकों को सुशासन की दिलाई शपथ
- मुख्य सचिव वी. श्री निवास ने किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का पठन

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार "न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन" के मंत्र को साकार करने के लिए हम सभी को निष्ठा और समर्पण से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों से जनसेवा, नवाचार और जवाबदेहिता की कार्य-संस्कृति को आत्मसात करते हुए राजस्थान को गुड गवर्नेन्स में रोल मॉडल बनाने का आव्हान किया। शर्मा गुरुवार को एचसीएम रीपा में सुशासन दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि, सुशासन हमेशा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। हमारे यहां सुशासन को "राम राज्य" कहा गया है। राम राज्य के आदर्शों पर चलते हुए स्व. वाजपेयी ने शासन को सुशासन और स्वराज को सुराज में बदला। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों के विकास और स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के जरिए देश के आर्थिक विकास को गति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वाजपेयी ने देश को सूखा और बाढ़ से मुक्ति दिलाने के लिए प्रमुख नदियों को जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना भी प्रारंभ की। कारगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय हो या बाहरी दबावों की चिंता किए बिना परमाणु परीक्षण करना, उन्होंने स्वाभिमानी भारत की आधारशिला रखी। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा देकर देश के विकास में विज्ञान को बढ़ावा देने का काम किया।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्व. अटल की सुशासन की विरासत को प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बढ़ाया और देश को सुशासन का रोल मॉडल बनाने पर कार्य किया। "सबका साथ, सबका विकास" की सोच के साथ ऐसी नीतियां और योजनाएं लागू की जिनका लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। मोदी ने लोकतंत्र से लोक को जोड़ा और नौकरशाही को सही मायने में लोकसेवक बनाया और खुद को देश का प्रधान सेवक बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म पर शामिल होने वाला पहला राज्य था। यहां 7 लाख से अधिक कर्मयोगियों ने नामांकन कर 26 लाख से अधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिए है। राजस्थान देश की 7वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विकसित राजस्थान के विजन के अनुरूप इसे हमने 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का पठन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में बहुआयामी पहुंच सुनिश्चित करते हुए आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर गत 2 सप्ताह में प्रदेश में व्यापक स्तर पर 6 लाख से अधिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का संचालन किया गया।

जयपुर मेट्रो में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

जयपुर। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर मानसरोवर मेट्रो डिपो सभागार में सुशासन दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मेट्रो के अधिकारी-कर्मचारियों ने स्व. वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने की सुशासन शपथ ली।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आवंटन

अन्तिम 4 दिन शेष

कुल भूखण्ड 391	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी 13	वाणिज्यिक भूखण्ड 119	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग 68	वे ब्रिज 07	गोदाम 03
दुकानें/ शोरूम 139	होटल/ रेस्टोरेन्ट 13	पेट्रोल पम्प/ फ्यूल फिलिंग स्टेशन 07	स्कूल 07	संस्थानिक 10	कियोस्क 05

ईएमडी अंतिम तिथि: 29 दिसम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड प्रारम्भ तिथि: 30 दिसम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 02 जनवरी, 2026 (सायं 05:00 बजे)

13	आबू रोड़	07	चूरू	05	नागौर	07	उदयपुर
15	अजमेर	10	बीकानेर	19	पाली	21	जयपुर (उत्तर)
23	अलवर	09	झुंझुनू	18	झालावाड़	02	जयपुर (दक्षिण)
13	भिवाड़ी-I	20	भरतपुर	28	किशनगढ़	08	जयपुर (ग्रामीण)
13	भिवाड़ी-II	01	बालोतरा	19	राजसमंद	12	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
15	घिलोठ	30	भीलवाड़ा	10	कोटा	09	जोधपुर
04	दौसा	22	नीमराना	08	सीकर	07	श्रीगंगानगर
13	सवाईमाधोपुर			10	बोरानाडा		

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तों, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

राज.संवाद/सी/25/16464

बिना सुनवाई का मौका दिए आदेश अनुचित : हाईकोर्ट

जयपुर, 25 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जीएसटी निर्धारण से जुड़े मामले में कहा है कंप्यूटराइज फॉर्म में करदाता को सुनवाई का अवसर दिए बिना पारित आदेश कानूनी तौर पर गलत व अनुचित है और निरस्त किए जाने योग्य है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश मैसर्स केके ब्लॉक एंड इंटरलॉक फैक्ट्री की याचिका पर दिया। अधिवक्ता डीपी शर्मा ने बताया कि धारा 169 के तहत जीएसटी अफसरों का दायित्व है कि वह आदेश की सूचना संबंधित व्यक्ति को देते हुए उसे सुनवाई का अवसर दें, लेकिन मौजूदा मामले में अपीलेट ऑथरिटी ने प्रार्थी फर्म के खिलाफ कंप्यूटराइज्ड फॉर्म में और बिना मस्तिष्क का उपयोग किए आदेश दिया है, जो अवैधानिक है। इसके अलावा मामले में प्रार्थी को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया है। इसलिए अपीलेट ऑथरिटी का आदेश निरस्त कर मामले में विधिक प्रावधानों पर नए सिरे से आदेश दिया जाए। वहीं खंडपीठ ने ऐसे ही समान अन्य मामले में भी आदेश पारित किया है। इस मामले में भी दिशा-निर्देश जारी किए जाए।

सारस्वत क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

जयपुर। सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर, युवा मंडल और महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 26 से 28 दिसम्बर तक हीरा वैली रिसोर्ट, स्वेज फार्म पर आयोजित सारस्वत क्रिकेट लीग का शुभारम्भ शुक्रवार को संस्था अध्यक्ष पं. जगन्नाथ शर्मा, युवा अध्यक्ष रजत सारस्वत और महिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा संयुक्त रूप से करेंगे। तीन दिवसीय सारस्वत बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता में जयपुर जिले की 20 टीमें भाग लेंगी, जिनमें चार टीमें महिलाओं की होंगी। महिला मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने बताया समापन समारोह के दौरान सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम भी होगा।

जोधपुर में एंबुलेंस और कार की भिड़ंत में दो की मौत, चार जने घायल

हादसे में एम्बुलेंस सवार महिला सहित दो की मौत, कार के एयर बैग खुलने से यात्री बच गये

- **खेड़ापा में राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर रातड़ी फांटा के पास हुआ हादसा, निजी एम्बुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई**
- **नागौर की तरफ से निजी एम्बुलेंस मरीज को लेकर जोधपुर आ रही थी, जिसमें सात लोग सवार थे**

जोधपुर, (कासं)। जिले के खेड़ापा में राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर रातड़ी फांटा के पास बुधवार देर रात एक एंबुलेंस और कार की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया है। हादसे में एम्बुलेंस सवार महिला सहित दो की मौत हो गई, जबकि कार के एयर बैग खुलने से उसके यात्री सुरक्षित रहे।

खेड़ापा पुलिस ने बताया कि नागौर की तरफ से एक निजी एम्बुलेंस मरीज को लेकर जोधपुर आ रही थी, जिसमें सात लोग सवार थे। रातड़ी चौराहे के पास पहुंचने पर जोधपुर से नागौर की तरफ जा रही गुजरात नंबर की कार से एम्बुलेंस की आमने-सामने भिड़ंत गई। इसमें दो लोगों की मौके पर भी मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एम्बुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग फंस गए। उसमें सवार नागौर के बासनी निवासी 60 वर्षीय महबूब अली और शहीदा की मौत हो गई।। शहीदा की तबीयत खराब होने के कारण परिजन उन्हें नागौर से एंबुलेंस में लेकर जोधपुर आ रहे थे, जबकि चार अन्य गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास के लोगों की मदद से सभी लोगों को मशक्कत के बाद बाहर निकाला। नागौर के बासनी निवासी अलमारा (25) पत्नी हेदर अली, शौकत अली (50) पुत्र हाजी सद्दीक, हैदर अली (30) पुत्र लियाकत अली व एक अन्य को बावड़ी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जोधपुर जोधपुर भेजा गया। एसडीएम अस्पताल में सभी का उपचार चल रहा है। गुजरात नम्बर की कार में सवार लोगों को गंभीर चोट आने की जानकारी नहीं है। खेड़ापा पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार में सवार सभी लोग निकल गए थे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि कार के सभी एयर बैग खुलने से इसमें सवार यात्रियों की जान बच गई, घटना के बाद वो निकल गए।

पुष्कर में बस पलटने से 20 से ज्यादा यात्री घायल

- **प्राईवेट बस गोविंदगढ़ से सवारियां भरकर पुष्कर आ रही थी**

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर समीप ग्राम किंशनपुरा मोड़ के पास बस पलटने से 20 ज्यादा यात्री घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिए पुष्कर अस्पताल में उपचार किया गया गंभीर रूप से घायलों को अजमेर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार प्राईवेट बस गोविंदगढ़ से रोजना की तरह सवारियां भर पुष्कर आ रही थी। इस दौरान ग्राम किंशनपुरा मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर बस पलट गई इस दौरान बस में बैठे मजदूर यात्री घायल हो गये। सभी घायलों का पुष्कर अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी पर पुष्कर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई फिलहाल अभी किसी प्रकार की कोई बड़ी जनहानि नहीं होने की खबर है। गंभीर घायलों को अजमेर अस्पताल में रेफर किया गया। बस में करीब 40 सवारी होने बात सामने आ रही है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार 19 घायल का इलाज किया गया, जिसमें 5 गंभीर घायलों को अजमेर अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

मूंडसर गांव में डिस्कॉम और पुलिस टीम पर ट्रैक्टर से हमला

थानाधिकारी ने पिस्टल तानकर हमलावर को रोका, आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज

- **थानाधिकारी ने अतिरिक्त पुलिस जाब्ता बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया**
- **घटना 24 दिसंबर, बुधवार को मूंडसर-रामसर रोड पर बिजली लाइन के कार्य के दौरान हुई**

नापासर, (निसं)। थाना क्षेत्र के मूंडसर गांव में डिस्कॉम और पुलिस टीम पर ट्रैक्टर से हमला करने का मामला सामने आया है। यह घटना 24 दिसंबर, बुधवार को मूंडसर-रामसर रोड पर बिजली लाइन के कार्य के दौरान हुई। थानाधिकारी सुषमा शेखावत की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया और आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार आरडीएसएस विंग की देखरेख में 33 केवी लाइन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान बाबूलाल पुत्र तुलछीराम नामक आरोपी ने अपना ट्रैक्टर स्टार्ट किया और ठेका संस्था के कर्मचारी जगदीश पुत्र रामूराम को टक्कर मारने का प्रयास किया। इसके बाद आरोपी ने ट्रैक्टर को तेजी से घुमाकर सहायक अभियंता कपिल गुप्ता, सहायक अभियंता रोहित घई, ठेकेदार सुभाष बलारा, सोवन कुमार सैन और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की ओर दौड़ा दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी सुषमा शेखावत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बताया कि आरोपी जिस तरह से ट्रैक्टर चला रहा था, उसे देखते हुए उन्हें अपनी सर्विस पिस्टल निकालकर आरोपी की ओरताननी पड़ी और सख्त चेतावनी देनी पड़ी। इसके बाद आरोपी ट्रैक्टर को मौके से दूर ले जाकर फरार हो गया। इस दौरान साथ मौजूद जवान सुरेंद्र, प्रदीप और सीताराम ने लाठियाँ लेकर आरोपी को रोकने का प्रयास किया और टीम को सुरक्षित दायरे में किया। घटना के बाद थानाधिकारी ने अतिरिक्त पुलिस जाप्ता बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया। आरोपी का ट्रैक्टर जब्त कर थाने लाया गया है।

थानाधिकारी सुषमा शेखावत ने बताया, आरोपी बाबूलाल के खिलाफ पहले भी थाने में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस वारदात में उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थानाधिकारी घाड के नेतृत्व में गठित टीम स्थायी वारंट में फरार चल रहे आरोपी सत्यनारायण उर्फ कालु पुत्र राजाराम शर्मा निवासी दौतलपुरा थाना घाड एवं लक्ष्मण पुत्र किशन लाल मीणा निवासी गैरोटी थाना घाड़ को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार देवली थाना टीम ने 11 माह से फरार अंतर्राज्यीय शराब तस्करी गिरोह का शातिर तस्कर भगवान दास पुत्र धनसिंह कश्यप निवासी हेदलपुर थाना कोलारी जिला धोलपुर गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को हाइवे 52 पर जांच के बाद ट्रक में मिली हरियाणा निर्मित महंगी अवैध अंग्रेजी शराब के 490 कार्टुन बरामद किए गए थे, जहां मौके से चालक रणजीत कुमार एवं खलासी हरेन्द्र प्रसाद सिंह को गिरफ्तार कर ट्रक सहित शराब को जब्त किया गया था। पुलिस ने ट्रक मालिक व तस्कर भगवानदास को जो 11 माह से फरार था, को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया हैं।

बेकाबू ट्रक पेड़ से टकराया, भीषण आग लगी

- **ट्रक और उसमें भरा सामान पूरी तरह जल गया**

बीकानेर, (निसं)। लूणकरणसर थाना क्षेत्र में देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। धीरेरां गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर एक ट्रक बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गया, जिसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में ट्रक और उसमें भरा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया, हालांकि चालक की सूझबूझ से कोई जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि देर रात ट्रक तेज रफ्तार में राष्ट्रीय राजमार्ग 62 से गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क पर गाय आ गई। गाय को बचाने के कोशिश में ट्रक बेकाबू हो गया और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। टक्कर के तुरंत बाद ट्रक में आग लग गई और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। हादसे के दौरान ट्रक चालक बाबूराम ने सतर्कता दिखाते हुए चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद ट्रक पूरी तरह आग की चपेट में आ गया और धूं-धूं कर जलने लगा। आग की लपटें दूर से ही नजर आने लगी। घटना की सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक सुरेश मीणा और चालक महावीर प्रसाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

सहायक उप निरीक्षक सुरेश मीणा ने बताया कि ट्रक गुजरात के मोरबी से कागज के रोल भरकर पंजाब के लुधियाना जा रहा था। हादसे में ट्रक और उसमें लदा सारा सामान जलकर खाक हो गया। हादसा भले ही भीषण था, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट पर शिकंजा कसेगी राज्य सरकार

- **फर्जी डिग्री और दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने वाले गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया**
- **विश्वविद्यालयों द्वारा जारी की जाने वाली डिग्री, डिप्लोमा, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट पर अनिवार्य रूप से क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा**

अजमेर, (कासं)। फर्जी डिग्री और दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने वाले गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग के आग्रह पर राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों द्वारा जारी की जाने वाली डिग्री, डिप्लोमा, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट पर अनिवार्य रूप से क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भर्ती प्रक्रियाओं के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध दस्तावेज सामने आते हैं, जिनकी जांच में लंबा समय लगता है। इसके निवारण एवं दस्तावेजों की पुष्टि हेतु विश्वविद्यालयों द्वारा जारी दस्तावेजों में विभिन्न परिवर्तन हेतु आयोग द्वारा राज्य सरकार को सुझाव प्रेषित किए गए थे, जिनके क्रम में तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 3 सितंबर 2025 को तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 26 सितंबर 2025 को राज्य के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया जा चुका है। इन परिवर्तनों के फलस्वरूप भर्ती संस्थानों द्वारा अभ्यर्थियों के दस्तावेज की पुष्टि एक क्लिक पर संबंधित विश्वविद्यालय के मूल रिकार्ड से सीधे ही की जा सकेगी। इससे भर्ती प्रक्रिया में तेजी के साथ ही दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की विसंगति को तुरंत पकड़ा जा सकेगा। डिग्री और सर्टिफिकेट पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करते ही अभ्यर्थी का पूरा रिकॉर्ड विश्वविद्यालय के डेटाबेस से मिलान किया जा सकेगा। सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एनरोलमेंट (नामांकन) की एक मानक व्यवस्था लागू करें। अब प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों को वर्षवार और क्रमवार एनरोलमेंट नंबर आवंटित किए जाएंगे, जिससे रिकॉर्ड में हेराफेरी संभव नहीं होगी। यह नियम केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रोविजनल सर्टिफिकेट, माइग्रेशन और अन्य प्रमाण पत्रों पर भी लागू होगा।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि भर्ती परीक्षाओं के बाद दस्तावेज सत्यापन के समय कुछ अभ्यर्थी बैक डेट में बनी फर्जी डिग्रियां पेश करने का आपराधिक कृत्य करते पाये गए हैं। नई व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता, बल्कि दस्तावेजों की प्रमाणिकता डिजिटली वेरीफाइड होने से भर्ती प्रक्रिया में भी तेजी आएगी।

जोधपुर में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगी

- **गोदाम में प्लास्टिक सामान के साथ खाली सिलेण्डर रखे थे जो कि आग की चपेट में आने विस्फोट होने लगे**
- **गनीमत रही कि आसपास की बस्ती आग की चपेट में नहीं आई, अन्यथा और भी बड़ा हादसा हो सकता था**

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सूरसागर स्थित कबीर नगर एरिया में गुरुवार सुबह सात बजे एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लिया और चहुंओर धुआं ही धुआं नजर आया। सूचना मिलने के साथ ही पुलिस प्रशासन और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दोपहर डेढ़ बजे तक आग पर पूर्ण काबू पाया गया। आग बुझाने के समय एक फायरमैन भी नीचे गिरने से चोटिल हो गया, जिसे एमडीएम अस्पताल ले जाया गया। कबाड़ गोदाम में प्लास्टिक सामान के साथ खाली सिलेण्डर रखे हुए थे जो कि बाद में आग की चपेट में आकर विस्फोट करने लगे। गनीमत रही कि आसपास की बस्ती आग की चपेट में नहीं आई, अन्यथा और भी बड़ा हादसा हो सकता था।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि कबीर नगर में सुबह सवा सात बजे के आसपास इस कबाड़ गोदाम में आग की जानकारी हुई थी। जिसके बाद कबीर नगर में चहुंओर धुआं ही धुआं नजर आया, फिर आग की लपटें नजर आने लगी। बाद में पुलिस और दमकल स्टेशनों को कॉल कर बुलाया गया। सूरसागर, राजीव गांधी नगर और प्रतापनगर पुलिस के साथ एसीपी प्रतापनगर रविंद्र बोथरा खुद वहां पहुंचे। एसीपी प्रतापनगर रविंद्र बोथरा ने बताया कि इस गोदाम में यह दूसरी बार आग लगी है। आस पास के एरिया में अतिक्रमण भी हो रखा है, इसके लिए नगर निगम को कहा गया है, ताकि क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त कराया जा सका। आज दमकलों को भी आने जाने में दिक्कत हुई मगर बाद में रास्ते से वाहनों को हटाया गया।

क्षेत्रवासियों का कहना था कि आग की भीषण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां कबाड़ में खाली सिलेण्डर भी रखे हुए थे जोकि फटने लगे और धमाकों की आवाज आने लगी थी। पुलिस का कहना है कि धमाकों की आवाज भी सुनाई दी मगर वे सिलेण्डर फटे ऐसा नहीं था। प्लास्टिक ड्रम आदि भी फटने पर आवाज आती है। आसपास की बस्ती का आग की चपेट में आने बचाया गया है। आसपास के लोगों का कहना है कि यहां पर काजग गत्तों की फैक्ट्रियां भी आई है, साथ ही कई लोगों ने कबाड़ गोदाम बना रखे हैं। गनीमत रही कि दमकलों ने समय पर आकर आग को काबू कर लिया अन्यथा और भी बड़ा हादसा हो सकता था।

भगवानपुरा में अंबेडकर भवन की दीवार तोड़ने पर तनाव

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल उपखंड के भगवानपुर गांव में गुरुवार को अंबेडकर सामुदायिक भवन की चार दीवारी तोड़े जाने के बाद माहौल गरमा गया है। आरोप है कि गांव के ही कुछ भू-माफियाओं ने दुकान निर्माण की नीयत से इस सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, जिससे दलित समाज में भारी रोष व्याप्त है।

स्थानीय पुष्कर खटीक की जानकारी के अनुसार, भगवानपुरा बस स्टैंड पर स्थित अंबेडकर सामुदायिक भवन का निर्माण करीब सात साल पूर्व हुआ था। दलित संगठनों का आरोप है कि गांव के कुछ रसूखदार लोग इस कीमती जमीन पर कब्जा कर दुकानें बनाना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से दो दिन पूर्व रात्रि के अंधेरे में भवन की चारदीवारी को ढहा दिया गया।

गुरुवार को जब यह मामला उजागर हुआ, तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रशासन को दी सूचना, कार्रवाई की मांग घटना की गंभीरता को देखते हुए दलित संगठनों के पदाधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को मामले की जानकारी दी है। संगठनों का कहना है कि सार्वजनिक भवन को इस तरह क्षतिग्रस्त करना न केवल गैर कानूनी है, बल्कि यह एक पूरे समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है।

83 वर्षीय वृद्धा से दुष्कर्म का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस टीम ने 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया**

मनोहरपुर, (निसं)। पुलिस ने 83 वर्षीय वृद्ध महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को अज्ञात आरोपी को महज 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा (आईपीएस) ने बताया कि 22 दिसंबर को पीड़िता शाम के समय शौच के लिए गई थी। इसी दौरान मुँह बांधे हुए एक व्यक्ति ने महिला को घसीटकर सुनसान स्थान पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर थाना मनोहरपुर में प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेन्द्र सिंह (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने लगातार प्रयासों के बाद 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए दुष्कर्म के आरोपी लोकेश जावा उर्फ लोकू (29 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ जारी है तथा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

नवजात का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। जिले के नाल थाना क्षेत्र स्थित करमीसर में कब्रिस्तान के पास नवजात बच्चे का शव मिला है। सूचना मिलने पर नाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। नाल थाना एसएचओ विकास विश्नोई ने बताया कि करमीसर स्थित कब्रिस्तान के पास सड़क किनारे अर्द्ध विकसित नवजात का शव मिला है। इसकी उम्र लगभग 6-7 महीने बताई जा रही है। शव मिट्टी से सना हुआ था और जानवर नोच रहे थे। पुलिस ने नवजात के शव को पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कब्रिस्तान से किसी जानवर ने शव को बाहर निकालकर सड़क किनारे छोड़ दिया होगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

इलाज करने के बहाने किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। घर में परिवार सहित किराए पर रह रही 15 वर्षीय किशोरी को बीमारी ठीक करने का झांसा देकर बार-बार दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामला जवाहरनगर थाने में 3 नवंबर को पीड़िता द्वारा दर्ज करवाया गया था। आरोपी मोहम्मद अली पुत्र ममदुखान को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया। आरोपी को अदालत के आदेश से न्यायिक हिरासत में भिजवा दिया गया।

पीड़िता ने पुलिस को दिए परिवाद में बताया जब वह 15 वर्ष की थी, तब पीड़िता का परिवार आरोपी के मकान में किराए पर रहता था। एक दिन घर पर कोई नहीं था, तब आरोपी ने बताया कि वह तंत्र विद्या जानता है और अपनी तंत्र विद्या से पीड़िता की बीमारी ठीक कर देगा। ऐसा कहकर आरोपी ने पीडि़ता को अपने कक्ष में ले जाकर इलाज के बहाने उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी लगातार पीड़िता का देह शोषण करने लग गया। आरोपी ने इसी दौरान ही पीड़िता का वीडियो बनाकर अपने मोबाइल फोन में रख लिया। बाद में आरोपी इस वीडियो को घर वालों को दिखाने का डर दिखा दिखाकर बार-बार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता के परिवार ने आरोपी का मकान छोड़कर दूसरी जगह रहना शुरू कर दिया। तब भी आरोपी पीड़िता को धमकियां देकर घर बुलाकर दुष्कर्म करता रहा। तीन साल लगातार शोषण के दौरान पीड़िता के परिवार ने उसकी शादी कर दी। तब आरोपी पीड़िता के ससुराल आया और सास तथा पति को धमकी दी कि उनको जान से मार देगा और पीड़िता का अपहरण करके श्रीगंगानगर ले आया। यहां आकर आरोपी ने तीन दिन एक होटल में रखा। फिर चंडीगढ़ ले गया। आरोपी की मां ने आरोपी को फोन करके गंगानगर बुलाया और फिर सूरतगढ़ थाने में दोनों को पेश कर दिया। वहां से पीड़िता अपने मायके लौट आई। आरोपी ने 30 अक्टूबर को पीड़िता के नाना को फोन करके धमकाया और पीड़िता को गौशाला रोड पर बुलाया। पीड़िता वहां पहुंची तो आरोपी ने अपने चचेरे भाई चिकी खान तथा जीजा गाजी को बुला रखा था। आरोपी ने चेचेरे भाई चिकी के साथ पीड़िता को चंडीगढ़ भेज दिया। वहां दो नवंबर तक रहे। पैसे खत्म हो गए तो स्टेशन पर आ गए। इसी दौरान श्रीगंगानगर पुलिस चंडीगढ़ पहुंची तो आरोपी चिकी भाग गया। पीड़िता को थाने लाया गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर जवाहरनगर थाने में तीन नवंबर को केस दर्ज किया गया।

श्रीकरणपुर में कथित धर्म परिवर्तन के आरोप में तीन गिरफ्तार

श्रीकरणपुर, (निसं)। यहां कथित धर्म परिवर्तन मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने तीनों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मेरठ निवासी और वर्तमान में श्रीकरणपुर में एक निजी विद्यालय के प्रिंसिपल मैथ्यू, श्रीकरणपुर वार्ड नंबर 11 निवासी राजेश कंबोज उर्फ पॉपी और देवता कॉलोनी निवासी बलजिंदर सिंह खोसा शामिल हैं। पुलिस इनके अन्य साथियों का भी पता लगाने का प्रयास कर रही है। इन आरोपियों से ज्वाइंट इंटेलिजेंस कमेटी और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही पूछताछ पूरी कर ली थी। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों के बैंक खातों के लेनदेन, कॉल डिटेल्स और जर्मन दंपती को आरोपी पॉपी कंबोज द्वारा अपने घर में अवैध रूप से ठहराने जैसे मामलों में गहनता से पूछताछ की जाएगी।

जानकारी के अनुसार यह मामला 18 दिसंबर को श्रीकरणपुर के वार्ड नंबर 14 निवासी शरद गुबर द्वारा दर्ज करवाए गए मुकदमे से जुड़ा है। शरद गुबर ने आरोप लगाया था कि एक भवन में बीमारी ठीक करने का प्रलोभन देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। मौके पर विभिन्न राज्यों की रजिस्टर्ड गाडियां खड़ी मिली थीं, जिनमें एक यूपी नंबर की गाड़ी में दो विदेशी नागरिक और केरल नंबर की एक अन्य गाड़ी भी शामिल बताई गई थी। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया था कि सीमावर्ती क्षेत्र में बिना अनुमति विदेशी नागरिकों की मौजूदगी प्रतिबंधित है और संबंधित लोग संगठित रूप से धर्म परिवर्तन की गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। पुलिस ने जर्मन दंपती को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट अपने घर पर अवैध रूप से ठहराने के आरोप में आरोपी राजेश कंबोज के खिलाफ एक अलग मुकदमा भी दर्ज किया है, जिसकी जांच जारी है।

अलग-अलग हादसों में दो जनों की मौत

उदयपुर, (निसं)। गत दिनों सड़क हादसे में घायल हुए ट्रक चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

ाानकारी के अनुसार गत दिनों बड़नगर गुजरात से सोयाबीन से भरा ट्रक लेकर बरखेड़ा नीमच सिटी एमपी निवासी राजेंद्र यादव पुत्र सोहनलाल रवाना हुआ, जहां बीच रास्ते में बीपाछ थाना क्षैत्र में एक बोरी ट्रक से निचे गिर पड़ी। इसका पता चलने पर चालक ट्रक रोड़ बोरी लेने के लिए जा रहा था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया था। हादसे में गंभीर घायल होने पर रतलाम, नीमच चिकित्सालय से रेफर करने पर उदयपुर निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। इस पर हेड कांस्टेबल अमरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। वहीं शहर के धानमण्डी थाना क्षैत्र में हलवाई ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ोल हाल धानमंडी निवासी हरिशंकर (36) पुत्र माधवलाल वैष्णव ने अज्ञात कारणों के चलते दो दिन पूर्व विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया, जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

करंट से तीन गौवंश की मौत

मसूदा, (निसं)। ग्राम देवमाली चरागाह भूमि में चर रही तीन गौवंश की करंट लगने से मौत हो गई। देवमाली निवासी चंद्रा गुर्जर से मिली जानकारी के अनुसार देवमाली चरागाह भूमि में गांव के मवेशी दिन में चरते रहते हैं एवं शाम को घर पर जाते हैं। आज भी मवेशी चरागाह में विचरण कर रहे थे। इसी दौरान 11 हजार केवी विद्युत लाइन का तार टूटकर नीचे गिर गया। इस दौरान तार में करंट का प्रवाह हो रहा था, जिसकी चपेट में आने से चंद्रा की एक गाय, प्रभु की एक गाय व श्रीमती लाली की एक गाय की मौत हो गई। चंद्रा गुर्जर ने विद्युत वितरण निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि निगम के अधिकारियों व कार्मिकों को भी बताया गया था कि तार पुराने होने से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। लेकिन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे गौवंश की मौत हो गई।

एक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। शराब ठेका लूट मामले में 6 साल से फरार पांच हजार रूपए के ईनामी अभियुक्त को प्रागपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम चौधरी ने बताया कि प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने ईनामी अपराधी धर्मपाल मीणा पुत्र महावीर मीणा निवासी दलेलपुरा थाना खेतड़ी जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

आइसोलेटेड केटेगरी के विभिन्न पदों की भर्ती

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 08/2025

संकेतात्मक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न श्रेणीयों के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **29.01.2026** है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन शुरू होने की तिथि : 30/12/2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 29/01/2026 (23:59 बजे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी)
वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक	पे लेवल 6	35,400	सी-1	18-33 वर्ष	15
प्रयोगशाला सहायक ग्रेड III (रसायनज्ञ एवं धातुकर्मी)	पे लेवल 2	19,900	बी-1	18-30 वर्ष	39
मुख्य विधि सहायक	पे लेवल 7	44,900	सी-1	18-40 वर्ष	22
कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)	पे लेवल 6	35,400	सी-2	18-33 वर्ष	202
कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक	पे लेवल 6	35,400	सी-1	18-33 वर्ष	24
लोक अभियोजक	पे लेवल 7	44,900	सी-1	18-32 वर्ष	07
वैज्ञानिक सहायक (प्रशिक्षण)	पे लेवल 6	35,400	बी-1	18-35 वर्ष	02
	योग				311

नोटः 1. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिये भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जाँच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके।
2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि 10वीं कक्षा के पास-प्रमाणपत्र में दिए गए पूरे नाम और जन्मतिथि से 100% मिलान होने चाहिए। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आइरिस) के साथ अद्यतन करना होगा।
3. यह सूचना केवल सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे आगामी भर्ती सूचना (सीईएन) के बारे में भावी उम्मीदवारों को सूचित करने और आवेदन के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र या दस्तावेज तैयार रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएं और अन्य आवश्यकताएं विस्तृत सीईएन संख्या 08/2025 (समय-समय पर जारी किए जाने वाले किसी भी शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही होंगी, जिसे नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

सीईएन संख्या 08/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं

Ahmedabad www.rrbahmedabad.gov.in	Guwahati www.rrbguwahati.gov.in	Prayagraj www.rrbald.gov.in
Ajmer www.rrbajmer.gov.in	Jammu Srinagar www.rrbjammu.nic.in	Ranchi www.rrbranchi.gov.in
Bhopal www.rrbbhopal.gov.in	Kolkata www.rrbkolkata.gov.in	Secunderabad www.rrbsecunderabad.gov.in
Bhubaneswar www.rrbbbs.gov.in	Malda www.rrbmalda.gov.in	Siliguri www.rrbsiliguri.gov.in
Bilaspur www.rrbbilaspur.gov.in	Mumbai www.rrbmumbai.gov.in	Bengaluru www.rrbbnc.gov.in
Chandigarh www.rrbcdg.gov.in	Muzaffarpur www.rrbmuzaffarpur.gov.in	Gorakhpur www.rrbgkp.gov.in
Chennai www.rrbchennai.gov.in	Patna www.rrbpatna.gov.in	Thiruvananthapuram www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

संख्याः आआरबी/अज/विज्ञप्ति/सीईएन/08/2025
दिनांकः 26/12/2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी देशहित में कठोर निर्णय लेने में रहे सदैव अटल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 30 करोड़ की लागत से मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में ''अटल लोकतंत्र उपवन'' एवं ''अटल काव्य स्मारक'' बनाने की घोषणा की

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन को जनता केंद्रित बनाने का काम किया। उन्होंने जनप्रतिनिधि को सेवा एवं समर्पण से जन उत्थान का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटलजी एक युग, विचार और प्रेरणा थे तथा उनके व्यक्तित्व को राजनीति की सीमाएं बांध नहीं पाईं। वे हमेशा देशहित में कठोर निर्णय लेने में सदैव अटल रहते थे। पोकरण में परमाणु परीक्षण उनकी इसी दृढ़ता का प्रमाण है। पूरे विश्व के दबाव के बावजूद भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया और विश्व पटल पर भारत की साख बुलंद की। शर्मा गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर मानसरोवर के सिटी पार्क में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'अटल काव्य स्मारक' के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से ई-लाइब्रेरी एवं पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करवायी जाएगी। उन्होंने जयपुर में 'अटल लोकतंत्र उपवन' बनाए जाने की भी घोषणा की। इसके लिए उन्होंने 30 करोड़ रुपये के बजट आवंटन की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने आचरण से यह सिद्ध कर दिया कि राजनीति केवल सत्ता का

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद थे।

खेल नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है। वे सरलता, विनम्रता और मृदुभाषी स्वभाव से जन-जन के नेता थे। उन्होंने ने अपने जीवन में यह साबित किया कि कठोर निर्णय लेने के लिए कठोर व्यवहार आवश्यक नहीं है। वे मधुर वाणी के साथ इस्पात जैसे दृढ़ निर्णय ले सकते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार अटलजी के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चल रही है।

शर्मा ने कहा कि 15 दिसंबर को हमारी सरकार के जनसेवा के दो वर्ष पूर्ण हुए हैं। इस कम समय में सरकार ने संकल्प पत्र के करीब 70 प्रतिशत वादे पूरे किए हैं। पानी की प्राथमिकता को समझते हुए हमने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर, देवास परियोजना जैसी परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। इसी तरह प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दो वर्षों में बिजली उत्पादन क्षमता में 6 हजार

■ **इस प्रोजेक्ट के तहत सिटी पार्क में ई-लाइब्रेरी और पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी**

363 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है।

सांगानेर मेरी कर्मभूमि, जनविश्वास ही ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांगानेर मेरी कर्मभूमि है। यहाँ की जनता का विश्वास हमारे लिए सबसे बड़ा उपहार है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। सांगानेर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर है, जो हस्तकला, हाथ से बने कागज, ब्लू पॉटरी और छपाई कला के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यहां के कारीगरों की कुशलता और मेहनत ने सांगानेर को एक अलग पहचान दी है। यहां के प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक स्मारक हमारी समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। सांगानेर विधानसभा में पिछले दो वर्षों में हमने विकास के अनेक कार्य किए गए है।

अटलजी राजनीति में 'अजातशत्रु कहलाए'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में जहां हर कोई किसी न किसी का विरोधी होता है, वहां अटल जी ऐसे व्यक्ति थे जिनका कोई व्यक्तिगत शत्रु नहीं था। विपक्ष के नेता भी उनका सम्मान करते थे। उनकी महानता यही थी कि वे विचारों के स्तर पर कठोर विरोध करते थे लेकिन व्यक्तिगत संबंधों में सदैव मधुर रहते थे। इसीलिए अटल जी को 'अजातशत्रु' कहा जाता था। अटल जी संवेदनशील कवि भी थे, जिनकी कविताएं राष्ट्रप्रेम, मानवीय संवेदना और जीवन दर्शन से ओतप्रोत थी। मुख्यमंत्री ने अटल जी की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ''आओ फिर से दिया जलाएं, भरी दुपहरी में अंधियारा, सूरज परछाईं से हारा, अंतरतम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएं। आओ फिर से दिया जलाएं।''

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि अटलजी ने संगठन को मजबूत करने का काम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने ग्राम सड़क योजना से लेकर स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को साकार रूप प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आमजन को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन की सरकार विकास को नई दिशा प्रदान कर रही है। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, महामंत्री श्रवण बगड़ी, कैलाश मेघवाल, भूपेन्द्र सैनी, नारायण मीणा सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाभार्थियों को फोन पर मिलेगी मासिक व्यय की पूरी जानकारी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में आरजीएचस योजना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में योजना में पारदर्शिता की दृष्टि से एक और डिजिटल पहल की गई है। इसके तहत राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थी को उसके द्वारा उपयोग की गई स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी जानकारी उसके पंजीकृत मोबाइल पर मिलेगी। इससे लाभार्थी को यह पता चला सकेगा कि किसी भी फार्मेसी, अस्पताल या अन्य एजेंसी द्वारा उसके आरजीएचएस कार्ड का दुरूपयोग तो नहीं किया गया है।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि कई बार ऐसी शिकायतें सामने आती थीं कि किसी फार्मेसी, अस्पताल या अन्य एजेंसी द्वारा गलत बिल प्रस्तुत कर योजना के तहत भुगतान उठा लिया गया, जबकि लाभार्थी द्वारा ऐसा कोई उपचार या दवा ली ही नहीं गई और ना ही उसे इसके बारे में कोई जानकारी है। इस अनियमितता पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अब लाभार्थी को उसके द्वारा उपयोग की गई सेवाओं की पूरी जानकारी उसके मोबाइल पर उपलब्ध करवाने की पहल प्रारंभ की गई है। ऐसे में कार्ड का दुरूपयोग होने पर लाभार्थी तत्काल हेल्पलाइन नंबर या आरजीएचएस कार्यालय में तथा हेल्पलाइन 181 पर इसकी सूचना दे सकेगा और अनियमितता करने वाले अस्पताल या फार्मेसी स्टोर के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी।

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि आरजीएचएस कार्ड के के उपयोग से संबंधित पारदर्शी एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

सार-समाचार

डीजीपी ने दिलाई पारदर्शिता की शपथ

जयपुर। राजस्थान सरकार के निर्देशों की अनुपालना में गुरूवार को पुलिस मुख्यालय में सुशासन दिवस अत्यंत गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पुलिस महकमे ने जनसेवा और पारदर्शिता के नए मानक स्थापित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का शुभारंभ महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा द्वारा स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान मुख्यालय के तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित कर भारत रत्न को नमन किया। उपस्थित अधिकारियों ने अटलजी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया, जो सुशासन की अवधारणा के असली प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात एक औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में मुख्यालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सुशासन की शपथ ली। शपथ के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पुलिस बल न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि आमजन के प्रति जवाबदेह, पारदर्शी और संवेदनशील शासन प्रदान करने के लिए भी संकल्पित है।

संवेदनशीलता से काम करने का संकल्प

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुशासन दिवस के अवसर पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए सुशासन की शपथ ली। मुख्यालय अंबेडकर भवन में निदेशक आशीष मोदी ने सभी कार्मिकों को जवाबदेहिता और संवेदनशीलता की भावना से कार्य करने का संकल्प लेने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य सत्ता संचालन नहीं बल्कि अंत्योदय की भावना से आमजन के लिए कार्य करना है। इस अवसर अतिरिक्त निदेशक रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक सूंडा राम मीणा, अतिरिक्त निदेशक अरविंद सैनी मौजूद थे।

कार्मिकों ने ली सुशासन की शपथ

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर पशुपालन विभाग में शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की शपथ दिलाई। इससे पूर्व स्व. प्रधानमंत्री वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने संविधान के मूल्यों के अनुरूप ईमानदारी, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संकल्प लिया।

श्री ताड़केश्वर मंदिर में पौषबड़ा आज

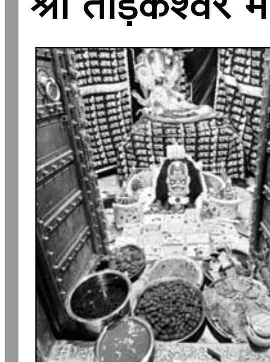

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित श्री ताडकेश्वर नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अलौकिक श्रृंगार एवं विशाल पौषबड़ा प्रसादी का वार्षिक आयोजन 26 दिसंबर को शाम 7 बजे से होगा। मंदिर के सेवायत पुजारी राहुल महाराज ने बताया कि कार्यक्रम में इस वर्ष भी विशेष श्रृंगार किया जाएगा। आयोजन में करीब करीब 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है।

अलुमनी मीट में पहुंचे पूर्व विद्यार्थी

जयपुर। बैनाड़ रोड जयपुर स्थित श्री बालाजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में वर्ष 2025 की अलुमनी मीट ''नॉस्टैल्जिया 2025' का आयोजन हुआ। इस अवसर पर लगभग 300 पूर्व छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर अपने महाविद्यालयीन जीवन की स्मृतियों को ताज़ा किया तथा अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए। देशभर की प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं और कंपनियों-जैसे टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल, एक्सेंचर, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक सहित अन्य संगठनों-में कार्यरत श्री बालाजी कॉलेज के पूर्व छात्र-छात्राओं ने इस आयोजन में भाग लिया। विभिन्न शहरों से आए अलुमनी ने अपने करियर अनुभव साझा करते हुए वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुरेंद्र सिंह चौधरी, भागीरथ पूनिया (चेयरमैन), जगदीश चंद्र पूनिया (मैनेजिंग डायरेक्टर), प्रो. (डॉ.) इंदरपाल मील, डॉ. के. सी. शर्मा, डॉ. पवन बडसरावत, डॉ. सुभाष चंद्र जाट, पूनम पूनिया, अंजना पूनिया, डॉ. पंकज मील, महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

तीनों विधायकों की सदस्यता खत्म की मांग

जयपुर (कासं)। राजस्थान विकास पार्टी के अध्यक्ष हरनाम सिंह सिकरवार ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर मांग की है कि राजस्थान में तथाकथित रिश्वत लेने के आरोपी विधायकों की सदस्यता समाप्त की जाए। पत्र में सिकरवार ने आरोप लगाया है कि दोनों ही पार्टियों के राज्यस्तरीय नेता, विधायकों के बचाव के लिए षडयंत्र कर रहे हैं और दोनों पार्टियों के केंद्रीय नेतृत्व ने हस्तक्षेप नहीं किया तो राजस्थान विकास पार्टी राज्य स्तर पर आंदोलन करेगी। सिकरवार ने कहा कि एक समाचार पत्र के स्टिंग ऑपरेशन में बयाना से ऋतु बनावत, हिण्डौन से कांग्रेस विधायक अनिता जाटव और खींवसर से भाजपा विधायक रेवतराम डांगा को क्षेत्रीय विकास के लिए आवंटित धन को 40 प्रतिशत दलाली लेकर गैरकानूनी ढंग से आवंटित करने का दावा किया जा रहा है।

सुपरवाइजर-बीएलओ का सम्मान

जयपुर। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (एसआईआर) को पूर्ण करने वाले वाले कर्मचारियों का समाज आगे बढ़कर सम्मान कर रहा है। इसी कड़ी में विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र के कर्मचारियों का वीकेआई रोड नंबर-12 स्थित श्रीराम बैंक्वेट हॉल में सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की आयोजक वार्ड नंबर 7 की निवर्तमान पार्षद संतोष अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कैलाश अग्रवाल ने सुपरवाइजर दुर्गा लाल सैनी, जयराम, विद्याधर और रघुराज शर्मा, बूथ लेवल ऑफिसर और सहायक कर्मचारियों को साफा-माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजिका और बूथ लेवल ऑफिसर ज्योति शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी प्रबंधन की ओर से सभी सुपरवाइजर को लोकतंत्र प्रहरी सम्मान स्मृति चिह्न, गोविंद देवजी का चित्र, दुपट्टा, प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया। करीब 25 बीएलओ और सहायक कर्मचारियों को लोकतंत्र समर्थ सहयोगी सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में मनोज पंवार, रघुवीर सिंह,सुमन सियाग, सुरेंद्र सिंह शेखावत,प्रभु दयाल दरिया, राहुल मीणा, निशा कुमावत,जगदीश प्रसाद लाटा,नेहा चौधरी, रविंद्र सिंह, ज्योति शर्मा को लोकतंत्र समर्थ सहयोगी सम्मान से नवाजा गया।

5240 लीटर संदिग्ध घी जब्त

जयपुर। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की टीम ने कार्यवाही करते हुए बगरू में 5 हजार 240 लीटर संदिग्ध देशी घी जब्त किया, जिसकी कीमत बत्तीस लाख रुपए बताई गई है।

सी.एम.एच.ओ. जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि बगरू थाना पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल को कार्यवाही के लिए भेजा गया था। बगरू के लोहरवाड़ा स्थित भैरव विहार कॉलोनी के एक प्लॉट में प्रदीप बढेरा ने गोदाम बना रखा था जो ग्रामीण एरिया की दुकानों पर घी सप्लाई कर रहा था।

नमस्ते कृष्णा,डेयरी सरस और डिजायर ब्रांड का घी अजमेर के सिराधना स्थित श्री श्याम फूड प्रोडक्ट्स से निर्माण कर सप्लाई किया जा रहा था। जहां तीनों ब्रांड के नमूने लेकर शेष घी को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक सीज किया गया है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद थारवान,राजेश नागर एवं अवधेश गुप्ता शामिल रहे।

'देश व समाज की तरक्की और खुशहाली के लिए प्रयास जरूरी'

जयपुर। सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से आयोजित 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी व 814वां उर्से ख्वाजा गरीब नवाज इज्तेमा में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जयपुर शहर मुफ्ती मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी की सरपरस्ती में यहां घाटगेट पर आयोजित इज्तेमा में मुख्य अतिथि एवं सुन्नी दावते इस्लामी (मुम्बई) के अमीर मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी ने ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर विस्तार से रोशनी डाली।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती ने कुरान की तालीम को आम करने, इंसानियत और अमन व शांति के लिए सूफीइज्म की तालीम का प्रचार किया और बताया-अगर एक नौजवान अपने आप को बदलना चाहे तो बदल सकता है और समाज में इंकलाब पैदा कर सकता है। मुख्य वक्ता अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी किब्ला (मालेगांव) मुहब्बत ए रसूल के जरिए इस्लाम की बुनियादी व अखलाकी तालीम को आम करना और अल्लाह की बनाई कायनात में गौर करना व दुनियावी तालीम में बैदारी लाई जाए, इस सिलसिले में विस्तार से ख्याख्यान दिया।

अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी (जयपुर) ने नमाज की अहमियत पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा-जब बंदा अपने रब के आगे झुकता है तो वह अपने रब के करीब हो जाता है और डॉक्टर अल्लामा इकबाल के कोल-वो एक सज्दा जिसे तु गिरां समझता है हजार सज्दों से देता है आदमी को निजात, सुनाते हुए अपनी बात पर विराम दिया।

डीडवाना-कुचामन में 1.35 लाख विद्यार्थियों की आंखों की जांच हुई

कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खडगावत के निर्देशन में जिले में चलाया गया ''सेफ आई-सेफ फ्यूचर'' अभियान

डीडवाना-कुचामन (कासं)। डीडवाना-कुचामन जिले में कलक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत के निर्देशन में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आँखों की जांच के लिए ''सेफ आई-सेफ फ्यूचर'' अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम में अब तक 1.35 लाख से ज्यादा बच्चों की आंखों की निःशुल्क जांच हुई है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि उनके शैक्षिणक विकास एवं स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

कलक्टर डॉ. खडगावत ने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण बच्चों में आँखों से संबंधित समस्याएं बढ़ रही है। बच्चों की आंखों का स्वास्थ्य सीधे उनकी शिक्षा और समग्र विकास से जुड़ा है। यदि दृष्टि दोष का समय पर पता चल जाए, तो इसे भविष्य में होने वाली गंभीर समस्याओं से बचाया जा सकता है। ऐसे में यह अभियान एक नवाचार के रूप में जिले के बच्चों के स्वस्थ नेत्र, सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र चौधरी ने बताया कि कलक्टर डॉ. खडगावत के निर्देशन में अभियान के प्रथम चरण में शिक्षा विभाग की सहायता से 1.35 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों की आँखों की प्रारंभिक जाँच कर विद्यार्थियों की दृष्टि की स्क्रीनिंग

कर नेत्र संबंधी संभावित समस्याओं को चिन्हित किया गया है। अभियान के द्वितीय चरण में चिकित्सा विभाग द्वारा गठित 9 टीमों ने लगभग 45 दिनों की अवधि में चिन्हित विद्यार्थियों की आंखों की विस्तृत जांच नेत्र विशेषज्ञों द्वारा की गई, जिसमें कुल 4161 विद्यार्थियों में अस्पष्ट दिखने, धुँधला दिखाई देने तथा दूर का कम दिखाई देने जैसी आँखों से संबंधित समस्यायें पाई गई। जिला प्रशासन द्वारा इन सभी विद्यार्थियों को शीघ्र ही भामाशाहों के सहयोग से उपयुक्त क्षमता के निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री से मिले सिख समाज के प्रतिनिधि

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिख समुदाय के प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात की। उन्होंने वीर बाल दिवस (26 दिसम्बर) की पूर्व संध्या पर कहा कि गुरु गोबिंद सिंहजी के साहिबजादों ने मातृभूमि एवं धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। शर्मा

■ **साहिबजादों का साहस और बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा : सीएम**

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर साहिबजादों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में चिरस्थाई बनाया। उन्होंने युवा पीढ़ी से साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान से प्रेरणा लेने की अपील की।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, राजस्थान सिख समाज अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह तथा जयपुर के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रतिनिधि सहित विभिन्न गणमान्यजन उपस्थित रहे।

दहेज की लगातार मांग से परेशान होकर विवाहिता ने जहर खाकर की आत्महत्या

4 महीने के बेटे के साथ आई थी पीहर, गेहूं की टंकी से निकालकर कीटनाशक दवाई खाई

जयपुर (कासं)। महेश नगर थाना इलाके में दहेज की मांग से परेशान होकर एक विवाहिता ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। कीटनाशक खाने के बाद अचानक से विवाहिता की तबियत बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में उपचार दौरान उसकी मौत हो गई। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर विवाहिता के ससुराल पक्ष के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि महेश नगर इलाके में स्थित रामनगर विस्तार, कटारिया कॉलोनी निवासी श्वेतरा राव

■ **महेश नगर थाना पुलिस कर रही है मामले की जांच**

(32) ने गेहूं की टंकी में रखा कीटनाशक निकाला और उसका सेवन कर लिया। जिसके बाद उसकी अचानक से तबियत बिगड़ गई। गंभीर अवस्था पर परिजन उसे सवाई मानसिंह अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर उपचार दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि श्वेता की शादी जुलाई-2024 में फतेहपुर शेखावाटी निवासी नरेश सिंह के साथ हुई थी और मृतका श्वेता के 4 माह का बेटा है। पिछले 1 महीने पहले ही वह 4 महीने के बेटे के साथ पीहर आई थी। गत 21 दिसंबर की शाम करीब 4 बजे गेहूं की टंकी में रखे जहर को निकालकर लाई और कमरे में आकर अपने मासूम बेटे के सामने उसे खा लिया। जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और जमीन पर गिर गई। कुछ देर बाद परिजनों ने उसे अचेत अवस्था में फर्श पर पड़ा हुआ देखा। जिसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर उपचार दौरान श्वेता ने दम तोड़ दिया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बुधवार को मृतका की मां की शिकायत पर दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है।

भाई मिलने पहुंचा तो उससे भी की मारपीट

बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ससुराल वाले आए दिन दहेज के लिए प्रताडित कर रहे थे और 2 लाख रुपए अपने परिजनों से मंगवाने के लिए आए दिन मारपीट कर रहे थे। गत 13 नवंबर को भाई गजराज को भी पीड़िता के ससुराल वालों ने वीडियो कॉल पर जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद भाई फतेहपुर शेखावाटी पहुंचा तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की। परिजनों ने फतेहपुर के कोतवाली थाने में बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने की शिकायत की थी। पुलिस के बुलाने पर ससुराल वाले श्वेता और उसके बेटे को लेकर फतेहपुर कोतवाली थाने पहुंचे। पुलिस को श्वेता ने आपबीती सुनाई। घरवालों के साथ जाने की कहने पर पुलिस ने श्वेता और उसके बेटे को परिजनों के साथ जयपुर भेज दिया। श्वेता के साथ ससुराल वालों ने काफी मारपीट की थी। जिसके कारण उसके शरीर पर कई जगह चोटें आई थी। जयपुर लाने के बाद श्वेता का इलाज करवाया जा रहा था। उस दौरान भी उसके ससुराल वाले कॉल कर श्वेता को धमकी देकर टॉर्चर कर रहे थे। आए दिन की धमकी से परेशान होकर श्वेता ने जान दे दी।

सीए ऋषि अग्रवाल को डॉक्टरेट उपाधि

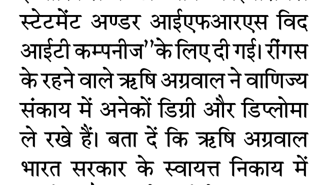

जयपुर। गांधी शांति फाउंडेशन नेपाल द्वारा देश की विभूतियो को विभिन वर्गो में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रधान की गई। सीए ऋषि अग्रवाल को भी डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया। उनको यह उपाधि अपने शोध ''एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ फाइनेंशियल स्टेटमेंट अण्डर आईएफआरएस विद आईटी कम्पनीज''के लिए दी गई। रींगस के रहने वाले ऋषि अग्रवाल ने वाणिज्य संकाय में अनेकों डिग्री और डिप्लोमा ले रखे हैं। बता दें कि ऋषि अग्रवाल भारत सरकार के स्वायत्त निकाय में कार्यरत है। उनको पूर्व में भी विभिन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

ARBIT it happens here...
राष्ट्रदूत
FRIDAY
26 December 2025
A-B

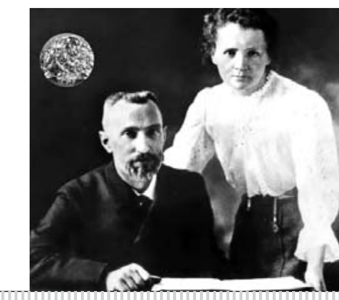

Discovery of Radium: A Milestone in Science

On December 26, 1898, pioneering scientists Marie and Pierre Curie announced the discovery of radium, marking a groundbreaking achievement in chemistry and physics. This rare radioactive element opened new frontiers in scientific research, particularly in the study of radioactivity and its applications in medicine. The discovery not only earned the Curies global recognition but also laid the foundation for advances in cancer treatment, nuclear energy, and modern physics. Celebrating this historic moment reminds us of the power of curiosity, dedication, and collaboration in driving scientific breakthroughs that continue to shape technology, healthcare, and our understanding of the natural world.

Amber (early).

Amber (later).

Man Singh Mahal. Diwan-i-Khas. Diwan-i-Aam. Jaleb Chowk.

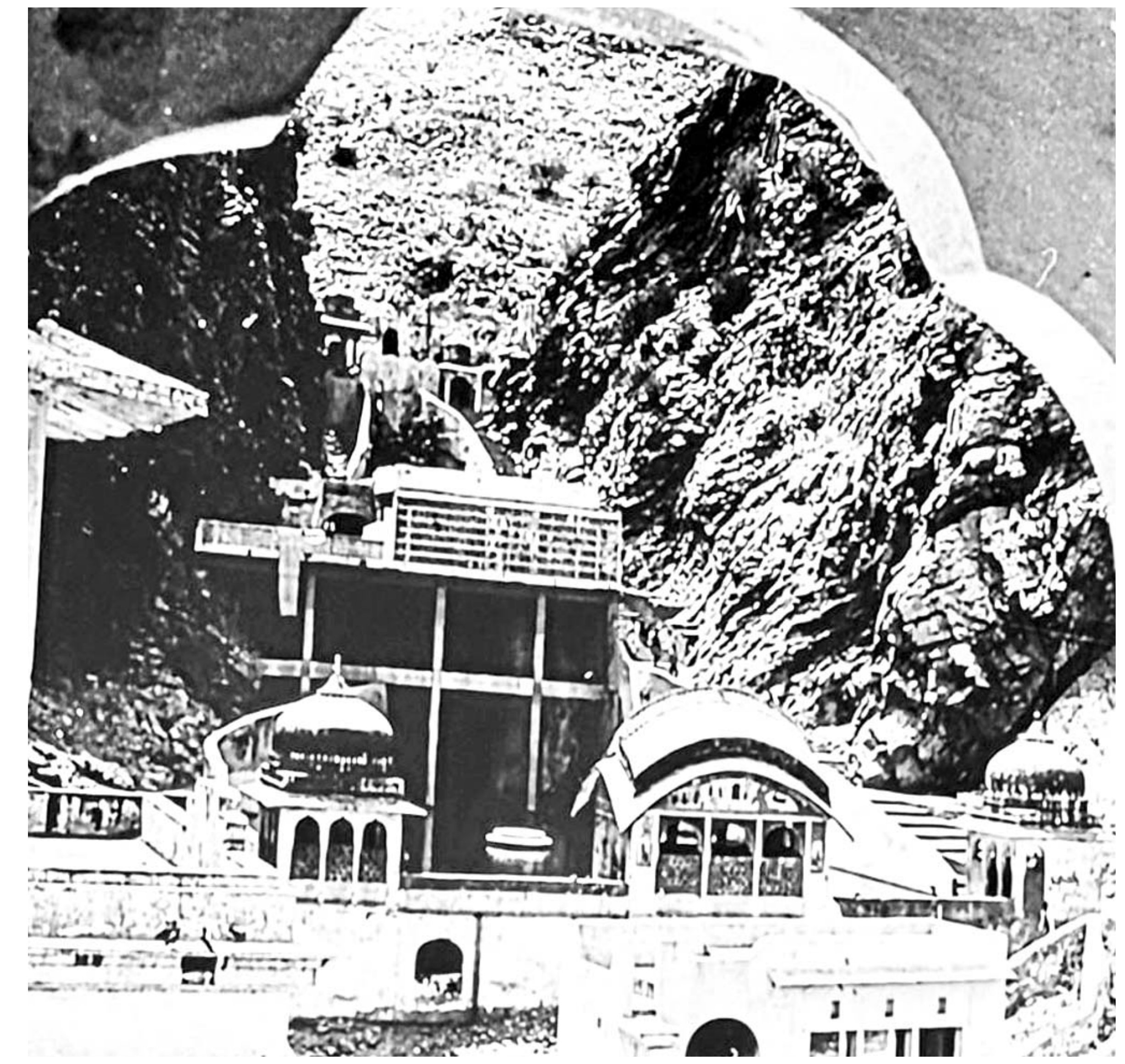

Galta ji.

Sanganer ko Sanga Baba... PART:1

The Narsingh story in Rajasthan goes like this, in Jaipur: 'Jab tak Narsingh Devli par, tab tak raj hatheli par.' "At one point, towards the end of the late Rajmata Gayatri Devi's life, I was in a place where I could ask her. So I said, you know, we've always heard this. She says, 'Darling, it's true.'… She said it disappeared just around the time that the conversations had started for the state of Jaipur acceding to be part of a new union. And later, it was found in a well and it has been put back. That was her version."

Pushpendra Bhargava

Jaipur can recite a four-line map of itself. At Dr. Rima Hooja's talk on her biography of Raja Man Singh, that map turned into a room full of shared inquiry: the city offering what it remembers, the historian offering how to read it, and both leaving the story deeper than before, about evidence, oaths, legends, and what we lose when we demand only 'proof.'

"Sanganer ko Sanga Baba, Jaipur ko Hanuman; Amber ki Shila Devi layo Raja Man."

Jaipur has its own way of compressing centuries into four lines, portable history, recited like directions. It's a rhyme many residents carry even if they don't remember where they first heard it.

Rima Hooja started not with a timeline, but with a scene-reading from her prologue: the Indus in flood, troops hesitating at a dangerous crossing, and a young Kunwar Man Singh calling their bluff with wordplay. The verse she read turns 'Attock' into 'atak,' a pun on hesitation itself.

"Sabey bhumi Gopal ki, ya main atak kahan; Ja key mun mein atak hai, sohi atak raha."

Rajmahal.

In her telling, it's not just a clever line. It's a leadership test: if you're stuck in your mind, stay at 'Atak,' if you trust God and your own nerve, cross. The army follows, and the crossing becomes part of the legend.

What biography is up against?

Then, she stepped back from legend to method. In any biography, she said, the problem is getting to the real person, past the stories that want him to be only a hero or only a villain. Her most unsettling move was also her simplest: judge 'great men' as people with duty, fear, ambition, and limits. "When you think of them as human people… what's the choice?" she asked. "Where is somebody's cracking point? Where is somebody's point of bravery?"

From there, Raja Man Singh entered the room early, not as a cut-out general in someone else's empire, but as a figure bound to Amber, Dhundhar, family line, and an inherited code. To see that, Hooja pulled Amber back into focus as a living urban world, not merely a 'before' to Jaipur. Drawing on Amrit Rai's 'Mancharit,' she described Amber as a place with 'trees,' 'wide streets,' and 'trade from every part of the world.'

A city where gods travel with armies

Hooja slipped in something Jaipur understands instinctively: in Amer (Amber)'s world, power didn't move alone, deities moved with it. She spoke of old palace rituals and the Narsinghji temple, quoting a line that maintained and deepened the ties of the kingdom's fate to the deity.

"Jab tak Narsingh Devli par, tab tak Raj hatheli par."

The procession vehicle taken out during Teej and Gangaur follows the same tradition. In Hooja's narrative, Man Singh connects Jaipur with Afghanistan. In her telling, that widening map keeps connecting Jaipur to Kabul is on the frontier, Lahore as an imperial anchor-until you stop seeing Man Singh as only 'Akbar's general' and begin to see him as a ruler with a home base and a world that keeps pulling him outward. Yet, he is also connected to his home through the construction of temples, forts, leading to the creation of Amber as a functioning city.

Man Singh Mahal.

In my mind, Man Singh stops being Jaipur's maharaja, or 'Akbar's general' and becomes a ruler with a home base managing his administration, providing patronage, creating gardens, temples, buildings, and instilling a civic pride of a place that could attract traders and specialists.

I appreciate that in Hooja's explanation of Man Singh's world, she helps me connect why we are celebrating Man Singh like every year this year on his 475th anniversary. To imagine that in 1500, a young man travels to Afghanistan and Lahore, who holds the title, who returns briefly, who is sent off again, establishes his legitimacy through ceremony and ritual, connecting his travels with the local deity in Galta ji, where we have been on early morning walks over the last fifteen years with friends and tourists.

Galta ji, Krishnadas Pehari, and the kind of 'proof' a city carries

According to Hooja, Galta Valley was long associated with the Naths. In the time of Man Singh's ancestor, Raja Prithviraj, after whom the Barah Kotriyan are remembered, the Naths leave, and later, Ramanandis and others come in. She then links this shift to Krishnadas Pehari, and to the devotional world Man Singh grows up inside: Krishna bhakti, and the small image of Narsingh that anchors older palace ritual life in Amer.

Rima Hooja: "But Galta Valley was under the Naths, and in the time of Man Singh's ancestor, Raja Prithviraj, after whom the Barah Kotri's have come, the Nath's leave and first the Ramanandis and others come in. Which means Man Singh grew up knowing about Krishna bhakti, knowing about the small image of Narsingh. And I have to do a footnote here and tell you about it."

"So, in the older palaces of Amer, which is where Man Singh would have been more familiar with, which is where a lot of the rituals of the royal family used to traditionally take place, including wedding time, opening of the kankandori, etc., they have a temple in Narsinghji. And that image was given by Krishnadas, along with others."

The Narsingh story in Rajasthan goes like this, in Jaipur: "Jab tak Narsingh Devli par, tab tak raj hatheli par." "At one point, towards the end of the late Rajmata Gayatri Devi's life, I was in a place where I could ask her. So, I said, you know, we've always heard this. She says, 'Darling, it's true.'… She said that it disappeared just around the time that the conversations had started for the state of Jaipur acceding to be part of a new union. And later, it was found in a well and it has been put back. That was her version."

#RAJA MAN SINGH

A portrait of an older Raja Man Singh.

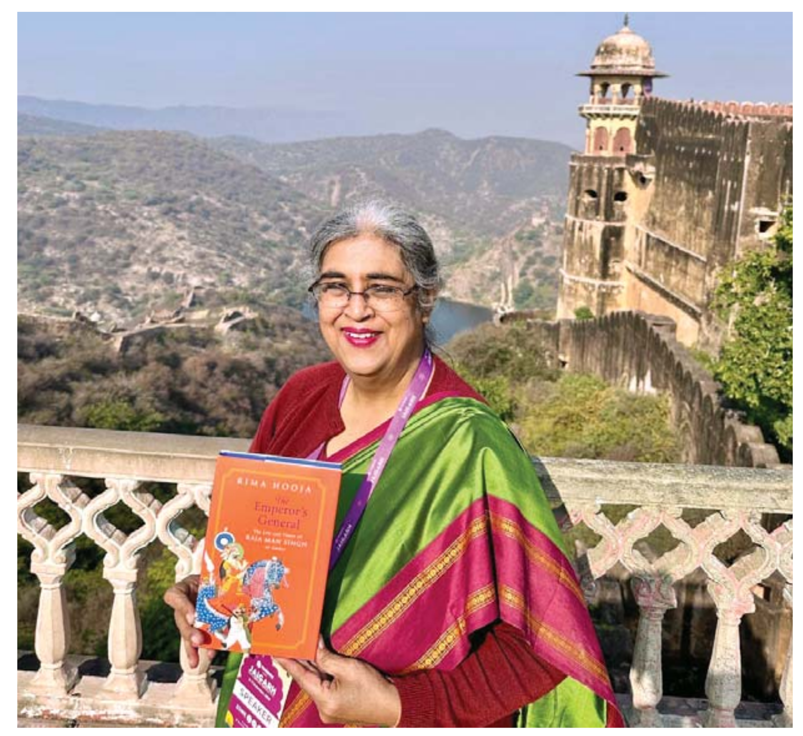

DR. RIMA HOOJA WITH HER NEW BOOK AT THE LALIT MANDIR BALCONY, JAIGARH FORT.

Kunwar Man Singh I of Amber.

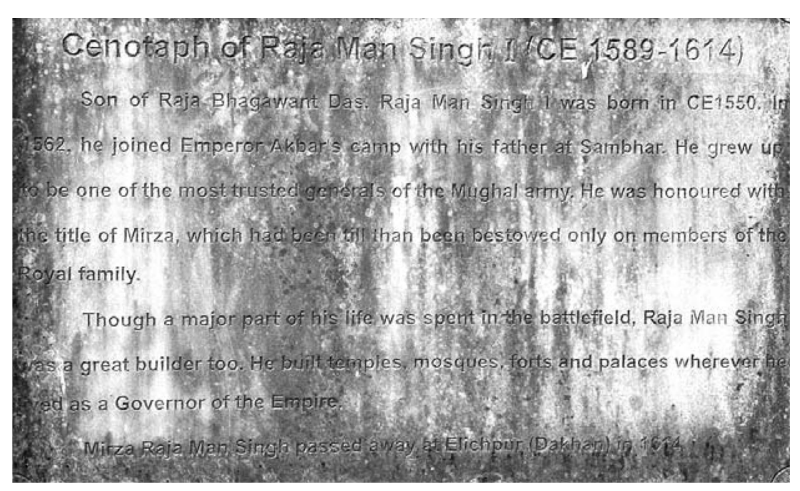

Cenotaph at Amber. Image taken by Pushpendra Bhargava.

Man Mandir and Ghat in Varanasi.

"But that's an interesting story which was part of this tale, that Krishnadas Pehari gave that image. Because the other image he gave is the image of Sita Ramji. And that used to go in the haraval (in the front of the army), wherever the army went. It is still there in what is now the Palace School Temple, and the one traditional rath is still known as 'Sita Ram ji ka Rath.' It is taken out during Teej and Gangaur in the front, but also the local saying that has come: "Gola khave Sitaramji, ladu khave Govindji," because Govind Devji is right there and Sita Ramji has been everywhere. And the family's flag, which was on it, went all the way to Kabul."

But for Man Singh, most of his life became one of not just warfare, which is what we think, but warfare for survival: survival of the empire, survival of maybe his own status. "But with that, a lot of patronage of people at his court, a good poet is encouraged to come to the court. A good painter is encouraged to come and paint there. So all of this takes place… in between fighting."

Hooja put it plainly: imperial relationships were not always a surrender of identity or a religious conversion. They were arrangements, often with a home territory kept intact.

Rima Hooja: "But the grandfather is a king in his own right… So, when the Pratiharas are ruling over Kannauj, lots of groups pay homage to them, but they don't give up their kingdom. And if you want to think of a parallel… is what happens when the British have treaties with various Indian kingdoms."

"It's the relationship. The big king says: I am here; you hold your territory. In the case of the Mughals and Man Singh, that territory, that vatan, that homeland, is the vatan jaghir. That stays with them…" "So, you have a twelve-year-old Man Singh going into Agra, finding out what that larger world is… He discovers the clothes… He also grows up both in his own religious tradition and… the wider belief systems around him. Islam, yes, but very soon, Akbar takes notice of this bright young guy and it's reciprocated." Hooja's point here is crucial for the reader: Man Singh's 'imperial' life doesn't erase his home world. The home world is precisely what the empire keeps drawing on, ritual legitimacy, inherited obligations, and the cultural confidence of Amer.

Insides of the fort.

Rima Hooja: "So, for Akbar, eventually, Man Singh gets the title of 'Farzan'-Farsi, Persian mein 'beta.' He also much later gets the title of 'Mirza.' Now, it sounds like… he's getting Islamised. He's not. It's the best compliment you can do when you mean: 'Yeh mere beta jaisa hai.'"

"When you're given the title of 'Mirza'… it's not to say, 'Hey, your family has matrimonial alliances with me.' It's to say: you are special; you are like a son."

"So, there was a campaign where they all go to Gujarat… They covered that journey in twelve days on horseback and then fought a battle straight away. Now, during that whole time period, Akbar has him next to him."

Patronage, temples, Tulsidas, and the part Jaipur forgets to say out loud

Hooja kept returning to what we usually miss when we say 'Akbar's general,' Man Singh's life wasn't only warfare. It was also structures, repairs, temples, and courtly patronage, the work that happens in between fighting.

Rima Hooja: Something else that we often don't think about for Man Singh is all the structures he made, the Man Mandir and the ghat at Banaras.

"So, we forget that Man Singh's time period is where the Emperor Akbar is not just a Muslim. The Emperor is discovering religion. He starts this *sulah-i-kul* ('peace for everyone,' in Persian). So, in all of this, religion is something that he probably becomes flexible about, but he remains a staunch believer in what he has been brought up with. For Man Singh, "Tulsidas was also regular, if not physically with them, but in their mind. Because Man Singh's eldest son was a shagird, or a chela, of Tulsidas ji." Man Singh also built many temples, according to Hooja. Temples that we very often forget about, for instance, he constructed the famous Ganga Mandir at Haridwar. When his mother dies at Gaya, he makes a temple in her name. The Bindu Madhav temple at Banaras was renovated by him."

Bengal, 'Subedar,' Bankim, and Raj Mahal

Then, she widened the map again, because Man Singh's life doesn't stay contained in Rajasthan, and his reputation has an afterlife far beyond it. She spoke of his posting as subedar (governor) in Bihar, his long tenure across Bengal-Bihar-Odisha, and the personal costs that followed him there, losses in the family, and the grind of holding a vast frontier of administration and war together.

From there, she pointed to something more surprising: how this eastern world reappears in literature. She explicitly linked that broader story-material to Bankim Chandra Chattopadhyay's *Durgeshnandini*, and described Man Singh establishing a new capital called Raj Mahal (Rajmahal), a 'big story,' she said, that lives beyond him.

Hooja also brought the man back into the frame she had started with: Not a 'bujha hua diya,' she said. He 'died in harness,' in 1614, far from Amber, at Elichpur (near today's Achalpur). The story ends the way many imperial lives end, on the road, in service, far from home.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

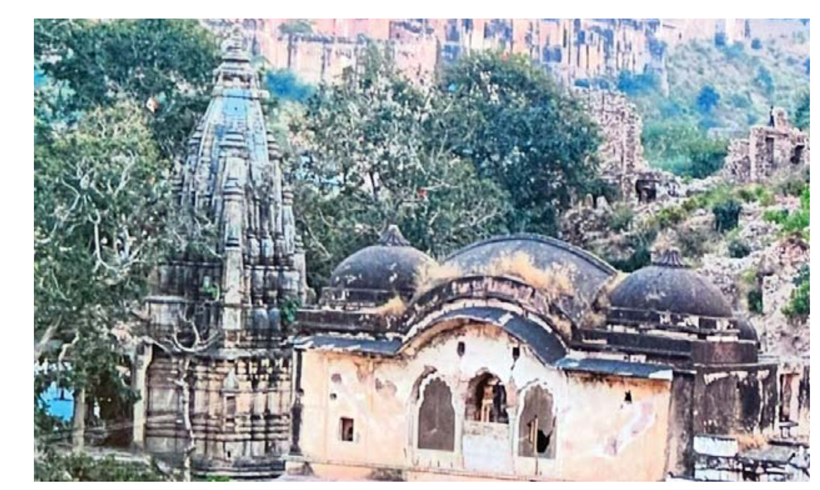

Amer Fort viewed from the town of Amber beneath it.

Cenotaph at Amber.

THE WALL

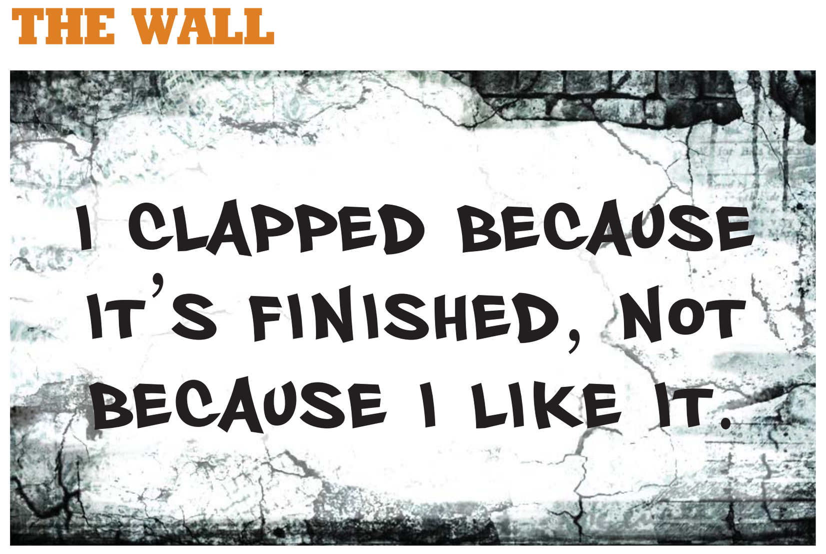

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

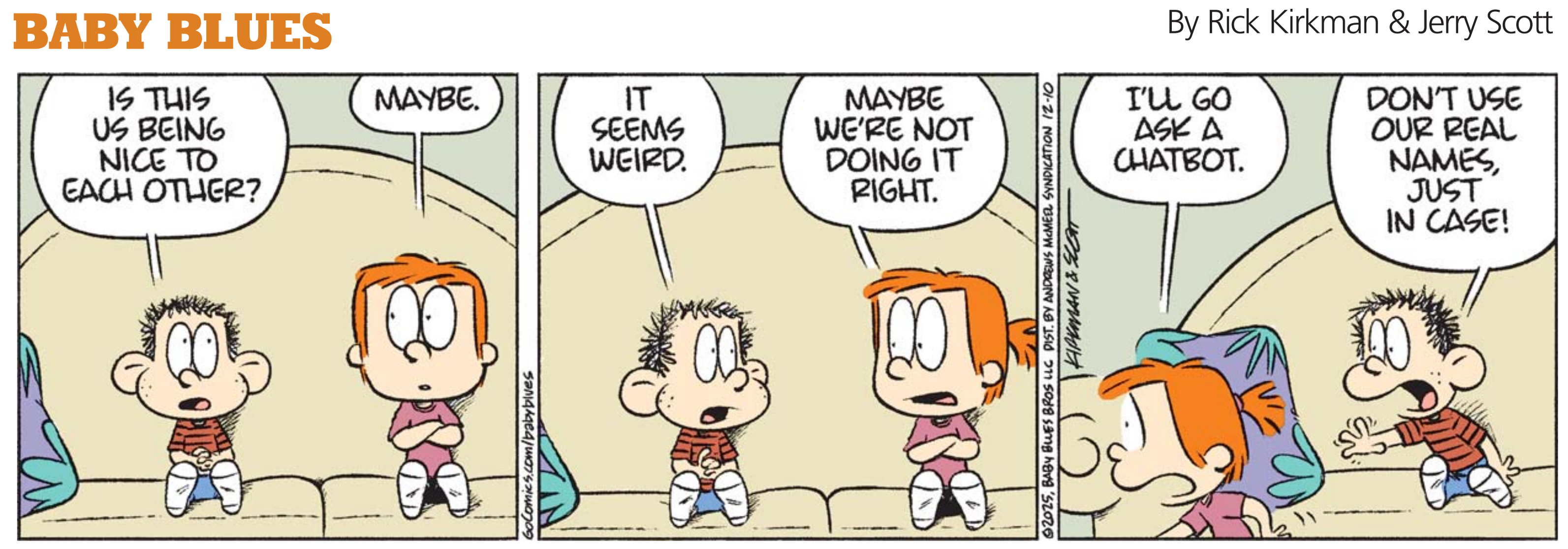

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

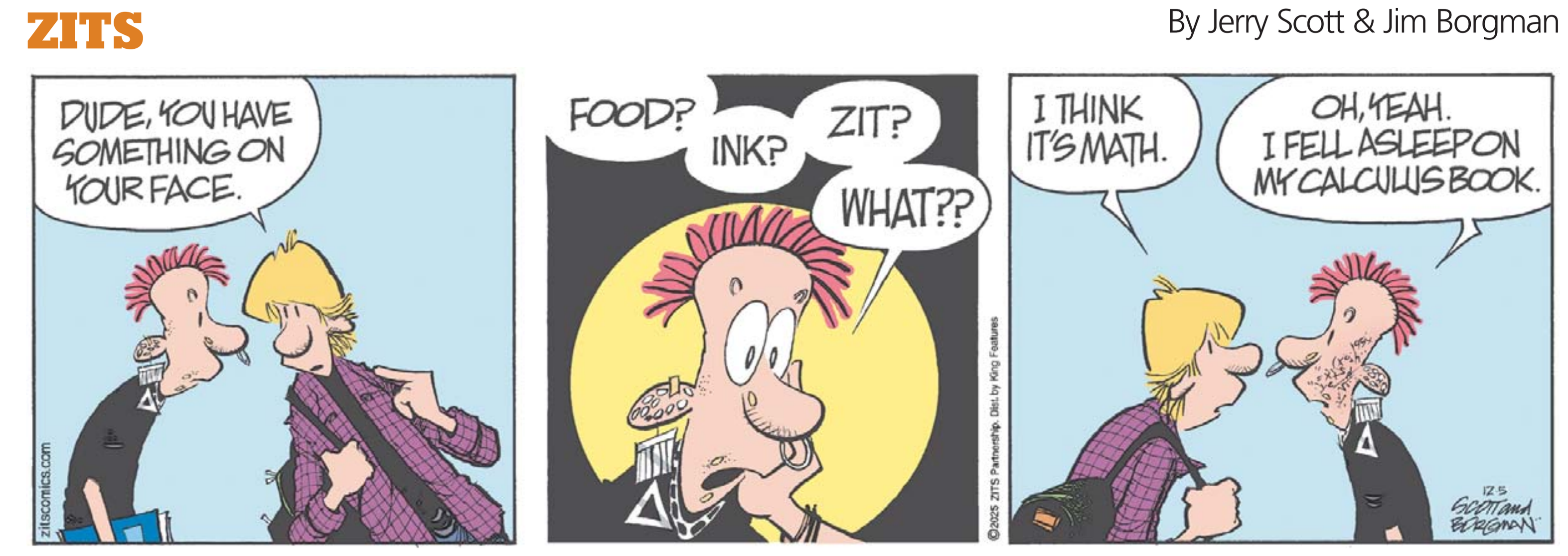

खेतड़ी पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी के गुर्गों को दबोचा, हथियार जब्त

वीरेंद्र गोठड़ी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है

पुलिस ने दो हिस्ट्रीशीटर समेत छह साथियों को गिरफ्तार किया।

खेतड़ी, (निसं)। करीब साढ़े आठ साल बाद एक बार फिर हरियाणा का हार्डकोर बदमाश और पड़ौसी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी झुंझुनूं में गैंगवार करने वाला था, लेकिन झुंझुनूं पुलिस की प्रो पुलिसिंग ने वीरेंद्र गोठड़ी के प्लान को फेल कर दिया और उसके दो हिस्ट्रीशीटर समेत छह साथियों को गिरफ्तार कर और हथियारों को जब्त कर एक बड़ी कार्रवाई की है।

वीरेंद्र गोठड़ी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसने अब से करीब साढ़े आठ साल पहले 6 मई 2017 को अपने दुश्मन बदमाश मुकेश उर्फ मुखिया गुर्जर का मर्डर करवाने के लिए अपने गैंग के बदमाशों को झुंझुनूं जिले के सिंघाना थाना इलाके के डूमोली खुर्द गांव भेजा था, जहां पर भात के कार्यक्रम में फायरिंग करके ना केवल मुखिया गुर्जर को, बल्कि फायरिंग के दौरान चपेट में आने से इसी गांव के जयपाल की मौत हो गई थी। इस डबल मर्डर के मामले में पुलिस ने ना केवल शूटरों को गिरफ्तार किया था, बल्कि करीब दो साल के बाद वीरेंद्र गोठड़ी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया था। अब इसी मामले में खेतड़ी कोर्ट में पेशी पर आए वीरेंद्र गोठड़ी तथा बहरोड़ सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर देवीलाल पुत्र फूलाराम गुर्जर निवासी पहाड़ी व उनके साथियों ने फिर से एक प्लान तो बनाया, लेकिन प्रो पुलिसिंग से सब कुछ धरा का धरा रह गया।

खेतड़ी सीआई मोहनलाल ने बताया कि पुलिस के पास सूचना आई थी कि कोर्ट के पास कुछ हरियाणा नंबर की गाड़ियों में बदमाश हैं, जिनके पास हथियार भी है। पुलिस ने सूचना के आधार पर जब संदिग्धों की तलाश शुरू की तो खेतड़ी कस्बे के बस स्टैंड पर दो गाड़ियां दिखाई दी। पुलिस की गाड़ी को देखकर ये लोग इधर-उधर भागने लगे। जिस पर छह को दबोचा गया। वहीं तीन-चार अन्य भागने में सफल हो गए। पकड़े छह बदमाशों में से दो तो हिस्ट्रीशीटर निकले। पुलिस ने इस मामले में हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने के हिस्ट्रीशीटी हनुमान प्रसाद उर्फ गब्बर पुत्र नेतराम गुर्जर को तथा कोटपुतली बहरोड़ जिले के बहरोड़ सदर थाने के हिस्ट्रीशीटर देवीलाल पुत्र फूलाराम गुर्जर निवासी पहाड़ी के साथ-साथ देवीलाल के ही गांव के जितेंद्र पुत्र अमरसिंह नाई, हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सदर नारनौल थाना के टहला निवासी राजेश कुमार पुत्र महाराम गुर्जर, हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी के गांव गोठड़ी के महेश कुमार पुत्र भूपसिंह गुर्जर तथा दीपक स्वामी पुत्र गुल्लाराम स्वामी को गिरफ्तार किया। इन दोनों ही गाड़ियों से पुलिस को एक 12 बोर की डबल बैरल गन, इसी गन के आठ जिंदा कारतूस तथा पिस्टल के सात जिंदा कारतूस मिले हैं। पुलिस की कार्रवाई से पहले ही वीरेंद्र गोठड़ी, विक्रम सिंह और एक संजय गनमैन नाम का मौके से भागने की जानकारी भी पुलिस को मिली है।

समर्थन मूल्य पर हो रही मूंगफली खरीद में गड़बड़ी का आरोप

- विधायक ने मंडी परिसर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फटकार लगाई

बीकानेर, (निसं)। यहां समर्थन मूल्य पर हो रही मूंगफली खरीद में गड़बड़ी पर विधायक भड़क गए। मंडी परिसर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फटकार लगाई। वसूली कर तुलाई करने पर ठेकेदार फर्म पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया।

विधायक जेठानन्द व्यास ने कहा कि आप सभी मिले हुए हो। रुपए देने वालों की तुलाई की जा रही है। पैसे नहीं नहीं देने वाले किसानों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। आपके सामने किसान ने साढ़े आठ हजार रुपए दिए हैं। तुम क्या कर रहे हो। ठेकेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई कर रहे हो। ठेका फर्म पर कार्रवाई नहीं करने पर विधायक ने धरने पर बैठने की चेतावनी दे डाली। किसानों ने तुलाई के बदले रुपए मांगने के आरोप लगाए धरने पर बैठने का समर्थन किया। करीब एक घंटे तक धरने पर बैठने के बाद विधायक मौके से चले गए। किसानों ने कहा कि धरने पर बैठने से तुलाई पूरी तरह ठप हो गई है।

जानकारी के अनुसार बीकानेर तहसील क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड के माध्यम से ऊन मंडी में मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है। खरीद में गड़बड़ी के आरोप पर विधायक जेठानन्द व्यास खरीद केंद्र पर पहुंचे और मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमाकांत व्यास को अव्यवस्थाओं के बारे में बताया और कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। तुलाई के नाम पर ठेका फर्म द्वारा किसानों से अवैध वसूली की जा रही है।

इस पर सीईओ ने कहा कि मूंगफली की खरीद टोकन प्रणाली के आधार पर की जा रही है और किसी प्रकार का अवैध लेनदेन नहीं हो रहा।

जानकारी के अनुसार बीकानेर और कोलायत क्षेत्र में मूंगफली खरीद की जिम्मेदारी एक ही अधिकारी के पास है। खरीदी गई मूंगफली को उठाने और वेयरहाउस तक पहुंचाने के लिए एक प्राइवेट फर्म को ठेका दिया गया है, जो किसानों की मूंगफली की तुलाई करने काम करती है और वेयरहाउस तक पहुंचाती है। इसी फर्म पर किसानों से रुपए वसूलने के आरोप लग रहे हैं। न सिर्फ बीकानेर और कोलायत, बल्कि श्रीडूंगरगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के आरोप सामने आ चुके हैं। इससे पहले भी इन फर्मों को ठेका दिए जाने को लेकर काफी विवाद हुआ था। उस समय ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को ठेका देने के आरोप भी उठे थे। ठेका फर्म पर रुपए लेकर तुलाई करने का आरोप लगाते हुए किसानों ने प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की।

विवाद के दौरान मौके पर मौजूद किसानों में भी भारी नाराजगी देखने को मिली। विधायक जेठानन्द व्यास ने कई किसानों के वीडियो बयान भी मौके पर रिकॉर्ड करवाए। एक किसान ने आरोप लगाया कि राजू नाम के व्यक्ति ने उससे साढ़े आठ हजार रुपए लिए, इसके बावजूद उसकी मूंगफली की तुलाई नहीं करवाई गई। वहीं एक अन्य किसान ने बताया कि उससे 21 हजार रुपए की डिमांड की गई थी। किसानों के इन आरोपों के बाद खरीद केंद्र पर माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया।

चोरी का माल खरीदने वाला सिरोही से गिरफ्तार

दोवडा पुलिस ने मंदिर से चोरी हुए कलश को खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

- लीलवासा गोपालजी मंदिर में चोरी के मामले में 8वां आरोपी पकड़ा, चोरी का माल बरामद

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने लीलवासा गोपालजी मंदिर से चोरी हुए कलश को खरीदने वाले आठवें आरोपी को सिरोही से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। इस मामले में पहले ही सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दोवड़ा थानाधिकारी ने बताया कि लीलवासा गोपालजी मंदिर के पुजारी सुरेश पुत्र मोतीलाल सेवक ने 16 मई को मंदिर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि मंदिर का शिखर चोरी हो गया था। पुलिस ने इस मामले में पहले अनुराग उर्फ अरुण, शेखर, कल्पेश, पवन, प्रकाश, अब्दुल और रमेश को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि चोरी किया गया कलश सिरोही में बेचा गया था। इस सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम सिरोही पहुंची और चोरी का सामान खरीदने वाले आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने शनिश्वर मंदिर के सामने, न्यू नेहरू नगर, शिवगंज, जिला सिरोही निवासी चंपतराम पुत्र माणकचंद सोनी को गिरफ्तार किया। आरोपी चंपतराम ने चोरी का माल खरीदने की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का कलश बरामद कर लिया है। फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार आरोपी चंपतराम से मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ कर रही है।

उदयपुर में बलीचा कचरा यार्ड के पास रहने वाले लोग गंदगी से परेशान

दक्षिण विस्तार योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के लोगों ने मंत्री झाबर सिंह खर्रा को ज्ञापन सौंपा।

उदयपुर, (निसं)। यूआईटी अंतर्गत दक्षिण विस्तार योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर क्षेत्र बलीचा उदयपुर के निवासियों ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा को गुरुवार को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की है। मंत्री झाबर सिंह खर्रा अपने एक दिवसीय प्रवास पर उदयपुर आये थे।

ज्ञापन में मंत्री से निवेदन किया गया है कि बलीचा कचरा यार्ड जो लंबे समय से गंदगी का अड्डा बन गई है, यहां शहर का सारा कचरा डाला जाता है, जिसे सैकड़ो गायों द्वारा खाया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से प्लास्टिक प्रमुख है। गंदगी इस तरह से पसरी हुई है कि इसके आसपास बने 1000 मुख्यमंत्री आवास एवं आईआईएम संस्थान कॉलोनी में रहने वाले लोगों का रहना दुश्वार हो गया है। ग्राम वासियों द्वारा इसे लेकर बार-बार आंदोलन कर निगम एवं जिला कलैक्टर तथा सरकार को जानकारी भी दी गई है।

लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली (एनजीटी) ने भी स्पष्ट आदेश जारी किए गए थे कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए इसके लिए प्रदूषण विभाग को भी पाबंद किया गया था। परंतु आज भी स्थितियां पहले से ज्यादा बदतर हो गई है। मरे हुए जानवर एवं गंदगी से आसपास प्रदूषण चरम सीमा पर है। लोगों का रहना दुश्वर हो गया है। करीब 4000 लोग तथा आईआईएम संस्थान इस प्रदूषण की लंबे समय से शिकार बन रही है। आमजन बीमारियों से ग्रसित हो रहा है। लोग उल्टी, दस्त, चर्म रोग, बुखार एवं मलेरिया तथा अन्य को बीमारियों से पीड़ित है। लंबे समय से वर्षा के कारण कचरे में आग नहीं लगाई जा रही थी। अब वर्षा बंद हो गई तो वर्तमान में कचरे में आग लगने से जहरीला धुआं चारों तरफ फैल रहा है। आमजन सांस भी नहीं ले पा रहा है तथा भारी पीड़ा से गुजर रहा है।

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत व प्रदूषण मुक्त भारत बनाने को राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है परंतु बलीचा के आसपास रहने वाले लोग इसे स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर कालीख पोत रहे हैं। चारों तरफ सडांध फैल रही है। कचरा यार्ड में बायो मैथेनेशन प्लांट की क्षमता 500 किलो की होने के बाद भी कचरा सेग्रीगेशन नहीं होने से मात्र 200 किलो गैस का ही उत्पादन हो रहा है, जबकि वास्तविकता में जिला एवं सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहण किया जाता तो यह 500 किलो की क्षमता वाला प्लांट भी छोटा पड़ता। आज हम देख रहे हैं कि वर्षा का पानी इस गंदगी पर पड़ने के बाद धीरे-धीरे धरती में जा रहा है। लोगों ने यह भी बताया कि सरकार और शासन प्रशासन द्वारा अगर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो हमारे द्वारा धरना, प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल तक की जाएगी।

युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण

जोधपुर, (कासं)। जिले में एक युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर करीब तीन वर्ष से देह और आर्थिक शोषण किया गया। पीड़िता कमिश्नरेट पूर्व के एक थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पीड़िता ने बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व उसकी एक युवक से जान पहचान हुई और बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। इस दौरान युवक ने उसको शादी का झांसा देकर शहर की होटल में मुलाकात करने बुलाने लगा। इसी दौरान कई बार युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए।

आरोपी उसको जोधपुर से बाहर भी पर्यटक स्थलों पर घुमाने ले गया और वहां पर भी गेस्ट हाउस और होटलों में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। करीब तीन वर्ष से चल रहे इस प्रेम प्रसंग के बावजूद जब भी वो आरोपी युवक को शादी के लिए कहती वो टालमटोल करने लगा। पीड़िता ने जब उससे ज्यादा जिद करनी शुरू की तो आरोपी युवक की हकीकत सामने आने लगी और वो उससे कन्नी काटने लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

‘वेदों की ओर लौटो’ का महर्षि दयानंद सरस्वती का संदेश आज भी प्रासंगिक : राज्यपाल बागड़े

- अजमेर में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

अजमेर, (कास)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का त्रयोदश दीक्षांत समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय के सत्यार्थ सभागार में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नए आरंभ का प्रतीक है। उपाधि प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, इसके साथ बौद्धिक क्षमता, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह समावर्तन संस्कार प्राचीन भारतीय परंपरा से जुड़ा है। इसमें गुरु शिष्यों को अंतिम उपदेश देते थे। सत्य के मार्ग पर चलने, धर्म का आचरण करने और शिक्षा पर अहंकार नहीं करने की सीख देते थे। राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े ने विभिन्न संकायों के 54 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति पीएचडी की उपाधि प्रदान की। साथ ही वर्ष 2020 से 2025 के मध्य उत्कृष्ट शैक्षिणक प्रदर्शन करने वाले 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति पदक तथा वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 40 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने अजमेर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि अजमेर का प्राचीन नाम अजयमेरु रहा है। इसे चौहान शासक अजयराज ने बसाया था। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती को युगपुरुष बताते हुए कहा कि वेदों की ओर लौटो का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने शिक्षा को व्यवहार से जोड़ने, चरित्र निर्माण, आत्मविकास, ब्रह्मचर्य, योग, प्राणायाम, वेद-उपनिषद तथा मातृभाषा और संस्कृत में अध्ययन की प्रेरणा दी।

राज्यपाल ने कहा कि उपाधि प्राप्त विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अपनी शिक्षा का उपयोग करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र एवं विश्वगुरु बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आव्हान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों में शोध एवं प्रयोगशालाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बौद्धिक विकास का प्रमाण व्यक्ति के कार्य और व्यक्तित्व से परिलक्षित होता है। साथ ही विद्यार्थियों को खेलकूद के माध्यम से शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनने, नैतिकता अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण एवं उसके संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने बृहस्पति भवन के सामने स्थित दो उद्यानों का नामकरण एक भारत श्रेष्ठ भारत विहार एवं संस्कृति विहार करने की घोषणा की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह वह क्षण है जब विद्यार्थियों के सपनों को औपचारिक मान्यता मिलती है। शिक्षा ही मानव को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और संवेदनशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता बताई। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि यह समारोह भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का गौरवशाली उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उपाधि मंजिल नहीं बल्कि उड़ान की शुरुआत है। बदलते समय में समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार एवं अनुसंधान पर कार्य करना आज की आवश्यकता है।

डूंगरपुर में लाखों के जेवर और नगदी चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में जैन मंदिर के सामने एक सूने मकान में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई। देर शाम को महिला वापस घर पहुंची तो घर में बिखरा सामान और टूटी अलमारी देखकर चौंक गई। घर से 55 हजार कैश और लाखों के जेवर चोरी हो गए। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड कालीन में जैन मंदिर के पास तुलसी देवी गोर के

- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

सूने मकान में चोरी की वारदात हुई। तुलसी देवी बुधवार दोपहर के समय घर का ताला कर काम से शहर में गई थी। देर शाम को वापस घर पहुंची तो घर के टूटे ताले, अंदर बिखरा पडा सामान देखकर चौंक गई। घटना के बाद कॉलोनी के लोग इकट्ठे हो गए। तुलसी देवी ने बताया कि चोरों ने घर की अलमारिया भी तोड़ दी। एक दिन पहले ही बैंक से 50 हजार रुपए काम से निकाले थे। इसके अलावा करीब 5 हजार रुपए पहले से रखे। चोर रुपए चुराकर ले गए। वहीं अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर भी चोरी हो गए। घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वही चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

शिल्पग्राम उत्सव में सहरिया स्वांग डांस ने दर्शकों का मन मोहा

उदयपुर के शिल्पग्राम में चल रहे दस दिवसीय महोत्सव के तहत पांचवे दिन मुक्ताकाशी रंगमंच पर लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

उदयपुर, (निसं)। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के पांचवें दिन की शाम को कई प्रदेशों की प्रस्तुतियों से सजाया गया।

हर प्रस्तुति ने उत्सव की ‘लोक के रंग-लोक के संग’ थीम को साकार किया। इनमें गुजरात के गुजराती व अन्य गानों की धुन पर गरबा, जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना को देख मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं, राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति को उकेरता सहरिया स्वांग डांस व सफेद आंगी गेर ने भी सभी का मन मोह लिया। गोवा के नदी पार कराने को नाविक से गुजारिश करती महिलाओं का देखनी और त्रिपुरा के सिर पर बोतल रख बेमिसाल बैलेंसिंग के लोक नृत्य होजागिरी और ओडिशा की जनजातीय संस्कृति को उकेरते संभलपुरी नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों ने खूब दाद दी। इनके साथ ही महाराष्ट्र के मल्लखंभ के कलाकारों के करतब देख रोमांचित हुए दर्शक हर करतब पर वाह-वाह कर उठे, तो हरियाणा की प्रसिद्ध घूमर और राजस्थान के लोक देवता गोगाजी को समर्पित डेरू नृत्य पर को भी दर्शकों ने बहुत सराहा। कार्यक्रम में राजस्थान के बीन-जोगी, पश्चिम बंगाल के मार्शल आर्ट के एक्शन के सम्मिश्रण वाले नटुआ लोक नृत्य, छत्तीसगढ़ के पंडवानी ज्ञान (पांडवों की कथा) के साथ ही मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांगटा-स्टिक की पेशकश ने भी दर्शकों को रिझाया व रोमांचित किया।

बंजारा मंच पर चल रहे ‘हिवड़ा री हूक’ कार्यक्रम में दर्शकों ने खुद गाने, कविता आदि पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं को-ऑर्डिनेटर सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी में सभी आयुवर्ग के दर्शकों ने खूब रुचि दिखाई।

बंजारा मंच पर चल रहे ‘हिवड़ा री हूक’ कार्यक्रम में दर्शकों ने खुद गाने, कविता आदि पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं को-ऑर्डिनेटर सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी में सभी आयुवर्ग के दर्शकों ने खूब रुचि दिखाई। क्विज में सही उत्तर देने वालों को हाथों-हाथ उपहार भी दिए जा रहे हैं। शिल्पग्राम में विभिन्न थड़ों पर सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक अलग-अलग प्रस्तुतियां मेलार्थियों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं।

श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर गांव में धर्मांतरण का आरोप, 35 जने हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ इलाके के सबसे बड़े गांव मोमासर में गुरुवार को क्रिसमस के दिन कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का मामला सामने आया है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस ने एक घर से 35 लोगों को हिरासत में लिया है। उनका कहना है कि उन्होंने धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियों की शिकायत कई बार की मगर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। इन सभी को श्रीडूंगरगढ़ थाने ले जाया गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि बीमारी का इलाज करने के नाम पर क्रिश्चियन धर्म में कर्न्वट करने के लिए लोगों को इकट्ठा किया गया था।

विश्व हिंदू परिषद के श्रीडूंगरगढ़ प्रशासन प्रमुख श्याम जोशी ने बताया कि विहिप की टीम सुबह करीब छह बजे ही मोमासर गांव पहुंच गई थी। संगठन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि गांव के एक घर में लोगों को बीमारी ठीक करने के बहाने बुलाया जा रहा है। आरोप है कि इलाज का दावा कर लोगों को इकट्ठा किया गया और उन पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जा रहा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का कहना है कि वे लंबे समय से मोमासर क्षेत्र में धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियों की शिकायत करते आ रहे थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। संगठनों का आरोप है कि कई परिवारों को प्रभावित कर धर्म बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। जिन लोगों के धर्म परिवर्तन की आशंका जताई जा रही थी, उनमें कई महिलाएं शामिल थी।

मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घर में मौजूद लोगों को हिरासत में लेकर श्रीडूंगरगढ़ थाने ले आई। कुल 35 लोगों को थाने लाया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि लोगों को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा था या किसी अन्य गतिविधि के तहत उन्हें एकत्र किया गया था। पुलिस के अनुसार सभी 35 लोगों से अलग-अलग स्तर पर पूछताछ की जा रही है। जांच का फोकस इस बात पर है कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्या था और इसमें शामिल लोगों की भूमिका क्या रही। फिलहाल किसी भी स्तर पर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

श्याम जोशी ने बताया कि थाने लाए गए 35 लोगों में से 3-4 स्थानीय मोमासर के निवासी हैं, जबकि बाकी लोग बाहर से आए बताए जा रहे हैं। इनमें कुछ परिवार चूरू जिले के भी बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह करीब 6 बजे एक कार्यक्रम होना था, लेकिन पुलिस के पहुंचने के कारण वह नहीं हो सका। पूरे मामले की छानबीन जारी है। श्याम जोशी के अनुसार फिलहाल पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होने के बाद ही एफआईआर दर्ज कराने का फैसला किया जाएगा। थानाधिकारी जितेंद्र स्वामी ने बताया कि अब तक किसी ने मामला दर्ज नहीं करवाया है। फिलहाल सभी से पूछताछ की जा रही है। अगर कोई भी व्यक्ति लिखित में शिकायत देगा तभी पुलिस आगे कार्रवाई कर सकेगी।

कलेक्ट्रेट, नगर परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सुशासन की शपथ ली

कोटपुतली में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की शपथ दिलाई।

- कोटपूतली में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रुप में मनाई

कोटपूतली । प्रदेश में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय, नगर परिषद एवं विभागों के कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रम में स्वर्गीय प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने राज्य स्तरीय शपथ कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुशासन की शपथ ली।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने संविधान के मूल्यों के अनुरूप ईमानदारी, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संकल्प लिया। शपथ के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरुद्ध शून्य सहनशीलता अपनाने, समयबद्ध एवं प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने तथा सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि सुशासन केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि शासन की वह कार्य संस्कृति है जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ आमजन तक योजनाओं को लाभ पहुंचाया जाता है। श्रद्धेय अटल जी का सुशासन मॉडल हम सभी के लिए पथप्रदर्शक है। वे एक कुशल राजनीतिज्ञ, प्रखर वक्ता और दूरदर्शी नेता थे, जिनके नेतृत्व ने देश में सुशासन की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की। अगर हम सभी इस कार्यशैली को पूरी तरह अपनाकर कार्य करें तो नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान निकल सकता है और आमजन तक सरकार की हर सुविधा और योजना की पहुंच सुनिश्चित हो सकती है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, नूर मोहम्मद, अधीक्षण अभियंता विद्युत निगम मनोज गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा सहित जिला स्तरीय अधिकारी कलेक्ट्रेट में मौजूद रहे। इस दौरान नगर परिषद कार्यालय कोटपुतली में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया गया।

नेत्र जांच के लिए वाहन चालकों को जागरूक किया

- भाबरू थाना परिसर में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत नेत्र जांच शिविर आयोजित किया
- वाहन चालकों से नियमों में चलने की बात कही

पावटा। राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर और सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा सड़क सुरक्षा को सुदढ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई जिला कोटपूतली बहरोड के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कोटपूतली बहरोड नाजिम अली एवं उपाधीक्षक विराटनगर उमेश चंद निठारवाल के सुपरविजन में भाबरू थाना अधिकारी रामकिशोर द्वारा एनजीओ एक कदम गांव की ओर संयुक्त रूप से भाबरू थाना परिसर में विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के तहत भाबरू थाना परिसर में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया।

जिसमें बाल वाहिनियों एवं भारी वाहन चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बाल वाहिनियों व भारी वाहन चालकों, सहायक चालकों की नेत्र जांच की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कोटपूतली बहरोड नाजिम अली ने बताया कि बाल वाहिनियों व भारी वाहन चालकों, सहायक चालकों में नेत्र ज्योति से संबंधित दोष पाए गए, जो सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हैं।

उन्होंने कहा कि वाहन चालकों की दृष्टि संबंधी समस्याएं न केवल उनकी स्वयं की सुरक्षा बल्कि यात्रियों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। इस दौरान उन्होंने सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन संचालन की सलाह दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वाहन चालकों को समय-समय पर अपनी आंखों की जांच कराना अनिवार्य है, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। भाबरू थाना अधिकारी रामकिशोर ने कहा कि इस तरह के आयोजन आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह शिविर न केवल वाहन चालकों को नेत्र स्वास्थ्य के महत्व के प्रति सचेत करता है, बल्कि सड़क सुरक्षा सुधार और दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी अहम योगदान देता है। वही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कोटपूतली बहरोड नाजिम अली ने आमजन एवं स्कूलों के विद्यार्थियों को यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी साथ ही भामाशाहों के सहयोग से मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट वितरित किए गए तथा पुलिस नवाचार के रूप में स्कूलों से पधारे हुए बच्चों को थाने की सभी कार्य प्रणालियों के संबंध में जानकारी दी गई। बुजुर्गों को भामाशाहों के सहयोग से हेलमेट तथा कंबल का वितरण करवाया गया।

जवाबदेह, कुशल और प्रभावी शासन की नींव है सुशासन : चौधरी

टोंक। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिवस गुरुवार को सुशासन दिवस के रुप में मनाया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, जिलेभर के कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सुशासन की शपथ ली। मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला परिषद सभागार में हुआ, जहां जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री ने वर्चुअली सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कार्मिकों को सुशासन की शपथ दिलाई। इस दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम में मौजूद जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि सुशासन जवाबदेह, कुशल और प्रभावी शासन की नींव रखता है। इसमें संसाधनो का उचित प्रबंधन होता है तथा कानून का शासन कायम रहता है, इस तरह के शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है और देश प्रगति करता है।

मंत्री भूपेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में सांसद खेल महोत्सव सम्पन्न

- 2025 का समापन समारोह बहरोड के आरपीएस विद्यालय में हुआ संपन्न
- भाजपा सरकार क्षेत्र के खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने, सुविधा और संशाधन देने के लिए संकल्पबद्ध :भूपेंद्र यादव

केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में बहरोड़ में सांसद खेल महोत्सव का समापन हुआ।

कोटपूतली- बहरोड़। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में सांसद खेल महोत्सव-2025 का समापन समारोह गुरुवार को आरपीएस विद्यालय बहरोड़ में संपन्न हुआ। इस दौरान सिंह ने सुशासन दिवस के अवसर पर माननीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं उनका स्मरण किया। साथ ही प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का लाइव प्रसारण देखा। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, विधायक रामगढ़ सुखवंत सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में फ्री स्टाइल रेसलिंग में कांस्य पदक विजेता पूजा सिहाग सहित खिलाड़ी, विद्यार्थी व आमजन मौजूद रहे। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से खिलाड़ियों के जोश, विश्वास, उत्साह में भारत के सामर्थ्य के दर्शन हो रहे हैं। सांसद खेल उत्सव का उद्देश्य शहर से लेकर ठामीण क्षेत्र तक प्रत्येक खिलाड़ी को बेहतर सुविधाएं और संशाधन मुहैया कराते हुए अपनी प्रतिभा को निखारने और आगे ले जाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि सांसद खेल उत्सव 290 सांसदों के सहयोग से लोकसभा क्षेत्रों में एक जनांदोलन बनकर उभरा है जिसमे लाखों खिलाड़ियों ने भाग लिया एवं करोड़ों लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवा कर अपनी सहभागिता दिखायी। इस प्लेटफार्म ने कई कीर्तिमान रचे, युवाओं, महिलाओं के साथ दिव्यांगों को भी अवसर दिए, इसने समाज की सोच बदलने में अहम भूमिका निभाई है, युवाओं के सपने साकार हो रहे हैं, खेलों में पारदर्शिता आई है, करीब 3 हज़ार करोड़ के बजट से सुविधाओं का विस्तार हुआ जिससे विभिन्न स्तरों पर नयें रिकॉर्ड क़ायम हो रहे हैं। मोदी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों का समन्वय आवश्यक है, खेलेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया। इस दौरान माननीय प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से देश के कौने- कौने से खिलाड़ियों से संवाद किया और किस प्रकार सांसद खेल उत्सव ने उनकी प्रतिभा को निखारा है, पर चर्चा करते हुए कहा कि हार जीत से परे मन लगाकर खेलों में सहभागिता दिखाएं, सरकार हर कदम पर उनके साथ है। उन्होंने खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीत-हार खेल के दो पहलू हैं। अच्छा खिलाडी वही है जो हारने बाद पूर्ण मनोयोग से जीत की तैयारी में जुट जाए। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन फीट इंडिया की प्रेरणा से सांसद खेल महोत्सव और अलवर टाइगर मैराथन जैसे आयोजन कराए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सोच के अनुरूप युवाओं को खेल के मैदान से जोडकर देश के लिए मेडल लाने तक के सफल में सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में गत वर्ष लगभग 14 हजार बच्चों ने भाग लिया था। जिन बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उनके लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। इस वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग 32 हजार तक पहुँच गई है। इस बार बॉक्सिंग, बैडमिंटन और योग जैसी नई विधाओं को भी इसमें शामिल किया है। हमारा उद्देश्य है कि यह आयोजन केवल बच्चों तक सीमित न रहे। हमारे विधायकों ने गांव-गांव में क्रिकेट, रस्साकशी, कबड्डी सहित अन्य कई खेल गतिविधियाँ आयोजित करवाई हैं। उन्होंने कहा की खेल उत्सव 2.0 में खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, बॉक्सिंग, बेडमिंटन, लंबी कूद, शॉट पुट, वॉलीबॉल व बास्केटबॉल खेलों में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

आम-सूचना "शांति देवी पत्नी श्री नानूराम ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना विकास नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर के भूखण्ड सं. 67 के मूल दस्तावेज गुम हो गये है जिस बाबत गुमशुदगी रपट सं. 78780462400677 दिनांकित 31.05.2024 को पुलिस थाना श्याम नगर मे दर्ज करवाई है तथा उक्त रिपोर्ट की प्रतिलिपि व बन्ध पत्र, शपथ पत्र समिति कार्यालय मे प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय मे या मेरे कार्यालय मे उक्त सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि मे मय सबूत उज्र पेश करे अन्यथा समिति द्वारा शांति देवी के नाम डुप्लीकेट दस्तावेज जारी कर दिये जायेगे, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम-सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि भूमि खसरा नम्बर 227 रकबा 0.33 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 228 एवं रकबा 0.25 हैक्टेयर स्थित ग्राम उदयपुर गिलारिया तहसील सांगानेर जिला जयपुर का एक मात्र मालिक एवं काबिज मोहम्मद रफी पुत्र स्व. मोहम्मद रजा है। उसने ही दोनो खसरो की जमीन निजी उपार्जित धन से खरीदी है। खसरा नम्बर 227 व 228 पर वास्तविक कब्जा भी मोहम्मद रफी का ही है। मोहम्मद रफी ने ही दोनो खसरो पर संयुक्त रूप से चारो तरफ बाउण्डरीवाल का निर्माण करवा रखा है। दोनो खसरो की भूमि के मध्य ग्राउण्ड फ्लोर पर चार कमरे एक रसोई, एक हॉल, एक गैरेज एवं फर्स्ट फ्लोर पर भी चार कमरे, एक रसोई, एक हॉल तथा बालकनी का निर्माण करवा रखा है। फर्स्ट फ्लोर की छत पर लेट्रीन बाथरूम बना है। पूर्व मुखी के दरवाजे के पास लेट्रीन बाथरूम, वाचमैन का कमरा बनवा रखा है। पानी का कुआँ, बोरिंग एवं होद भी बनवा रखा है। खसरा नम्बर 227 व 228 का मूल विक्रय पत्र पर भी मोहम्मद रफी के पास है। खसरा नम्बर 227 व 228 की सम्पूर्ण भूमि मोहम्मद रफी के ही वास्तविक कब्जे मे है। बिजली का कनेक्शन भी लगा है। कोई भी संस्था या कम्पनी खसरा नम्बर 227 व 228 की भूमि किसी अन्य व्यक्ति से नही खरीदे, ना ही खरीद का कोई इकरार करे। अन्यथा स्वयं जिम्मेदार होगा।
जयपुर (मकबूल हुसैन) एडवोकेट
दिनांक मो. नं.-9828071475

I have changed my name from Manjeetkaur Gurucharansingh to Tuteja Manjeetkaur Gurucharan singh for all future purposes. Tuteja Manjeetkaur Gurucharansingh W/o Mr. Gurucharan Singh R/o Flat no. 603, Capital Tower, E-block, Hiran Magri, Sector-14, Udaipur- 313002.

I Shiv Singh S/o Inder Singh residing at Kalyanpura, Arain, Ajmer, Rajasthan-305813. Do hereby solemnly affirm that I have changed my name from Purohit Shyoji Sinhraj to Shiv Singh. In future I will be known by my changed name.

खोया पाया

मेरा एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड का ID कार्ड नंबर-250314793600697 मालवीय नगर में कहीं गिर गया है। मिलने पर कृपया सूचित करें। कान सिंह- 9257363980

मेरे मकान नं.64/247, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का ओरिजनल अलॉटमेंट लेटर नं. 981 जारी दिनांक 14.06.96 मेरे घर से कुम्भा मार्ग प्रताप नगर जयपुर फोटो कोपी करवाने जाते समय रास्ते में कहीं गिर गया जो की बहुत तलाशने पर भी नहीं मिला है। मो.9660261176

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)

No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2025/755,756 Date : 24-12-2025

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3437664	On Divider Near JP Under Railway Phatak, Ward No.142, Sahakar Marg, Lal Kothi, Jaipur
2	IN 3441595	On Row Outside of Park Near Gopinath Hospital, Sector-8, Chetak Marg, Pratap Nagar, Ward No.103, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853

क्रमांक:- 4974 दिनांक: 16.12.2025

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-3/MA/447 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 96.00 वर्गमीटर का आवंटन श्री भाग चन्द जैन पुत्र श्री प्रभु लाल जैन को किया गया था। जिसका आंवटन पत्र क्रमांक 2987 दिनांक 03.11.2008 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 16.02.2009 को करवाया गया।

तत्पश्चात श्री भाग चन्द जैन पुत्र श्री प्रभु लाल जैन द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्रीमती कमलेश पत्नी श्री सुरेश चन्द को कर, विक्रय पत्र, पत्र का निष्पादन कार्यालय उप-पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 03.03.2021 को करवाया गया।

तत्पश्चात श्रीमती कमलेश पत्नी श्री सुरेश चन्द के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री गोपाल लाल मीना पुत्र श्री हरबक्श मीना को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर द्वितीय में दिनांक 28.08.2025 को करवाया गया।

श्री गोपाल लाल मीना पुत्र श्री हरबक्श मीना के द्वारा उक्त आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया हैं। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री गोपाल लाल मीना पुत्र श्री हरबक्श मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

सम्पदा प्रबंधक
राजस्थान आवासन मण्डल वृत तृतीय, जयपुर।

कार्यालय ग्राम पंचायत, हांसपुर

पंचायत समिति, श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर (राज.)

क्रमांक-2025/120 दिनांक-23/12/2025

आ.भू.वि. (पट्टा) आवेदकों की सूची

क्र. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	जाति	ग्राम	चारों दिशाओं का विवरण: उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	वि.वि.
1	केदारमल योगी कानाराम	जोगी	हांसपुर	भगवती प्रसाद योगी का मकान	बुद्धी प्रकाश योगी का मकान	भगवती प्रसाद योगी का मकान	आम रास्ता	नियम 157
2	वंसीलाल बलाई/ महालाराम बलाई	बलाई	हांसपुर	मूलचन्द बलाई का मकान	छीतर मल बलाई का मकान	आम रास्ता	श्रवण बलाई का मकान	नियम 157
3	सुखवीर सिंह पुत्र बालूराम	बलाई	हांसपुर	साधूकाम का खाली बाडा	मंगली देवी का मकान	आम चौक व आम रास्ता	सीता राम नाई	नियम 167
4	बलदेव सैनी पुत्र रामनारायण सैनी	माली	फिरासा वाली ढाणी	मदन लाल सैनी बाडा	बाबुलाल सैनी बाडा	राजेन्द्र सिंह का मकान	आम रास्ता	नियम 167

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हांसपुर
पं.स.श्रीमाधोपुर (सीकर)

प्रशासक-विमला देवी शर्मा
ग्राम पंचायत हांसपुर
पं.स.श्रीमाधोपुर (सीकर)

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. सीईआरसी (व्यवसाय संचालन) विनियम'1999 और सीईआरसी (टैरिफ की शर्तें और नियम) विनियम' 2019 के नियम-86 के तहत "400केवी सबस्टेशन पीजी खटकर (जींद) और नग्गल (पंचकूला) सबस्टेशन पर 220केवी बे" के अंतर्गत याचिका-1 एसेट-1: खटकर (जींद) सबस्टेशन पर चार 220 केवी लाइन बे 220 केवी जींद एचवीपीएनएल से 400केवी पीजीसीआईएल खटकर (जींद) सबस्टेशन दोनों सर्किटों के एलआईएलओ और एसेट-2: नग्गल (पंचकूला) सबस्टेशन पर दो 220 केवी लाइन बे – 400केवी पीजीसीआईएल (पंचकूला) से प्रस्तावित 220केवी सबस्टेशन सढौरा तक के लिए i) टैरिफ ब्लॉक 2019-24 के पारेषण टैरिफ सही करने और ii) टैरिफ ब्लॉक 2024-29 के पारेषण टैरिफ के निर्धारण के लिए।
2. उपरोक्त ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ड) हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर (च) जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (झ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (य) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (प) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (फ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (ब) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (भ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (म) उत्तर मध्य रेलवे (त) नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (थ) उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (द) हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
3. टैरिफ के विवरण:

a) 2019-24 ब्लॉक — रुपये लाख में

परिसंपत्ति का विवरण	DOCO	पूरा करने की लागत 31.03.2024 की तिथि में	टैरिफ	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
परिसंपत्ति-1	02.12.2023	954.37	एएफसी अनुमोदित	0.00	0.00	0.00	0.00	88.31
			सही करने के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	0.00	86.34
परिसंपत्ति-2	01.10.2023	581.48	एएफसी अनुमोदित	0.00	0.00	0.00	0.00	75.96
			सही करने के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	0.00	71.61

b) 2024-29 ब्लॉक — रुपये लाख में

परिसंपत्ति का विवरण	पूरा करने की लागत 31.03.2029 की तिथि में		2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
परिसंपत्ति-1	1143.93	AFC	264.04	278.56	282.98	283.61	282.81
परिसंपत्ति-2	830.66	AFC	141.69	161.60	179.21	178.06	177.05

4. इस सूचना और टैरिफ निर्धारण के लिए प्रस्तुत आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट www.powergrid.in पर उपलब्ध है।
5. यदि आवेदन में दिए गए टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्ति, यदि कोई हों, तो लाभार्थी सहित कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 6ठी, 7वीं और 8वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली – 110029 (या आयोग कार्यालय के अन्य पते पर) में दर्ज कर सकते है। इसकी एक प्रति आवेदक को उसके कॉर्पोरेट कार्यालय के पते पर भेजनी होगी।

स्थान: गुरुग्राम
दिनांक 18.12.2025

हस्ता./–
महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट कार्यालय: "सौदामिनी", प्लाट नं.-2, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन नंबर: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-70/Ad-85/25-26/Dot Communications

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक/शहरी सेवा शिविर/न.नि.भ./2025-26/19629 दिनांक :-25/12/2025

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए/कच्ची बस्ती का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियाँ प्राप्त हुई हैं। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत्/कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. स.	ऑनलाईन पत्रावली सं.	आवेदक का नाम	पति/पत्नि का नाम	वार्ड नं.	भूखण्ड जहां स्थित है	आवेदन का प्रकार
1	323248	मुकेश चंद	आनन्द स्वरूप		वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
2	323252	घनश्याम दास	रामदास	13	विजय नगर बरसो का नगला भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
3	266780	राजेश कुमार	नेमीचन्द		नमक कटरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
4	318613	बरफी	भैरोंसिंह	30	मौहल्ला गोपालगढ भरतपुर	69-ए
5	322343	शीला	मोहन सिंह	18	अनाह गेट काली मंदिर के पास भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
6	322377	बच्चू सिंह	रामफल सिंह	6	नगला गोपाल बछामदी भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
7	322546	बाबूलाल	रामस्वरूप	59	नई मण्डी सालिगराम मंदिर के पास भरतपुर	69-ए
8	322707	बाबूलाल गुप्ता	गोपालराम गोयल	23	वाणिज्यिक-अनाह गेट अटलबन्द मण्डी	69-ए
					रूपला पायसा भरतपुर	
9	323180	मानिक चन्द	रामदास	13	विजय नगर बरसो का नगला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
10	323224	सरोज	घनश्याम दास	14	विजय नगर बरसो का नगला भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
11	323248	मुकेश चंद	आनन्द स्वरूप	44	वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
12	323252	घनश्याम दास	रामदास	13	विजय नगर बरसो का नगला भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
13	309433	उमाशंकर	मुरारी	59	नगला दिगम्बर डी ब्लॉक रणजीत नगर भरतपुर	69-ए
14	211356	सत्यदेव वर्मा	जगन्नाथ प्रसाद	39	मण्डी अटलबन्द भरतपुर	69-ए
15	220616	श्रीराम	रामप्रसाद	9	खादी वाली गली सेवर	स्टेट ग्रान्ट
16	315599	राहुल मीना	बनयसिंह मीना	50	पक्का बाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
17	315674	गीता देवी मीना	विशम्बर सिंह मीना	28	नमक कटरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
18	326133	भोगीलाल, इन्द्रालाल सैनी, काशीराम, रतनलाल	चिरंजीलाल	26	नमक कटरा चांदपोल गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
19	326563	रनवीर सिंह	गोपाल सिंह	33	घेर नसवारियान गंगा मन्दिर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
20	326575	दिनेश चन्द सोनी	विशम्बर दयाल सोनी	36	वासन गेट नमक कटरा भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
21	326583	बदन सिंह	मोहन लाल	8	पकौडा वाली गली जाटव मौ0 सेवर	स्टेट ग्रान्ट
22	326612	सुभाष सिंह	सूरज		मडरपुर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
23	326705	हसीना	यासीन	30	मदरसा के पास गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
24	326931	नीरपाली देवी	राजेन्द्र सिंह	43	कोली धर्मशाला के सामने कच्चा कुण्डा भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
25	327014	शिव राम सिंह	हरगोविन्द	52	नगला लोधा कृष्णा नगर हाउसिंग बोर्ड के पीछे	स्टेट ग्रान्ट
26	327368	अब्दुल रहमान	नबाब	19	मछली मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
27	154811	सुरेश चन्द वर्मा	विशम्बर दयाल वर्मा	36	नियर सुरजीत स्कूल नमक कटरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
28	261057	राविया	अल्लानूर	30	सूरजपोल गेट के पास गोपालगढ भरतपुर	69-ए
29	263500	अल्लानूर	इस्माइल	30	सूरजपोल गेट के पास गोपालगढ, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
30	328091	चन्द्रपाल सिंह	किशन सिंह	31	अरोडा हॉस्पीटल के सामने भरतपुर	69-ए
31	274105	चरन सिंह सैनी	गैंदाराम	50	पक्का बाग भरतपुर	69-ए
32	328122	मीना	सुभाष सोनी	39	रेखा नानगा गली, लक्ष्मण मंदिर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
33	328198	रवि रानी शर्मा	लक्ष्मी नारायण		पुराने बिजली घर के सामने मानसिंह सर्किल	स्टेट ग्रान्ट
34	328229	रचना पूजा	राकू कुमार शर्मा मनीष कुमार	19	बर्फ फैक्ट्री के पास मौ0 गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
35	328731	कमलेश	करन सिंह	9	पकौडा वाली गली, सेवर	स्टेट ग्रान्ट
36	328760	करन	रामस्वरूप	8	जाटव बस्ती पकौडा वाली गली सेवर	स्टेट ग्रान्ट
37	328407	विजय जैन	ताराचन्द जैन	35	वाणिज्यिक - ओल्ड पोस्ट आफिस के पास कोतवाली बाजार, भरतपुर	69-ए
38	328240	संतोष जैन	पत्नि विनय जैन	35	वाणिज्यिक - कोतवाली बाजार भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
39	211356	सत्यदेव वर्मा	जगन्नाथ प्रसाद	39	मण्डी अटलबन्द भरतपुर	69-ए
40	139489	राजेन्द्र सिंह	शेर सिंह	27	सहयोग नगर भरतपुर	69-ए
41	322343	शीला	मोहन सिंह	18	अनाह गेट काली का मंदिर के पास भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
42	281439	अशोक कुमार गुप्ता व नीलिमा गुप्ता	शिवचरनलाल	26	संस्थानिक - किरन नर्सिंग होम, गोवर्धन गेट भरतपुर	
43	280736	हनीफ	सत्तार	27	मछली मौहल्ला, गोवर्धन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
44	280791	संतोष कुमार शर्मा	बुद्धदेव शर्मा	21	नीमदा गेट सत्यसाई स्कूल के पास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
45	160846	पन्नालाल	राधेलाल	32	गुलालकुण्ड मथुरा गेट बाहर, भरतुपर	स्टेट ग्रान्ट
46	281813	मंगल सिंह	नवल सिंह	26	आदर्श कोलोनी, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
47	275119	विजय सिंह	बांकेलाल	39	बुद्ध की हाट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
48	270321	चिरंजीत कुमार	राधेश्याम	19	कसाई गली कुम्हेर गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
49	309433	उमाशंकर	मुरारी	59	नगला दिगम्बर रणजीत नगर भरतपुर	69-ए
50	321120	हीरालाल	हजारी लाल	13	अनाह सेवर रोड भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
51	331274	पंकज तंवर	पुष्कर सिंह	29	केतन गेट के पास गोपालगढ भरतपुर	69-ए

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

4 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर पीपलू थाने के तीन पुलिसकर्मी और एक कांस्टेबल थाना घाड़ को लाइन हाजिर किया है।

मामला ड्यूटी में लापरवाही बरतने से तथा अवैध बजरी खनन व परिवहन मामले से सम्बन्धित बताया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 दिसंबर को पीपलू थाना क्षेत्र के गहलोद गांव में 15 से 20 लोगों ने हथियारों से दो युवकों पर हमला कर दिया था। इस हमले में गंभीर रूप से घायल मुकेश जाट की मंगलवार रात जयपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जिसके बाद मुकेश जाट के परिजनों व ग्रामीणों ने बुधवार को शव को सड़क पर रखकर हंगामा कर दिया तथा धरना देकर प्रदर्शन किया।

मामले की गम्भरता को देखते हुए एडीएम, एएसपी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की, लेकिन ग्रामीणों ने एक पुलिसकर्मी पर हमलावरों से मिलीभगत का आरोप लगाया था।

जिसके बाद पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने चार पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही करते हुए लाइन हाजिर कर दिया।

रथ यात्रा गांवों में पहुंची, विधायक कुलदीप धनकड़ ने योजनायों का फीडबैक लिया

पावटा। राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर 2 साल नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' अभियान के तहत बुधवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के तुलसीपुरा, ठीकरिया, वीर तेजाजी नगर, पाछूडाला, कारोली होते हुए गुरुवार को राजनौता, कैरोडी, प्रेमनगर, मंढा में विकास रथ यात्रा पहुंची। इस विकास रथ यात्रा के

- विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के तुलसीपुरा, ठीकरिया, वीर तेजाजी नगर, पाछूडाला, कारोली होते हुए गुरुवार को राजनौता, कैरोडी, प्रेमनगर, मंढा में विकास रथ यात्रा पहुंची।

पहुंचने पर ग्रामीणों ने विकास रथ यात्रा व विधायक कुलदीप धनकड़ का भव्य स्वागत किया। विधायक कुलदीप धनकड़ ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर एक-एक कर केन्द्र और राज्य सरकार की सभी विकास एवं व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, लाभ राशि और इससे धरातल पर आए परिवर्तन के सम्बंध में फीडबैक लिया। सभी ग्रामीणों ने बताया कि योजनाओं का समय पर लाभ मिल रहा है। जगह-जगह जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति ने इस आयोजन को सहभागिता का प्रतीक बना दिया। यात्रा के दौरान ग्राम पंचायतों के सरपंच, वार्ड पंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस विकास रथ के माध्यम से राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक पहलों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। विधायक धनकड़ ने मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। धनकड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शिता की इस पहल से नीतियों और योजनाओं की वास्तविक जानकारी सीधे गांव तक पहुंच रही है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास दोनों मजबूत हो रहे हैं। सेवा सुशासन की इस विकास रथ यात्रा ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की दिशा और सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए यह संदेश दिया कि शासन की उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि लालचंद यादव ठिकरिया ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा परिवार में शामिल होने पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ता साथियों के स्वागत किया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड़, प्रभारी गिरिराज शर्मा, उपखंड अधिकारी साधना शर्मा, तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, नायब तहसीलदार संजय खेड़ा, ईओ फतेह सिंह मीणा सहित विभिन्न विभागो के अधिकारियों कर्मचारियों सहित जिला उपाध्यक्ष रिशाल सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष नरपत सिंह भागीरथ यादव, मुखराम धनकड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयराम सिंह, उपप्रधान टिंटू सिंह व भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक कुलदीप धनखड़ ने गांवों में लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया।

सार-समाचार

भाजपा की जिला कार्यशाला आयोजित

टोंक। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में अटल स्मृति वर्ष के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता एससी मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश चंदेल एवं पूर्व सफाई आयोग के सदस्य दीपक संगत रहे। वक्ताओं ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके राष्ट्रसेवा से परिपूर्ण जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। वही पूर्व सतीश चंदेल ने कहा कि अटल का व्यक्तित्व, विचार एवं कृतित्व भारतीय राजनीति के लिए सदैव प्रेरणाश्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक निर्णयों एवं विकास कार्यों से देश को सशक्त नेतृत्व और सुशासन की दिशा मिली।भाजपा नेता दीपक संगत ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारत के उन नेताओं में थे, जिनका व्यक्तित्व सत्ता से बड़ा और विचार दलों से ऊपर था। एक कुशल वक्ता के रूप में उनकी भाषा में कटुता नहीं, बल्कि तर्क, संवेदना और आत्मविश्वास झलकता था। संसद हो या जनसभा, उनकी वाणी विरोधियों को भी सुनने पर मजबूर कर देती थी। कार्यशाला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, प्रधान काबरा, तरुण टिक्किवाल, बिना छामुनिया, राधेश्याम चावला, नीलमा आमेरा, मंडल अध्यक्ष भगवान सैनी, विष्णु चावला, धर्मराज गुर्जर, नंद लाल जाट, महावीर शर्मा, रतिराम पहाड़िया, जुली शर्मा, ममता शर्मा, उषा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खुला कुआ बना जानलेवा खतरा

पावटा। ग्रामीण क्षेत्र तुलसीपुरा में खुले पड़े कुएं प्रशासन की लापरवाही का बड़ा उदाहरण बने हुए हैं। पूर्व में कई हादसे हो चुके हैं, बावजूद इसके जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। खुले कुएं राहगीरों, बच्चों और पशुओं के लिए लगातार जानलेवा खतरा बने हुए हैं। स्थानीय लोगों कुशाल गिठाला, राजू गिठाला, रवि गिठाला, रमेश गिठाला, अनिल गिठाला(युवा नेता), महेन्द्र, रामुतार गिठाला,राहुल गिठाला, बिनु, शोशराम गिठाला(गुरुजी), ताराचंद सहित ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन को शिकायतें दी गईं, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। बरसात और अंधेरे के समय इन खुले कुओं की पहचान मुश्किल हो जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। बीते दिनों क्षेत्र में एक और हादसा होते-होते टल गया, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों व मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले पड़े सभी कुओं को तत्काल ढकवाया जाए या उनके चारों ओर मजबूत सुरक्षा घेरा बनाया जाए। साथ ही चेतावनी बोर्ड भी लगाए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। अब सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा, या समय रहते इन जानलेवा कुओं पर कार्रवाई की जाएगी। जनता की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला अब टालने योग्य नहीं रहा।

चतुर्थ रात्रि जागरण हुआ

टोंक। अन्नपूर्णा गणेश मंदिर प्रन्यास समिति के तत्वाधान में बुधवार को अन्नपूर्णा पहाड़ी पर स्थित गणेश मंदिर प्रांगण में चतुर्थ रात्रि जागरण का आयोजन मंदिर मठाधीश महंत कैलाश पुरी महाराज के सानिध्य में किया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र कुमार बैरवा एवं प्रवक्ता प्रेम रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी वर्ष मनाए जाने वाले गणेश महोत्सव तक वर्ष पर्यंत होने वाले जागरणों की श्रृंखला में चतुर्थ रात्रि जागरण का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार श्याम शर्मा द्वारा प्रस्तुत भजन के साथ हुआ।

चौमू में सड़क योजना में 741 बसावटों को लाभ मिला

चौमू / कालाडेरा (निंस) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूर्ण होना देश के ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जिले में योजना के अंतर्गत हुए कार्य इसकी सफलता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। अब तक 2715 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण कर 741 बसावटों को पक्की सड़क सुविधा से जोड़ा गया है। योजना के प्रथम चरण में लगभग 369 करोड़ रुपये की लागत से 1981 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया गया, जिससे 522 गांवों को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ा गया। इसके बाद द्वितीय चरण में करीब 229 करोड़ रुपये की लागत से 734 किलोमीटर सड़कें बनाई गई और 207 गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया, जिससे दूरस्थ ग्रामीण इलाकों का विकास तेज हुआ। तृतीय चरण में लगभग 196 करोड़ रुपये की लागत से 251 किलोमीटर सड़कों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया गया। इससे यातायात अधिक सुरक्षित हुआ और ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया। वर्तमान में चौथे चरण के अंतर्गत लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से 5 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे 2 गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने की योजना है। इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता आर के सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से जिले में सड़क अवसंरचना को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि पक्की सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली है और भविष्य में भी गुणवत्ता व पारदर्शिता के साथ कार्य जारी रहेंगे।

- योजना के प्रथम चरण में लगभग 369 करोड़ रुपये की लागत से 1981 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया

सुशासन दिवस पर शपथ ली

टोंक। देश के पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 25 दिसम्बर को जयंती पर सुशासन दिवस रूप में मनाकर चिकित्सा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों में अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सुशासन शपथ दिलाई गई, जिसमें ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनसेवा के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया गया। सभी उपस्थितजनों ने अटल के विचारों और आदर्शों को अपने कार्य में अपनाने का संकल्प व्यक्त किया।

रैन बसेरे के रजिस्टर को चैक किया

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष श्री भँवरलाल बुगालिया एवं सचिव पवन कुमार जीनवाल के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश ने लीगल प्रभारी अमन मीणा को निर्देश दिया कि नगरपरिषद शाहपुरा में स्थित रैन बसेरा का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट पेश करें। बुधवार की रात्रि 10.00 बजे लीगल प्रभारी अमन मीणा एवं अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने रैन बसेरा का निरीक्षण करने पर पाया कि रैन बसेरा में 30 रजाई तकिये मौजूद थे। टायलेट सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन सफाई व्यवस्था में कमी पाई गई। वहां पर उपस्थित रजिस्टर भी उपलब्ध था। नेशनल हाईवे जयपुर बस स्टैंड के निकट रजनीश हॉस्पीटल की पुरानी बिल्डिंग के पास यात्रियों के आवागमन के पास ही रैन बसेरा है। रात्रिकालीन समय में यात्रियों के विश्राम के लिए नगरपरिषद शाहपुरा द्वारा संचालित रैन बसेरा की देखरेख नगरपरिषद के कर्मचारियों द्वारा की जाती है। नगरपरिषद द्वारा ठेकेप्रथा पर अन्नपूर्णा रसोईघर भी शाहपुरा में स्थित है। रात्रिकालीन रैन बसेरा में यात्रियों के लिए पिछले वर्ष अन्नपूर्णा रसोईघर के लिए निशुल्क टोकन सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

पुलिसकर्मियों ने सुशासन की शपथ ली

कोटपूतली। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती गुरुवार को सुशासन दिवस के रूप में जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के निर्देशन में मनाई गई। इस मौके पर एएसपी नाजिम अली खान के सुपरविजन में जिले के समस्त कार्यालयों व पुलिस थानों में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिले के समस्त डीएसपी द्वारा अपने-अपने कार्यालयों तथा समस्त थानाधिकारियों द्वारा अपने-अपने थानों पर सुशासन दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं सुशासन की शपथ दिलवाई गई।

इस दौरान अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने पूर्ण सत्यनिष्ठा के साथ सुशासन की शपथ ली।

कार्मिकों ने बिना भय एवं पक्षपात के राजकीय कार्यों के निष्पादन, नागरिक समस्याओं के त्वरित निस्तारण और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। शपथ के माध्यम से आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के प्रयोग द्वारा राजकीय कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम सम्पन्न

मनोहरपुर। सेवा पखवाड़ा के तहत झोटवाड़ा पूरब मंडल में सुशासन रथ यात्रा पहुँची। कार्यक्रम में झोटवाड़ा विधानसभा प्रभारी व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र सिंह यादव, जिला संयोजक रामनिवास यादव, तहसीलदार जयपाल सिंह, विधानसभा संयोजक शंकर यादव, सहसंयोजक महेंद्र देवदा, मंडल अध्यक्ष रामफूल यादव, मंडल संयोजक रमेश टोडावता, आईटी संयोजक देवेंद्र शर्मा, निमेड़ा सरपंच ओंकारमल लंबा, उपाध्यक्ष रामनिवास शर्मा, गजेंद्र बुरी,जानकी लाल शर्मा ,सत्यनारायण पांडा , शक्ति केंद्र प्रमुख भैरू बुरी, तिलोक बागड़ा, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं बीजेपी के बूथ अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि व समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'सतीश पूनिया की राजस्थान से लेकर हरियाणा तक भाजपा की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रहीं'

जयपुर। जयपुर ग्रामीण लोकसभा के शाहपुरा में सांसद खेल महोत्सव में विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं पर गौरवान्वित होकर कहा कि दुनिया के हर खेल मंच पर भारत के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे है।

राव राजेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार की बेहतर खेल नीति की प्रशंसा कर युवाओं को खेलों से जुड़ने एवं जागरूक रहने की अपील करते हुए अपने संबोधन में भाजपा राजस्थान अध्यक्ष से लेकर भाजपा हरियाणा प्रभारी के रूप में भाजपा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निष्ठापूर्ण निर्वहन करने वाले सतीश पूनियां के कुशल संगठनकर्ता नेतृत्व, मिलनसार व्यक्तित्व और परिश्रम की प्रशंसा की, जिसको लेकर ज्ञात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सतीश पूनिया की राजस्थान से लेकर हरियाणा तक भाजपा की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस बात को लेकर देश के गृहमंत्री अमित शाह कुछ महीने पहले भाजपा हरियाणा प्रदेश कार्यालय पंचकुला में भी सतीश पूनियां को उनके परिश्रम एवं पार्टी के प्रति समर्पण को लेकर एक पार्टी की मीटिंग के अवसर पर बधाई देकर पीठ थपथपा चुके है।

सांसद खेल महोत्सव में सांसद राव राजेंद्र सिंह, विधायक कुलदीप धनकड़, हंसराज पटेल, महेंद्रपाल मीणा, देवीसिंह शेखावत, पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, उपेन यादव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधि, आमजन एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शाहपुरा में सांसद खेल महोत्सव का समापन सांसद राव राजेंद्र सिंह आदि की मौजूदगी में हुआ।

देर रात तक खूब जमा कवि सम्मेलन

टोंक। बनास महोत्सव 2025 के तहत जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन मुख्यालय स्थित कृषि ऑडिटोरियम में देर रात तक चला। कवि सम्मेलन का शुभारंभ जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पूर्व सभापति नगर परिषद लक्ष्मी जैन एसडीएम हुक्मीचंद, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक मधुसूदन सिंह एवं कवियों ने मां सरस्वती एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण करके किया। कवि सम्मेलन में रायबरेली की कवयित्री कोमल नाजुक ने सरस्वती वंदना और मंच संचालक राष्ट्रीय कवि प्रदीप पंवार ने प्रभु श्री राम वन्दना से सरस भावपूर्ण शुरुआत की।

कवि सम्मेलन में वीररस के विख्यात कवि वेदव्रत जी वाजपेयी लखनऊ ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविता सुनाई। वही हास्य के धुरंधर कवि दिनेश देसी घी मध्य प्रदेश ने हास्य रस से परिपूर्ण काव्य पाठ कर श्रोताओं को हंस कर लोटपोट किया। इसी क्रम में हास्य के सूरत अजनबी जयपुर तथा मंच संचालक कवि प्रदीप पंवार ने भी ओतप्रोत कविता सुनाई तो खूब तालियों की गड़गड़ाहट हुई। इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय शायर डॉ जिया टोंकी ने गजल, तरन्नुम में शायरी सुना कर खूब दाद पाई।

इस दौरान कवि सम्मेलन में कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम हुकमीचंद रोलानिया, नगर परिषद की पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन,पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक मधुसूदन सिंह, डॉ राजीव बंसल, भगवान भंडारी, रोहित कुमावत, भारत नरूका, एडवोकेट बेनी प्रसादगुर्जर, पवन सागर, बादल साहू, राधेश्याम चावला, सत्यनारायण नामा सहित काफी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

बनास महोत्सव में कवियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति।

सुशासन की शपथ ली

कोटपूतली। यहां के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती गुरुवार को सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर स्व. वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सुशासन की शपथ भी ली गई। वक्ताओं ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं सुशासन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुये उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना रहा।

सांभर में तुलसी पूजन जयंती मनाई

सांभरझील, (निंस)। यह रेलवे स्टेशन रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष शरद कालानी, देवयानी स्थित बड़ के बालाजी मंदिर के पुजारी विकास शर्मा, वीएचपी संयोजक सुनील शर्मा व दुर्गा वाहिनी दल की प्रमुख दिशा नेहरा के नेतृत्व में बालिकाओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी पूजन जयंती कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विकास शर्मा व वरिष्ठ नेत्री सुनीता अग्रवाल ने तुलसी के पौधे के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। रोली व मोली के साथ तुलसी की पूजा की। इस मौके पर शरद कलानी ने कहा कि तुलसी के बिना भगवान विष्णु का पूजन अधूरा माना जाता है इसलिए इसका आध्यात्मिक महत्व तो है ही साथ ही घर में तुलसी का पौधा रखने से नकारात्मक ऊर्जा पूरी तरह से शून्य हो जाती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति को ऐसे आयोजनों से और अधिक जोड़े जाने की जरूरत है ताकि समय-समय पर इसका सभी को लाभ प्राप्त हो सके।

राठौड़ बने राज्य सदस्य

फुलेरा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग (एनवायरनमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज कमीशन -) में राजस्थान को नया राज्य सदस्य मिला है। आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार फुलेरा निवासी श्री गोविंद सिंह राठौड़ को राज्य सदस्य (स्टेट मेंबर - राजस्थान) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा नियम 2025 की धारा 22(क) के तहत की गई है। आदेश के अनुसार श्री राठौड़ का कार्यकाल 23 दिसंबर 2025 से 22 दिसंबर 2028 तक रहेगा। नियुक्ति आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया

चौमूं / कालाडेरा। नगर पालिका कालाडेरा में गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कि गई व नगर पालिका के समस्त कर्मचारियों व सफाईकर्मियों द्वारा सुशासन की शपथ ली गई। इस मौके पर कालाडेरा नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी निकिता वर्मा, कनिष्ठ सहायक रामफूल नासना, कम्प्यूटर ऑपरेटर अंकित प्रधान सहित कस्बे के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

- नगर पालिका के समस्त कर्मचारियों व सफाईकर्मियों द्वारा सुशासन की शपथ ली

नगर पालिका कालाडेरा में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया।

जादूगर ने दिखाये हैरतअंगेज कारनामे

शाहपुरा। उपखंड शाहपुरा के गणेशम सिनेमाघर में चल रहे विश्व प्रसिद्ध जादूगर सम्राट विकास व समां के शो में जादूगर ने गुरुवार को हैरतअंगेज कारनामे दिखाए। जादू देखने के लिए बडी संख्या में स्कूल व कॉलेज के विधार्थी आये। जादूगर सम्राट विकास अपनी जादू जापान, सिंगापुर, थाईलैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड आदि देश विदेशों में दिखाकर हजारों सफल शो कर चुके है। इस दौरान जादूगर सम्राट विकास ने कहा कि जादू कोई टोना-टोटका नहीं अपितु विज्ञान एवं कला का एक अनूठा संगम है। अपने मैजिक शो के माध्यम से लोगों का भरपूर स्वस्थ मनोरंजन करने का प्रयास करते है। स्टेज के माध्यम से वे लोगों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ,नशा मुक्ति,दहेज प्रथा तथा अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश देना भी नहीं भूलते। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जादू के नाम पर लोगों को भ्रमित करने का कार्य करते है।

'अटल बिहारी वाजपेयी एक स्वच्छ छवि के राजनेता थे'

चौमूं/कालाडेरा। भारत के यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती व महान योद्धा महाराजा सूरजमल जी के बलिदान दिवस रिंगस रोड स्थित अंकित रेस्टोरेंट पर भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व एक स्वच्छ छवि के नेता के रूप में थे।

उनका मन कवि था और विचारों में प्रतिबद्धता थी। गरीब व्यक्ति के कार्य को सर्वोगीण विकास का मन रखकर करने का काम किया। साधारण शिक्षक के परिवार और साधारण गाँव में जन्म लेने के उपरांत भी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के प्रधानमंत्री का सफ़र तय किया। भाजपा के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा अँधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा और उनके विचारों को लेकर आज देश में माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी गरीब व्यक्ति तक अपनी योजनाओं का विस्तार करने का काम कर रहे है।

- महाराजा सूरजमल जी का बलिदान दिवस और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती भाजपा कार्यकर्ताओं ने रामलाल शर्मा के नेतृत्व में मनाई।

इस दौरान उन्होंने महान योद्धा महाराजा सूरजमल जी के बलिदान को लेकर भी अपने विचार रखे। इस मौके पर नगर मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष क़ालूराम जाट, सरपंच रमेश शर्मा, भगवान सहाय फौजी, राजेंद्र पाटनी, हनुमान बागड़ा, मोहनलाल यादव, रफीक़ नागौरी, पार्षद राहुल शर्मा, गजेन्द्र यादव, संदीप शर्मा, एन आर यादव, मुकेश चोपड़ा, आलोक जांगिड़, विनोद गोदारा, महेश शेरावत, मोहन जलुथरिया, धर्मेन्द्र बंजारा, राजेन्द्र गुलिया, दौलत जाट, मदन गोरा, बलदेव टांक, भगवान कुमावत, श्याम लाल कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, राकेश बराला, राजू प्रजापत, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आखिरी बार 14 साल के लड़के ने इतनी क्रिकेट प्रतिभा दिखाई थी, वो सचिन तेंदुलकर थे। और हम सभी जानते हैं कि वो क्या बने। हमें किसका इंतजार है? वैभव सूर्यवंशी को भारत के लिए खेलना चाहिए। - शशि थरूर

कांग्रेसी सांसद, वैभव सूर्यवंशी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **मोंटी पनेसर**

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई इंग्लैंड की टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इंग्लैंड की टीम एक बार फिर एशेज सीरीज हार गई है। 5 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 3-0 से पीछे है। महज 11 दिनों में बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड ने एशेज गंवा दी, जिससे मैकुलम की रणनीति और उनकी चर्चित बैजबॉल सोच पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व स्पिन मोंटी पनेसर ने बड़ा बयान दिया है। पत्रकार रवि बिष्ट के यूट्यूब चैनल पर दिए इंटरव्यू में मोंटी पनेसर ने कहा कि रवि शास्त्री इंग्लैंड के कोच बनने के लिए सबसे सही ऑप्शन होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... मिचेल स्टार्क ने इस साल टेस्ट क्रिकेट में 28.7 का बॉलिंग स्ट्राइक रेट अपने नाम कर लिया है, जो 148 सालों के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा एक साल में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट है।

दीप्ति फिट लेकिन रॉड्रिग्स के खेलने पर संशय

तिरुवनंतपुरम, 25 दिसंबर। भारत और श्रीलंका के बीच पांच मैचों की 20 सीरीज का तीसरा मैच शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। भारत इस समय सीरीज़ में 2-0 से आगे है और उनके पास सीरीज़ को अपने नाम करने का मौक़ा है। तो वहीं श्रीलंका की टीम को अग़र इस सीरीज में बने रहना है तो उन्हें यह मुक़ाबला जीतना होगा। इस मैच से संबंधित टीम न्यूज़, संभावित एकादश, पिच और परिस्थितियों पर एक नज़र डालते हैं। दीप्ति शर्मा हल्के बुखार के चलते विशाखापट्टनम में दूसरा मुक़ाबला नहीं खेल पाई थीं। उनकी जगह पर स्नेह राणा को एकादश में शामिल किया गया था और उन्होंने प्रभावित भी किया था। हालांकि तीसरे टी20 में दीप्ति की वापसी तय माना जा रही है जो कि महिला टी20 में 150 विकेट लेने से मात्र दो विकेट दूर भी हैं। गुरुवार को प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने दीप्ति के फ़िट होने की पुष्टि की लेकिन उन्होंने बताया कि जेमिमाह रॉड्रिग्स स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लेंगी। श्रीलंका ने दूसरे टी20 की एकादश में कोई बदलाव नहीं किया था। अग़र चोट कोई मसला नहीं रहता है तो तीसरे मुक़ाबले में भी एकादश में कोई बदलाव नहीं है।

विजय हजारे ट्रॉफी में बिहार का अगला मुकाबला आज, वैभव सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

रांची, 25 दिसंबर। भारतीय घरेलू क्रिकेट का रोमांच इन दिनों विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिल रहा है। बुधवार से शुरू हुए इस सीरीज में अब शुक्रवार को फिर से कई मुकाबले खेले जाएंगे। शुक्रवार को इस विजय हजारे ट्रॉफी के 19 मैच खेले जाएंगे। देश के अलग-अलग राज्य, क्रिकेट संघ, रेलवे, सर्विसेज सहित कुल 38 टीमें आमने-सामने होंगी. इन 38 मुकाबलों में एक बार फिर बिहार की क्रिकेट टीम पर फैंस की नजरें टिकी होगी. क्योंकि बिहार ने जिस तरीके से विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रिकॉर्ड्स बनाए, उसे देखते हुए सबकी नजरें इस टीम पर होंगी। बिहार की ओर से वैभव सूर्यवंशी ने बुधवार को खेले गए मैच में 190 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था. वैभव के इस तूफान के सामने अब शुक्रवार को मणिपुर की टीम होगी। मणिपुर की क्रिकेट टीम भी अपेक्षाकृत कमजोर मानी जाती है. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि शुक्रवार को मणिपुर के खिलाफ भी वैभव कोई तूफानी रिकॉर्ड न बना डाले।

स्कॉटिश ओपन और ब्रिटिश ओपन में खेलने जाएगी जयपुर की दिव्यांशी जैन

जयपुर, 25 दिसंबर। जयपुर की युवा स्क्वैश खिलाड़ी दिव्यांशी जैन स्कॉटिश ओपन और ब्रिटिश ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। ये दोनों ही इवेंट यूरोपियन स्क्वैश फेडरेशन की प्लेटिन इवेंट हैं। स्कॉटिश ओपन का आयोजन 28 से 30 दिसम्बर तक एडिनबर्ग में होगा, जबकि ब्रिटिश ओपन चैंपियनशिप बर्मिंघम में 2 से 6 जनवरी तक खेली जाएगी। स्क्वैश फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष और सवाई मानसिंह स्टेडियम में संचालित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने गुरुवार को यहां बताया कि दिव्यांशी राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की प्रशिक्षु हैं। दिव्यांशी अंडर-13 आयु वर्ग में देश की नम्बर एक खिलाड़ी हैं और उन्हें स्कॉटिश ओपन में भी शीर्ष वरीयता दी गई है। इसके अलावा टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में श्रेयांस झा, आर्यवीर सिंह और शनाया परसरामपुरिया शामिल हैं। सुरभि ने बताया कि इसके बाद दिव्यांशी ब्रिटिश ओपन में खेलेंगी, जहां दुनियाभर से अलग-अलग आयु वर्ग में शीर्ष 8 में शामिल 800 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हाल की स्क्वैश वर्ल्ड कप में खिताब जीत इतिहास रचने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही अनाहत सिंह भी ब्रिटिश ओपन में हिस्सा लेंगी। उन्हें अपने आयु वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। सुरभि ने बताया कि जयपुर की दिव्यांशी का हाल के टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने विगत दिनों मलेशिया में आयोजित 17वीं कुआलालंपुर इंटरनेशनल जूनियर ओपन चैंपियनशिप में अंडर-13 वर्ग का खिताब जीता था।

श्री इंजीनियरिंग वर्क्स जीती

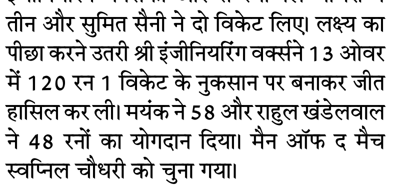

जयपुर, 25 दिसंबर। आशा देवी डागा कप सीजन -9 में जेजेएल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.4 ओवर में 117 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। जय यादव ने 53 और मुकेश सिंह शेखावत ने 33 रनों का योगदान दिया। श्री इंजीनियरिंग वर्क्सकी ओर से स्वप्निल चौधरी ने तीन और सुमित सैनी ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्री इंजीनियरिंग वर्क्सने 13 ओवर में 120 रन 1 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। मयंक ने 58 और राहुल खंडेलवाल ने 48 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच स्वप्निल चौधरी को चुना गया।

पीएम मोदी ने खेल को बनाया राष्ट्रीय प्राथमिकता, देश के कोने-कोने में जीवंत हुई खेल संस्कृति

राज्य सरकार ने खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए ठोस कदम : मुख्यमंत्री

जयपुर, 25 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश खेल क्षेत्र में नई ऊचाईयों को छू रहा है। उन्होंने खेल को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया तथा खेलो इंडिया जैसी प्रतियोगिताओं ने देश के कोने-कोने में खेल संस्कृति को जीवंत किया। शर्मा गुरुवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उनको नमन करते हुए कहा कि श्रद्धेय वाजपेयी का मानना था कि देश की ताकत युवाओं मेंनिहित है। वे मानते थे कि खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम है।

गांव-कस्बों के खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मिला अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन मेंप्रत्येक वर्ष सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंनेयुवाओं को खेलने, सुविधाएं उपलब्ध कराने, प्रशिक्षण देने और स्पर्धाओं में भाग लेने की प्रेरणा दी है।यह एक खेल प्रतियोगिता ही नहीं बल्कि खेल संस्कृति का जश्न है। इसमें विभिन्न खेलों के माध्यम से गांव-कस्बों के खिलाडियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है।श्री शर्मा ने कहा कि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, खेल विश्वविद्यालयों की स्थापना सहित विभिन्न पहलों ने खिलाड़ियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।

खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्प्स का सफल आयोजन और राजस्थान टारगेट ओलम्पिक पॉडियम स्कीम शुरू की। खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम भी प्रारंभध्की गई है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को 25 लाख रुपये तक का दुर्घटना और जीवन बीमा कवरेज उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की तर्ज परद्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षकों को भी भू-खण्ड आवंटन का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकारप्रत्येक जिले में खेल अकादमियों को सशक्त कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

संसाधनों की नहीं होगी कमी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का कोई भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी संसाधनों की कमी के कारणों से पीछे नहीं रहेगा।इसी उद्देश्य के दृष्टिगत राज्य सरकार ने विभागीय खेल अकादमियों में आवासित छात्र-छात्राओं को देय राशि 2 हजार 600 रूपये से बढ़ाकर 4 हजार रूपये प्रतिमाह किया है।प्रदेश में 17 नवीन खेलो इंडिया केंद्र जिलों में प्रारंभ किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि खेलो इण्डिया यूथ गेम्प्स की तर्ज पर प्रदेश में खेलो राजस्थान यूथ गेम्प्स का आयोजन भी किया जाएगा। इनका आयोजन पारम्परिक खेलों को शामिल करते हुए ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। इस अवसर पर शर्मा ने क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम एवं खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑल पेस अटैक से जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न, 25 दिसंबर। इस समर यह दूसरी बार और पिछले पांच टेस्ट में तीसरी बार होगा, जब ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह ऑल-पेस आक्रमण के साथ किसी टेस्ट मैच में उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम-12 में नाथन लियोन की जगह आए टॉड मर्फ़ी को एक बार फिर जगह नहीं मिली है। हालांकि कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में उनके खेलने का अच्छा मौक़ा रहेगा।

माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचर्डसन में से कोई दो अंतिम एकादश का हिस्सा होंगे। अगर रिचर्डसन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं।

इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाज़ी क्रम में नीचे खिसकाकर नंबर 7 पर भेजा गया है। उस्मान ख़्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाज़ी करेंगे और फ़ॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। बल्ले से खराब फ़ॉर्म में चल रहे जॉश इंगलिस और अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे बो वेबस्टर, मर्फ़ी के अलावा अंतिम-12 से बाहर होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित): 1 जेक वेदराल्ड, 2 ट्रैविस हेड, 3 मार्नस लाबुशेन, 4 स्टीवन स्मिथ (कप्तान), 5 उस्मान ख़्वाजा, 6 ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), 7 कैमरन ग्रीन, 8 माइकल नीसर, 9 मिचेल स्टार्क, 10 ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचर्डसन, 11 स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड ने पिछले 24 घंटों के विवाद के बावजूद बेन डकेट का समर्थन किया है। लेकिन ऑली पोप को उनके निराशाजनक प्रदर्शन की क़ीमत चुकानी पड़ी है और जेकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी के लिए बुलाया गया है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गए हैं, जिससे गस एटकिंसन की वापसी हुई है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर के लिए अब भी कोई जगह नहीं है।

इंग्लैंड: 1 ज़ैक क्रॉली, 2 बेन डकेट, 3 जेकब बेथेल, 4 जो रूट, 5 हैरी ब्रूक, 6 बेन स्टोक्स (कप्तान), 7 जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), 8 विल जैक्स, 9 गस एटकिंसन, 10 ब्राइडन कार्स, 11 जॉश टंग, मेलबर्न के क्यूरेटर मैट पेज ने कहा कि वह पिछले सीजन में भारत के ख़िलाफ खेले गए उस रोमांचक टेस्ट जैसी पिच तैयार करने की उम्मीद कर रहे हैं, जो पांचवे दिन थोड़ा टूटा था। उस मौक़े पर पिच पर 7 मिमी घास छोड़ी गई थी, जिससे हर किसी को कुछ-न-कुछ मिला था।

हालांकि स्टीवन स्मिथ ने कहा कि क्रिसमस डे तक पिच पर अब भी 10 मिमी घास थी और उन्हें तेज गेंदबाज़ों के लिए काफ़ी मदद की उम्मीद है। मैच के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा और बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) ठंडा रहने की संभावना है। हालांकि बाद के दिनों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के निचले स्तर तक पहुंच सकता है। पहले और आख़िरी दिन बारिश की भी संभावना है।

ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का लक्ष्य रखा

रियो डी जेनेरो, 25 दिसंबर। ब्राज़ील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ़ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगज़ीन वेजा को बताया, "मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूँ। मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे नतीजों पर भी ध्यान दूँगा।" फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी, लेकिन ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। 2025 में उनकी अन्य उपलब्धियों में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचना शामिल है। उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल के कुछ और संकल्पों के बारे में भी बात की। फोन्सेका ने कहा, "अपने खाली समय में, मैं इटैलियन सीखना चाहता हूँ, पोकर कोर्स करना चाहता हूँ और अपने पैसे मैनेज करना चाहता हूँ।" ब्राज़ील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएर्टन हैं, जिन्होंने 1997, 2000 और 2001 में फ्रेंच ओपन जीता था।

भारत सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा

तिरुवनंतपुरम 25 दिसंबर। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में अजेय बढ़त बनाने उतरेगी। भारत और श्रीलंका के बीच पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज का तीसरा मैच कल खेला जाएगा। भारत इस समय सीरीज में 2-0 से आगे है और उनके पास तीसरा मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करने का अवसर है। वहीं अगर श्रीलंका की टीम को इस सीरीज में बने रहना है तो उसे यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। मौसम विभाग के अनुसार तिरुवनंतपुरम में शाम को बादल छाये रहने की संभावना है। दीप्ति शर्मा हल्के बुखार के कारण विशाखा पट्टनम में दूसरा मैच नहीं खेल पाई थीं। उनकी जगह पर स्नेह राणा को एकादश में शामिल किया गया था और उन्होंने प्रभावित भी किया था। हालांकि तीसरे टी-20 में दीप्ति की वापसी की संभावना है जो कि महिला टी-20 में 150 विकेट लेने से मात्र दो विकेट दूर हैं। अगर पिच और परिस्थितियां की बात की जाये तो यह तिरुवनंतपुरम में पहला महिला टी-20 मैच होगा। अब तक यहां पुरुषों के चार टी-20 मैच खेले गए हैं, सबसे हालिया टी-20 मैच नवंबर 2023 में खेला गया था। पहले तीन मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को मुश्किल हुई लेकिन चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया द्वारा पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के बाद भारत ने यहां 235 का स्कोर खड़ा किया। शुक्रवार शाम को ग्रीनफील्ड स्टेडियम में बादल छाए रहने की संभावना है, हालांकि बारिश होने की उम्मीद कम है।

दोनों टीमें इस प्रकार है:-

भारत (संभावित एकादश) :- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा/दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा और एन श्री चरणी ।

श्रीलंका (संभावित एकादश) : चामरी अटापट्टू (कप्तान), विष्मी गुणारत्ने, हसिनी परेरा, हर्षिता समराविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा, कौशिनी नुत्यांगना (विकेटकीपर), कविशा दिलहारी, मल्की मदारा, इनोका रनावीरा, काव्या कविंदी और शशिनी गिम्हानी।

पीएम मोदी का ओलंपिक सपना : 2036 में युवा लाएंगे मेडल, खेल महोत्सव बनेगा प्रतिभा का मंच

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। संसद खेल महोत्सव में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि सरकार ने खेलों में असीमित अवसर खोले हैं, जहाँ गरीब से गरीब परिवार का बच्चा भी अपनी प्रतिभा के दम पर शीर्ष पर पहुँच सकता है। उन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लक्ष्य को रेखांकित करते हुए सांसदों से खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने का आ ान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार ने एक ऐसा तंत्र बनाया है जो खिलाड़ियों के चयन के मानदंडों में कौशल और प्रतिभा को प्राथमिकता देता है, जिससे कम उम्र में ही शीर्ष पर पहुंचने का रास्ता खुल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने खिलाड़ियों के लिए "असीमित अवसर" खोल दिए हैं।

सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज खेलों में अवसर सीमित नहीं हैं; वे असीमित हैं। आज देश में एक ऐसा तंत्र बन गया है जहां चयन सिफारिश या अधिकार के आधार पर नहीं, बल्कि कौशल और प्रतिभा के आधार पर होता है। आज सबसे गरीब परिवारों का बच्चा भी कम उम्र में ही शीर्ष पर पहुंच सकता है। पीएम मोदी ने 2036 ओलंपिक के लिए बोली हासिल करने के देश के प्रयासों पर जोर दिया और युवाओं को देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि संसद खेल महोत्सव प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से ऐसी प्रतिभाओं की पहचान कर सकता है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आगामी वर्षों में भारत कई बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी करने जा रहा है। 2030 में भारत अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। यह आप जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक शानदार अवसर होगा। इतना ही नहीं, भारत 2036 में सबसे बड़े खेल आयोजन, ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है। आज जो 10 या 12 वर्ष के हैं, वे 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हमें उन्हें ढूंढना होगा, उनका पोषण करना होगा और उन्हें अभी राष्ट्रीय मंच पर लाना होगा। मध्य प्रदेश खेल महोत्सव इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसलिए मैं आज सभी सांसदों से कहना चाहता हूं: यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उन प्रतिभाओं की पहचान करें जो ओलंपिक सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकें। उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करें। उनका मार्गदर्शन करें।

पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुनी गई

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को बुधवार को 2026-2029 कार्यकाल के लिए बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन चुना गया। इस भूमिका में अब पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन काउंसिल मेंबर के तौर पर काम करेंगी - जिससे खिलाड़ियों को इस संस्था के ग्लोबल गवर्नेंस में सीधी आवाज मिलेगी। नीदरलैंड की डेबोरा जिल, जो यूरोपियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं, भारतीय बैडमिंटन स्टार की डिप्टी होंगी। सिंधु ने कहा, "साथी एथलीटों द्वारा यह ज़िम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।" उन्होंने कहा, हमारे खूबसूरत खेल को खेलने वाले हर किसी के लिए आवाज बनने का यह एक शानदार मौका है।

जीव ने आईजीपीएल में जीत के साथ 13 साल के खिताबी सूखे को किया खत्म

कोलंबो (श्रीलंका), 25 दिसंबर। भारत के गोल्फ लीजेंड जीव मिल्खा सिंह ने कई युवा और अनुभवी सितारों को हराकर आईजीपीएल के पहले सीजन में जीत दर्ज करते हुए 13 साल के खिताबी सूखे का भी अंत कर दिया।

जीव मिल्खा सिंह ने रॉयल कोलंबो गोल्फ कोर्स के ग्रीन्स पर अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों को बेहतरीन सबक सिखाया। दूसरे दिन के सामान्य प्रदर्शन के बाद, जीव ने पटिंग ग्रीन पर लगभग आधा घंटा बिताया। जिसका फायदा उन्हें मिला, क्योंकि उन्होंने शानदार पटिंग की और अपने बेहतरीन आयरन प्ले को और बेहतर बनाया। उन्होंने अपने अप्रोच शॉट 5-10 फीट के अंदर मारे। एक समय पर उन्होंने लगातार पांच बर्डी और छठे और 14वें होल के बीच नौ होल में सात बर्डी बनाईं। आर्यन रूपा आनंद से दो शॉट पीछे शुरू करते हुए, जीव, जो दस दिन पहले 54 साल के हुए थे, ने 6-अंडर 65 के साथ कुल 15-अंडर का स्कोर बनाकर समय को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने आर्यन को एक शॉट से हराया।

आर्यन (68) को प्ले-ऑफ में जाने के लिए पार-4 18वें होल पर ईगल की जरूरत थी, लेकिन वह केवल बर्डी ही कर पाए और 14-अंडर के स्कोर के साथ अकेले दूसरे स्थान पर रहे। जैसे ही जीव ने अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता, पुखराज सिंह गिल,

संयुक्त-12वें स्थान पर रहने के बावजूद, अमन राज और गगनजीत भुल्लर से बहुत कम अंतर से आईजीपीएल ऑर्डर ऑफ मेरिट जीत गए। 11 इवेंट्स के बाद, जिसमें 1.5 करोड़ रुपये का प्राइज पर्स था और विनर के लिए 22.50 लाख रुपये थे, पुखराज अमन राज से 9,000 रुपये से भी कम आगे थे। जीत के बाद भावुक जीव ने कहा, "मैंने पहले कभी श्रीलंका में नहीं खेला था। यह मेरे लिए एक भावुक पल है। क्योंकि यहीं मेरे माता-पिता को प्यार हुआ था और उन्होंने अपना रिश्ता शुरू किया था।

कार्लोस ने इस वर्ष कमाये 21 मिलियन डॉलर से अधिक

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज इस वर्ष एटीपी पुरस्कार राशि के रूप में सर्वाधिक 21,354,778 डॉलर से अधिक की कमाई कर इस मामले में शीर्ष पर हैं। इसी के साथ छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने करियर पुरस्कार राशि के रूप में 60 मिलियन डॉलर का आंकड़ा भी पार कर लिया है। इटली के जैनिक सिनर दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस वर्ष 19,120,641 डॉलर कमाए हैं।

एटीपी की ओर इस सप्ताह वर्ष 2025 के लिए पुरस्कार राशि की जारी सूची के अनुसार इस मामले में जर्मनी के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव 7,468,230 डॉलर के साथ तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर 6,666,087 डॉलर के साथ चौथे, इटली के लौरेंजो मुसेटी 6,345,640 डॉलर के साथ पांचवें, अमेरिका के दिग्गज टेलर फ्रिट्ज 5,938,539 डॉलर के साथ छठे, कनाडा के फेलिक्स ऑगर एलियासेम 5,820,031 डॉलर के साथ सातवें, अमेरिका के बेन शेल्टन 5,672,734 डॉलर के साथ आठवें, सर्बिया के नोवाक जोकोविच 5,140,175 डॉलर के साथ नौवें तथा नॉर्वे के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी कैस्पर रुड 3,971,374 डॉलर के साथ 10वें स्थान पर है।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

आशीष के ऑलराउंड प्रदर्शन से द जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी दूसरे दौर में

जयपुर, 25 दिसंबर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये सिग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये नॉकआउट दौर के पहले राउण्ड के मैच में आशीष शर्मा 17 रन पर 4 विकेट 23 रन नाबाद के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा तनिष जैन 39 रन नाबाद की उपयोगी पारी की बदौलत एस. जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर दूसरे राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रिहान अली 39 रन, अभय शर्मा 25 रन, राजेन्द्र गुर्जर 20 रन की पारियों के बावजूद 19.3 ओवर में 136 रन बनाकर

सिमट गयी। गेंदबाजी में द जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से आशीष शर्मा 17 रन पर 4 विकेट, निरंजन शर्मा 18 रन पर 2 विकेट, गौरव टोडावत व सुशील सिंघानिया प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में द जयपुर स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी के तनिष जैन 39 रन नाबाद, आशीष शर्मा 23 रन नाबाद, प्रतीक मान 19 रन, मनीष टांक 17 रन, गौरव टोडावत 14 रन की मदद से विजय लक्ष्य 138 रन 5 विकेट खोकर 17.5 ओवर में हासिल कर प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश कर लिया। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच आशीष शर्मा द जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी रहें।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान-छत्तीसगढ़ मैच ड्रॉ

जयपुर, 25 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के कल दिनांक 26 दिसंबर को खेले जाने वाले मैच :-

सवाई मान सिंह स्टेडियम मुंबई - उत्तराखंड

के एल सैनी स्टेडियम महाराष्ट्र - सिक्किम

जयपुरिया ग्राउंड गोवा हिमाचल प्रदेश

अनंतम ग्राउंड पंजाब - छत्तीसगढ़

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (राजस्थान - उत्तरप्रदेशमैच) दूसरा दिन

उत्तरप्रदेशपहली पारी 178 आल आउट

राजस्थान के गेंदबाज करण 21 / 4 , प्रखर शर्मा 26 / 2, हनी प्रताप सिंह 53 / 2 विकेट

राजस्थान पहली पारी 50 / 2

अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी राजस्थान - छत्तीसगढ़ मैच ड्रा समाप्त (राजस्थान को पहली पारी में बढ़त)

छत्तीसगढ़ पहली पारी 192 आल आउट, राजस्थान पहली पारी 211 आल आउट, छत्तीसगढ़ दूसरी पारी 282 आल आउट राजस्थान भव्य अगल 26 / 2, अनुराग लखन 50 / 2 व रोहन, हिमांशु, शोभाग 1 - 1 विकेट।

शासन और प्रशासन का ध्येय जनसेवा होना चाहिए- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वाजपेयी की जयन्ती पर सचिवालय में अधिकारियों व कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई

जयपुर, 25 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शासन सचिवालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। शर्मा ने कहा कि स्व. वाजपेयी का जीवन और दर्शन हमें सिखाता है कि शासन और प्रशासन का ध्येय जनसेवा होना चाहिए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र लोकतांत्रिक शासन की आत्मा होती है। विगत 2 वर्षों में हमने 65 लाख से अधिक जन-शिकायतों का निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शासन सचिवालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित "सुशासन दिवस" कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास व अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तभी संभव है, जब नियम स्पष्ट हों, अधिकारी संवेदनशील हों और सरकार उत्तरदायी बने। उन्होंने कहा कि सुशासन ऐसी व्यवस्था है, जहां जनता की जरूरतों को समझकर उनको समयबद्ध और प्रभावी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। सुशासन का आधार विश्वास, संवाद और परिणाम के तीन स्तंभों पर टिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र लोकतांत्रिक शासन की आत्मा होती है। प्रदेश में राजस्थान संपर्क पोर्टल, त्रिस्तरीय जनसुनवाई और मुख्यमंत्री जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं की प्रभावी सुनवाई कर उनका समयबद्ध निस्तारण किया जा रहा है। विगत 2 वर्षों में हमने 65 लाख से अधिक जन-शिकायतों का निस्तारण किया है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि भारत बदल रहा है और तेजी से बदल रहा है। आमजन का सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में विश्वास दृढ़ हुआ है। इस दौरान, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम से वीसी के जरिए जिला, उपखंड एवं ग्राम पंचायत के अधिकारी एवं कार्मिक भी जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी को मुख्यमंत्री निवास पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री के क्रिसमस समारोह में शामिल होने की आलोचना की

चेन्नई, 25 दिसंबर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमले की आ रही खबरों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का क्रिसमस समारोह में शामिल होना परेशान करने वाला है।

स्टालिन ने जबलपुर और रायपुर में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं का हवाला देते हुए दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के सत्ता में आने के बाद, अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 प्रतिशत की वृद्धि गंभीर खतरे का संकेत है। उन्होंने मणिपुर के बाद जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को उन सभी लोगों के लिए अस्वीकार्य बताया, जो सद्भाव को महत्व देते हैं।

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा अल्पसंख्यकों पर हमले की खबरों के बीच प्रधानमंत्री का कदम परेशान करने वाला है।

स्टालिन ने कहा कि बहुमत की सच्ची ताकत और चरित्र यह सुनिश्चित करने में है कि अल्पसंख्यक बिना किसी डर के रहें। उन्होंने समाज को बांटने वाले दंगाई समूहों पर अंकुश लगाने की वकालत करते हुए, इसे दृढ़ संकल्प के साथ तत्काल लागू किए जाने की जरूरत बताई।

प्रधानमंत्री मोदी क्रिसमस पर चर्च गए और प्रार्थना सभा में भाग लिया

दिल्ली के बिशप डॉ पॉल स्वरूप ने प्रधानमंत्री के लिए विशेष प्रार्थना सभा रखवाई तथा चर्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपने आवास से केवल दो स्थित किलोमीटर दूर स्थित दिल्ली के कथीड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की मॉर्निंग सर्विस में भाग लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

- प्र.मंत्री ने एक्स पर देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं और शांति, सद्भाव की कामना की तथा आज के दौर में ईसा मसीह के प्रेम, सेवा और भाईचारे के संदेश की महत्ता बताई।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर एक पोस्ट में क्रिसमस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा, हम सभी को ईसा मसीह के दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए।

सेवा में प्रार्थनाएँ, क्रिसमस कैरोल, भजन और दिल्ली के बिशप राइट रेव. डॉ. पॉल स्वरुप द्वारा प्रधानमंत्री के लिए की गई विशेष प्रार्थना शामिल थी।

इससे पहले, मोदी ने गुरुवार को लोगों को गर्मजोशी से क्रिसमस की शुभकामनाएँ दीं तथा इस अवसर पर शांति, सहानुभूति और उम्मीद की कामना की।

बिशप ने उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में चर्चों और ईसाई समुदाय पर हो रहे हमलों का स्मरण दिलाया और इन हमलों को रोकने के लिए कुछ कदम उठाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएँ, तथा शांति, सहानुभूति और आशा की कामना की। ईसा मसीह की शिक्षाएँ हमारे समाज में सद्भावना को मजबूत करें।"

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में ईसा मसीह की शिक्षाओं से जुड़े प्रेम, सेवा और भाईचारे की शाश्वत मूल्यों को रेखांकित किया और उनके सामाजिक सद्भाव और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने में उनकी प्रासंगिकता को उजागर किया है। देशभर के शहरों को दीपों, घंटियों और हारों से सजाया गया है, क्योंकि लोग क्रिसमस की खुशी में डूबे हुए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर एक पोस्ट साझा करके अपनी शुभकामनाएँ दीं। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, "क्रिसमस के इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों, विशेषकर ईसाई समुदाय के भाइयों और बहनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देती हूँ। क्रिसमस, खुशी और उत्साह का त्योहार है, जो प्रेम और सहानुभूति का संदेश देता है। यह हमें ईसा मसीह द्वारा मानवता के कल्याण के लिए किए गए बलिदान की याद दिलाता है। यह पवित्र अवसर हमें समाज में शांति, सद्भाव, समानता और सेवा के मूल्यों को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है। आइए, हम ईसा मसीह द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लें और एक ऐसा समाज बनाने की दिशा में काम करें जो दयालुता और आपसी सद्भाव को बढ़ावा दे।"

बाज़ार की दुकानों को सांता क्लॉज की स्ले, घंटियाँ, फ्रिल्स, सजावटी हार, चमकते सितारे और क्रिसमस के पेड़ों से सजाया गया है। पूरे देश में त्योहार का जबरदस्त माहौल है और हर कोई आगामी छुट्टियों की तैयारी में व्यस्त है।

'सैन्यकर्मी सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं कर सकते, सिर्फ देख सकते हैं'

नयी दिल्ली, 25 दिसम्बर। सेना ने डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल के मामले में अधिकारियों और सैनिकों के लिए अपनी सोशल मीडिया नीति में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उन्हें इंस्टाग्राम और एक्स सहित, कुछ चुनिंदा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक सशर्त पहुंच की अनुमति दी है।

सैन्यकर्मियों को यह अनुमति कड़े दिशा-निर्देशों के साथ दी गई है। उन्हें इन

- सेना ने सोशल मीडिया संबंधी नियमों में भारी बदलाव किया

प्लेटफार्म पर केवल सामग्री देखने और निगरानी करने की अनुमति होगी, लेकिन अपनी ओर से पोस्ट करने, टिप्पणी करने या किसी भी प्रकार की ऑनलाइन बातचीत पर प्रतिबंध रहेगा, ताकि संचालन सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सेना द्वारा इस बारे में जारी पत्र में कहा गया है कि सैन्यकर्मियों को तत्काल प्रभाव से केवल सामग्री देखने और निगरानी के उद्देश्य से इंस्टाग्राम के उपयोग की अनुमति दी गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि इंस्टाग्राम पर कोई टिप्पणी या विचार साझा नहीं किए जाएंगे। इसके अलावा, सोशल मीडिया के सीमित उपयोग को स्पष्ट करते हुए सेना ने स्काइप, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और सिग्नल का उपयोग सामान्य प्रकृति की अवर्गीकृत जानकारी के आदान-प्रदान के लिए करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि सामग्री का आदान-प्रदान केवल परिचित व्यक्तियों के साथ ही किया जाए और प्राप्तकर्ता की सही पहचान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी उपयोगकर्ता की होगी।

सरकार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखना चाहिए? साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सरकार को ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ एक्शन लेने का पूरा हक है। अगर कोई भी इस देश में अवैध तरीके से रह रहा है या वीजा की अवधि से अधिक वक्त तक ठहरा हुआ है, तो सरकार के पास उसको डिपोर्ट करने का अधिकार है। इसलिए सरकार को अपना काम करने दें।

वहीं, कानून के पालन पर जोर देते हुए शशि थरूर ने मानवीय दृष्टिकोण और संतुलित तरीके को अपनाने की जरूरत भी बताई, खासकर उन सेंसटिव सीमा-पार मामलों में, जिनमें मानवीय और राजनीतिक दोनों पहलू जुड़े होते हैं।

इसके अलावा, कांग्रेस नेता थरूर ने भारत सरकार के बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंडिया में रहने देने के निर्णय का बचाव किया। उन्होंने इसे मानवीय मूल्यों पर आधारित कदम बताया। थरूर ने कहा कि भारत ने उनको वापस लौटने के लिए मजबूर नहीं करके सही मानवीय भावना के तहत काम किया। साथ ही, उन्होंने शेख हसीना के भारत के साथ पुराने संबंधों और वर्षों तक देश की एक भरोसेमंद दोस्त के तौर पर उनके रोल का भी जिक्र किया। थरूर के मुताबिक, डिपोर्टेशन या प्रत्यर्पण से जुड़े केस जटिल कानूनी ढ ांचे में आते हैं, जिनमें संधियां और उनके अपवाद शामिल होते हैं। इन पर सावधानी से विचार जरूरी होता है। ऐसे फैसले सरकार के विवेक पर छोड़ देने चाहिए।

- कांग्रेस नेता शशि थरूर ने घुसपैठियों के खिलाफ केन्द्र सरकार का समर्थन किया

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक के तुरंत बाद बुलाई है।

सलाहकार परिषद में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे । ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक के एजेंडे में ओबीसी कांग्रेस के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना और हैदराबाद में होने वाली आगामी राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक के लिए विशिष्ट कार्यक्रम को अंतिम रूप देना शामिल है। इन चर्चाओं में देशभर में ओबीसी समुदाय के लिए पार्टी की पहुंच और संगठनात्मक ढ ांचे को मजबूत प्रदान करना शामिल है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की बर्बर हत्या

भीड़ ने पीट-पीट कर युवक को मार डाला

ढ ाका, 25 दिसंबर। बांग्लादेश में जारी अशांति के बीच एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के पांगशा उपजिला में बुधवार रात एक और हिंदू युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, युवक पर जबरन वसूली का आरोप लगाया गया था।

- युवक की पहचान अमृत मंडल उर्फ सम्राट के रुप में हुई आरोप लगाया गया है कि वह वसूली करता था इसलिए गुस्साई भीड़ ने उसे मार डाला।
- पुलिस ने बताया कि उसने अमृत मंडल को भीड़ से बचाया वह बुरी तरह घायल था, अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई।

यह घटना रात करीब 11 बजे कलीमोहर यूनियन के होसेंदंगा गांव में हुई, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। वहीं पांगशा सर्कल के सहायक पुलिस अधीक्षक देब्रत सरकार ने बताया कि मृतक की पहचान अमृत मंडल, उर्फ सम्राट के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना के दौरान पुलिस ने सम्राट के एक साथी मोहम्मद सलीम को मौके से गिरफ्तार किया। सलीम के पास से पुलिस ने दो हथियार भी बरामद किए। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में भीड़ से बचाया।

पुलिस ने बताया कि सम्राट की बिगड़ती हालात को देखते हुए उसे तुरंत पांगशा उपजिला स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान रात करीब 2 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सलीम के पास से एक पिस्टल और एक देसी बंदूक बरामद की और उसे हिरासत में ले लिया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजबाड़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और इस घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से बांग्लादेश में हिंसा बदस्तूर जारी है। ढ ाका से लेकर चटगांव तक भीड़ के प्रदर्शन और उससे जुड़ी हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। 12 दिसंबर को इंकलाब मंच के छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मार दी गई थी। इसके बाद 18 दिसंबर को हादी का सिंगापुर में निधन हो गया और तब से लेकर अब तक बांग्लादेश में लगातार माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इसके ठीक बाद चटगांव में एक हिंदू शख्स की लिंचिंग की घटना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया।

अब बांग्लादेश के नए राजनीतिक दल नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के एक नेता पर भी हमला हुआ है। सोमवार को एनसीपी के मोहम्मद मुतालिब सिकदर को खुलना में गोली मार दी गई। इस हमले में सिकदर के सिर पर चोट आई है। बताया गया है कि उसे गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रक से टक्कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला।

पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा।

ईस्ट जोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रविकांत गौड़ा ने बताया कि बस के ड्राइवर और क्लीनर बच गए हैं, जबकि ट्रक के ड्राइवर-क्लीनर की मौत हो गई है। कई यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। घायल यात्रियों को तुमकुरु जिले में शिरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो यात्री गंभीर हैं। पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

हादसे का शिकार हुए बस के ड्राइवर ने पुलिस को बताया है कि उसने सामने से आ रहे ओवरस्पीड ट्रक को देखकर अपनी गाड़ी को कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंगलवार देर रात चली तेज हवाओं के कारण प्रदूषण स्तर में गिरावट आई है। राजधानी में 22 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चली हवाओं ने एक्यूआई को काफी हद तक कम करने में मदद की। इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में बना हुआ था । इस बीच वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएसक्यूएम) ने कल ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज-4 प्रतिबंध हटा लिया है। यह फैसला रात तेज हवाओं के चलने के कारण कुछ घंटों बाद लिया गया। हालांकि, आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में गिरावट आने के आसार हैं। वहीं, ग्रैप के स्टेज-एक, दो और तीन के तहत प्रतिबंध जारी रहेंगे।

भारत ने किया के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। भारत ने 23 दिसंबर 2025 को एक गोपनीय पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) का सफल परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि ये परीक्षण बंगाल की खाड़ी में किया गया।

- सूत्रों के अनुसार, यह गोपनीय परीक्षण बंगाल की खाड़ी में किया गया

दरअसल, यह परीक्षण परमाणु-सक्षम के-4 मिसाइल का था। यह अरिहंत-क्लास पनडुब्बी से लॉन्च की गई। इस परीक्षण को लेकर पहले से कोई घोषणा नहीं की गई थी। वहीं, एनओटीएएम भी रद किया गया था, जिससे गोपनीयता बनाई रखी जा सके। दावा किया जा रहा है कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इस क्षेत्र में चीनी निगरानी जहाज मौजूद थे।

बता दें कि यह परीक्षण भारत की समुद्र आधारित न्यूक्लियर ट्रायड को मजबूत कर रहा है, जिससे सेकंड स्ट्राइक की क्षमता सुनिश्चित होती है। इस मिसाइल से दुश्मन के पहले हमले के बाद ही जवाबी कार्रवाई की गारंटी भी मिल जाती है।

इस के-4 मिसाइल की सबसे खास बात है कि यह स्वदेशी के- सीरीज की मिसाइल है। यह डीआरडीओ की ओर से विकसित की गई है। ये मिसाइल खास तौर पर अरिहंत-क्लास परमाणु पनडुब्बियों के लिए ही डिजाइन की गई है।

इस मिसाइल की रेंज करीब 3500 किलोमीटर है। वहीं, इसकी लंबाई 12 मीटर के करीब है। व्यास की बात करें तो वह 1.3 मीटर है। मिसाइल का वजन 17-20 टन का है। पेलोड की बात करें तो यह 2 टन तक है। इसमें पानी के नीचे से लॉन्च (कोल्ड लॉन्च सिस्टम), 3डी मैन्यूवर करने में सक्षम, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस से बचने की ताकत भी है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब देने के लिए कहा है।

वेनेज़ुएला के प्रकरण में ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। इससे उसे वैश्विक तेल बाज़ार और आपूर्ति पर बहुत बड़ी ताक़त मिलेगी और वह तेल की क़ीमतों को भी नियंत्रित कर सकेगा।

आख़िरकार, वेनेज़ुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है और अगर अमेरिका इस देश से कोई समझौता कर लेता है तो उसकी तेल कंपनियों के लिए वहाँ काम करने का एक बहुत बड़ा मैदान खुल जाएगा। इसी प्रक्रिया में अमेरिका इस क्षेत्र में चीन को दूर रखने में भी कामयाब हो सकेगा।

इसके अलावा, कुछ हद तक, तेल से होने वाली कमाई मदुरो के नेतृत्व वाली सरकार के पास वापस जाने देने से अमेरिका उस शासन को ज़िंदा रहने भर की "ऑक्सीजन" दे रहा है।

- इस स्कीम से अमेरिका ने चीन पर भी वेनेज़ुएला में प्रवेश पर एक तरह से नियंत्रण लगा रखा है।
- ट्रंप, वेनेज़ुएला को उतना ही ऑयल निकालने दे रहे हैं, जिससे उसकी इकॉनमी ध्वस्त न हो जाए और केवल कुछ सांस ले सके।
- अगर इकॉनमी पूर्णतया ध्वस्त हो जाएगी तो चीन को वेनेज़ुएला में प्रवेश करने का बहाना मिल सकता है, क्योंकि चीन ने वेनेज़ुएला के "इंफ्रास्ट्रक्चर" में काफी पैसा इनवैस्ट कर रखा है।
- "मनरो डॉक्ट्रिन" के तहत ही अमेरिका ने रूस को क्यूबा में अपनी मिसाइल्स लगाने नहीं दी थी, 1960 के दशक में और रूस को क्यूबा से मिसाइल वापस ले जानी पड़ी थी।

अमेरिका का सबसे बड़ा डर यह है कि अगर आर्थिक पाबंदियाँ और तेल आय पूरी तरह रोकने से वेनेज़ुएला सरकार गिर गई, तो कहीं चीन वहाँ घुसकर उसके तेल भंडार पर कब्ज़ा न कर ले। यह वो डरावना सपना है, जिसके बारे में अमेरिका सोचना भी नहीं चाहता। इस समय अमेरिका अपनी पूरी विदेश नीति को नए सिरे से गढ़ रहा है और सदियों पुराने "मनरो सिद्धांत" को फिर से ज़िंदा कर रहा है। उन्नीसवीं सदी के अमेरिकी राष्ट्रपति हर्बर्ट हेनरी मनरो द्वारा रखे गए इस सिद्धांत के मुताबिक, अमेरिका को अपने प्रभाव क्षेत्र में पूरी तरह प्रभुत्व रखना चाहिए, यानी अपने "हैमिस्फियर" में सर्वोच्च शक्ति होना चाहिए। अगर वेनेज़ुएला में सत्ता का खालीपन पैदा होता है और अनिश्चितता के बीच चीन को वहाँ घुसने का मौक़ा मिल जाता है, तो उसे हर हाल में रोका जाना चाहिए। इससे बेहतर यह होगा कि अमेरिकी कंपनियाँ तेल संसाधनों पर कब्ज़ा करके और उन्हें कंट्रोल करके पूरे देश पर पिछले दरवाज़े से कब्ज़ा कर लें।

इसी संदर्भ में ट्रंप बार-बार वेनेज़ुएला द्वारा तेल संसाधनों के राष्ट्रीयकरण और ज्यादातर अमेरिकी कंपनियों को रोकने को अमेरिका के ख़िलाफ़ "चोरी" बताते रहे हैं। वे चाहते हैं कि ये संसाधन फिर से अमेरिकी तेल कंपनियों के हाथ में आएँ। लेकिन ये कदम और सिद्धांत राष्ट्रीय संप्रभुता और आत्मनिर्णय के मौजूदा सिद्धांतों के खिलाफ हैं। मगर इन मूल्यों और मानकों की परवाह किसे है, जब बड़ी ताक़तों के हित पूरे हो रहे हों। अमेरिका ने वेनेज़ुएला के ख़िलाफ़ तो इतनी खुली आक्रामकता दिखाई है, लेकिन उसने कभी रूसी टैंकरों के, तेल ले जाने वाले "गुप्त बेड़ों" के ख़िलाफ़ ऐसा कोई क़दम नहीं उठाया है। अमेरिका की इस खुली आक्रामकता के खिलाफ किसी ने ज्यादा आवाज़ भी नहीं उठाई है।

यह सिर्फ "पावर स्पीक" है, जो एक्शन में दिख रही है।

दिल्ली में 5 रूपए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजौरी गार्डन, नरेला, बवाना और अन्य स्थान शामिल हैं। बाकी 55 कैंटीनों का उद्घाटन अगले कुछ दिनों में किया जाएगा। ये कैंटीन दिन में लगभग 500 लोगों को दो भोजन देंगी - दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक और रात का खाना शाम 6:30 बजे से 9:30 बजे तक। दिल्ली सरकार ने भोजन वितरण के लिए मैन्युअल कूपन की जगह एक डिजिटल टोकन प्रणाली शुरू की है। सभी केन्द्रों की निगरानी "दिल्ली अरबन शेल्टर इन्प्रूवमैंट बोर्ड" (डीयूएसआईबी) के डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीसीटीवी कैमरों द्वारा की जाएगी।

अरावली पर्वत श्रंखला के किसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब धरोहर इमारतें नहीं रहेंगी और इसलिए उन्हें सड़कें और खनन परियोजनाओं के लिए नष्ट करना होगा? यही हम अरावली के साथ कर रहे हैं।

एक प्रेस विज्ञप्ति में इस मामले को स्पष्ट करने के लिए कुछ प्रयास किए गए हैं, जिसमें कहा गया है, "अरावली रेंज को ऐसे सभी भूमि रूपों के रूप में समझाया गया है कि वे भू आकृतियां (लैंडफॉर्म्स), जो 100 मीटर से अधिक है, उन्हें ही अरावली माना जाएगा, ऐसी दो पहाड़ियां अगर 500 मीटर के दायरे में है तो उनके बीच के भाग को भी अरावली माना जाएगा। इसमें उनकी ढलानें आदि भी शामिल हैं।

इसके बावजूद, 100 मीटर शब्द जस का तस है।

यहां चार सवाल दिए गए हैं, जो अभी भी अनुत्तिरत हैं:

1. मंत्री ने पहाड़ की ऊंचाई की परिभाषा को मीन सी लेवल से स्थानीय राहत में क्यों बदल दिया?

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्णय (जो पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत परिभाषा पर आधारित था) के पैराग्राफ 31 में कहा गया है कि "भारत सरकार इसलिए फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की परिभाषा का उपयोग नहीं करना चाहती, क्योंकि यह अरावली के बड़े हिस्से को पर्वत श्रंखला के दायरे से बाहर कर देगा।" जबकि वास्तव में स्थानीय राहत के आधार पर ऊंचाई का मानदंड उपयोग में लाने से अरावली का बड़ा क्षेत्र बाहर हो जाएगा।

- उदाहरण के लिए मानेसर कस्बा ही "मीन सी लैवल" से 265 मीटर ऊंचाई पर बसा है तथा वहाँ के पर्वत की ऊंचाई 315 मीटर है और अगर मानेसर कस्बे की ऊंचाई, पर्वत की ऊंचाई से घटा दी जाए तो पर्वत की ऊंचाई 50 मीटर आंकी जाएगी, जो 100 मीटर की सीमा से काफी कम है। अतः, वहाँ के पर्वत को पूरी तरह तोड़ा जा सकेगा।

2. जब एक पहाड़ी की ऊंचाई केवल 40 मीटर हो, लेकिन वह तेंदुए, चिंकारा या एक संकटग्रस्त वनस्पति प्रजाति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हो, तो क्या होगा? और अगर ऐसा है, तो ऊंचाई को मानदंड के रूप में क्यों पेश किया गया? क्या ऐसे क्षेत्र अब अरावली का हिस्सा नहीं माने जाएंगे?

3. जो बात मंत्री ने साझा नहीं की, वह यह है कि हरियाणा राज्य के लिए वन क्षेत्र की परिभाषा को अगस्त 2025 में भी बदला गया है, ताकि अरावली में खनन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

हरियाणा में नई परिभाषा को अगस्त 2025 में अधिसूचित किया गया। इसके अनुसार, 5 हैक्टयर क्षेत्र अलग-अलग या दो हैक्टेयर लगातार और 40 प्रतिशत कैनपी डैंसिटी वाला क्षेत्र ही जंगल माना जाएगा। पर सेमी एरिड व एरिड ज़ोन, जहाँ 40 प्रतिशत कैनपी डैंसिटी संभव नहीं है, वे अब वन क्षेत्र से बाहर हो गए हैं। जब मंत्री कहते हैं कि अरावली का 90 प्रतिशत क्षेत्र सुरक्षित रहेगा, तब वे हाल ही में किए गए उन कानूनी बदलावों का जिक्र नहीं कर हैं, जो बड़े क्षेत्र को खनन के लिए खोल देंगे।

4. अब, यहां तर्क और जटिल हो जाते हैं। कुछ क्षेत्र हैं, जो अब अरावली से पूरी तरह बाहर हो जाएंगे, जैसे- मानेसर, जो 265 मीटर एमएसएल ऊपर है, मानेसर की सबसे ऊंची पहाड़ी 315 मीटर ऊंची है, लोकल रिलीफ के आधार पर पहाड़ी की ऊंचाई मात्र 50 मीटर है अर्थात यह अरावली का हिस्सा नहीं रहेगा। इसी प्रकार की स्थिति पंचगाँव (286 मीटर एमएसएल) खेराला, हरियाणा (257 मीटर एमएसएल), गैरतपुर, (250 मीटर एमएसएल) में हैं, यहाँ जो पहाड़ियां है, लोकल रिलीफ के आधार पर 100 मीटर से काफी कम हैं, तो इन क्षेत्रों को अब अरावली की परिभाषा से बाहर कर दिया जाएगा।

भूगर्भीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंचाई हमेशा मीन सी लेवल (एमएसएल) से मापी जाती है, न कि आसपास की ज़मीन से। मीन सी लेवल दुनियाभर में सामान्य रूप से स्वीकृत मानक है, तो मंत्री यह क्यों नहीं समझ रहे कि वे ऊंचाई को स्थानीय राहत के आधार पर क्यों माप रहे हैं?

मंत्री के स्पष्टीकरण पर अरावली विरासत जन अभियान के एक्टिविस्टों ने स्पष्टीकरण की विसंगतियों को उजागर किया है और सवाल किया है कि क्या मंत्री यह आश्वासन दे सकते हैं कि अरावली के सभी पहाड़ों को उनकी ऊंचाई की परवाह किए बिना संरक्षण मिलेगा?

अरावली को बचाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है, ताकि न केवल इसकी जैवविविधता बच सके, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोग भी इस प्रभाव से बच सकें, जो पहले से ही शुद्ध हवा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908